

PUBLISHED BY AUTHORITY

नई बिल्ली, शनिवार, मई 2, 1981 (वैशाख 12, 1903)

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 2, 1981 (VAISAKHA 12, 1903)

🎏 इस भाग में भिम्म पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग 111-- खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

📆 हुन्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल 1981

🐒० I-21021/43/80-पर्स-4(भाग-II)---राष्ट्रपति, श्री रामामृति, भाई० पी० एस० (तमिलनाइ, 1949) **िक्षिक (मुख्यालय) सीमा सूरक्षा बल को 1-12-1980** निवेशक, सीमा सुरक्षा बल के पद पर नियुक्त करते साथ ही अपने मूल पद के कार्यभार के प्रतिरिक्त 1980 से 31 जनवरी, 1981 तक महानिरीक्षक, तिब्बत सीमा पूलिस के पद का कार्यभार संभालने भी नियुक्त करते हैं।

> नरेन्द्र प्रसाव निवेशक

(का० एवं प्र० सु० विभाग) केरद्रीय अन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक **प्रप्रैल** 1981

सं० एस०-3/70-प्रशासम-5---राष्ट्रपति भ्रपने प्रसाद से श्री एस० के० श्रीवास्तव, लोक-श्रभियोजक, 1-46GT/81

श्रम्बेषण ब्युरो, विशेष पुलिस स्थापना को, प्रोन्नति पर, दिनांक 25-3-81 के पूर्वाह्म से 6 मास की प्रविध या एक नियमित नियुक्त व्यक्ति उपलब्ध होने तक, जो भी पहले घटित हो, के लिए तदर्थ प्राधार पर वरिष्ठ लोक-प्रभियोजक, केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्युरो, विशेष पुलिस स्थापना के रूप में नियुक्त करते हैं।

REGISTER

दिनांक 8 प्रप्रैल 1981

सं० ए०-58/67-प्रशासन-5--- 58 वर्ष की आयु प्राप्त श्री ग्रानन्द स्वरूप, उप-विधि-सलाहकार, केन्द्रीय प्रत्वेषण ब्यूरो, नई विल्ली विनांक 28-2-81 (ब्रपराह्म) से सरकारी नौकरी से सेवा-निवृत्त हो गए।

सं० भार० - 9/70-प्रशासन-5--दिस्ली पुलिस से केन्द्रीय अन्बेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त पुलिस उप-प्रधीक्षक श्री श्रार० एल० बजाज की सेवाएं दिनांक 31-3-81 (अपराह्न) से दिल्ली पूलिस को वापस सौंप वी गई।

सं एच०- १/७४-प्रशासन- ५--- हरियाणा पुलिस से केन्द्रीय धन्त्रेषण अपूरो में प्रतिनियुक्त पुलिस उप-प्रधीक्षक श्री एच०

(5905)

के० एल० दीवान की सेवाएं दिनांक 31-3-1981 (अपराह्म) ,से हरियाणा राज्य को वापस सौप दी गई। सं० ए०-19036/3/75-प्रशासन-5—केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण विद्यालय, हैदराबाद में पुलिस (उप-अधीक्षक प्रशिक्षक) के रूप में प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए श्री डी० एम० राव, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की सेवाएं दिनांक 31-3-1981 (अपराह्म) से पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो को सौंपी जाती है।

की० ला० ग्रोवर, प्रशासन ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरी

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 12 ग्राप्रैल 1981

सं० 10/41/78-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, भारतीय सांख्यिकीय सेवा के ग्रेड-II के ग्रिधिकारी श्री वी० श्रीनिवासन को नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 3 श्रप्रैल, 1981 के श्रपराह्म से एक वर्ष से ग्रनिधक ग्रविध के लिए या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरा जाए जो भी ग्रविध पहले हो, पूर्णतः श्रस्थायी श्रीर तदर्थ ग्राधार पर प्रतिनियुक्ति पर महायक महापंजीकार के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री श्रीनिवासन का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा। दिनांक 14 श्रप्रैल 1981

सं० 11/34/79-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्यालय अधीक्षकों को उनके समक्ष दिशत जनगणना कार्य निदेशालयों में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अविध को विद्यमान शर्ती पर तारीख 31 अगस्त, 1981 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अविध पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं:—

ऋ०	ग्रधिकारी	जनगणना निदे-	पिछले	संदर्भ
सं०		शालय का नाम	की संख्य	और
			तारीर	ब्र

- 1. श्री एस० बी० वीरभद्र राव . ग्रहणाचल प्रदेश म०पं० की ग्रिधि-सूचना सं० 11/ 34/79-प्रशा०-1 तारीख 15-1-
- श्री एम० श्रार०
 दाहरो . मध्य प्रदेश —उपरोक्त—
 श्री ए० एस०
 प्रसगर . जम्मू ग्रौर कश्मीर उपरोक्त—
 श्री पी० डी० प्रधान मणिपुर —उपरोक्त—
 श्री ग्रार० सी०

राजस्थान

चन्दनानी

उपरोक्स-

2. सर्वश्री राव, दाहरी, ग्रसगर, प्रधान्धीर चन्दनानी का मुख्यालय ऋमणः शिलांग, भोपाल, भार इम्फाल ग्रीर जयपुर में होगा।

पद्मनाभ,
 भारत महापंजीकार

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार ग्रेग लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन ादमी मसूरी, दिनांक 3 मार्च 1981

सं० 2/46/75-ई० एस० टी०—इस कार्याल की ग्रिधि-सूचना सं० 2/46/75-स्थापना दिनांक 24 श्रक्तू, 1980 को जारी रखते हुए, निदेशक महोदय श्रीकैशालचन्द्र सक्सेना की नियुक्ति पुस्तकालयाध्यक्ष के पद र दिनांक 15-4-81 से श्रागामी छः मास के लिए या किर निगमित नियुक्ति होने तक, जो भी पूर्व हो, तदर्थ रूप र सहर्षे बढ़ाते हैं।

> एस० एस जवी उप निदेशक (वष्ठ)

वित्त मंत्रालय

(म्राधिक कार्य विभाग) चलार्थ पत्र मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 4 ग्रप्रैल 1981

सं० 2230/ए०—दि० 25-2-80 के कम में श्रीए० व्ही० सुब्रमण्यन लेखा ग्रधिकारी विभागीय ग्रभियंता र विभाग सोलापुर, को लेखा ग्रधिकारी के रूप में चर्थ पत्न मुद्रणालय, नासिक रोड, में 13-2-81 के पूर्वहिसे ग्रौर एक साल के लिये प्रतिनियुक्ति पर उन्हीं शते के साथ नियुक्त करते हैं।

एस० डी० इडगुी, महाप्रबन्ध

रक्षा मंत्रालय ब्रार्डेनेंस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 6 स्रप्रैल 1981

सं० 2/81/ए०एम०—राष्ट्रपति महोदय ने मसौदा जट ग्रिधिसूचना सं० 4/80/ए०/एम० दिनांक 12-6-80 के गूल कम सं० 12 में जो तदन्तर मसौदा गजट ग्रिधिसूचना सं० 1/81/ए०/एम० दिनांक 30-1-81 के पैरा 2 द्वारा क्रमसं० 11 क्रमांकित किया गया था, डा० एस० सी० नकर, सहायक चिकित्सा ग्रिधिकारी, गन एण्ड शेल फैटरी, काशीपुर के सम्बन्ध में उल्लिखित सभी प्रविष्टिये को निरस्त किया।

2. राष्ट्रपति महोदय ने यह भी निर्णय किया कि डा॰ एस॰ सी॰ नस्कर के सम्बन्ध में उक्त प्रविष्टियों के निरस्त करने के परिणाम-स्वरूप दिनांक 12-6-80 के उपरोक्त मसीदा गजट श्रधिसूचना की क्रम संख्याएं, सही ढंग से पुन: लिखी जाएं।

> ग्नो० पी० बहुल, श्रपर महानिदेशकं/सदस्य (कार्मिक)

उद्योग मंत्रालय (श्रौद्योगिक विकास विभाग) विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 🤧 ैल 1981

सं० 12/517/66-प्रशा० (राष्ट्र क्रुल्कंपनी कार्य विभाग में संयुक्त निदेशक के रूप में स्थानान्तरण होने पर श्री जी० रामचन्द्रन ने दिनांक 31 मार्च, 1981 (अपराह्न) से विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के निदेशक (उत्पादन) सुचकांक पद का कार्यभार छोड़ विया।

> सी० सी० राय, उप निवेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय (प्रशासन श्रनुभाग-6)

नई दिल्ली, बिनांक 6 म्प्रप्रैल 1981

सं० प्र०-6247(273)/80—स्यायी निरीक्षण म्रधिकारी (इन्जीनियरी) और निरीक्षण निवेशक कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन्न निरीक्षण भ्रधिकारी (इन्जी०) भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप ए० (इन्जी० साखा) के ग्रेड-111, श्री एस० के० सरकार केन्द्रीय सचिवालय सेवा (पेंशन नियम) 1972 के नियम 48 ए की शर्ती के ग्रधीन दिनांक 18-3-1981 के ग्रपराह्न से सरकारी सेवा से स्वेच्छा से निवृत्त हो गये।

(प्रशासन भ्रनुभाग-1)

विनांक 13 म्रप्रैल 1981

सं० प्र०-1/1(1170)—पूर्ति तथा निपटान महानिवेशक एतव्हारा निरीक्षण निवेशक (धातु) बर्नपुर के कार्यालय में प्रधीक्षक श्री के० सी० चटर्जी को दिनांक 10-3-81 के पूर्वीह्म से 46 दिन के लिए श्री जी० नन्दीगा की अवकाण रिक्ति में उसी कार्यालय में सहायक निवेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के रूप में पूर्णतः तवर्ष और स्थानीय ग्राधार पर स्थानापक रूप से निमुक्त करते है।

सं० प्र०-1/1(1167)—राष्ट्रपति, इन्जीनियरी सेवा भद्रीक्षा, 1979 के परिजास के द्याघार पर संघ लोक सेवा श्रामील द्वारा नामित प्रत्माशी श्री श्रीम-प्रकाश-खोकर को दिनांक 24 मार्च, 1981 के श्रपराह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप "ए' के ग्रेड III में दो वर्ष के लिए परिनीक्षाधीन नियुक्त करते हैं।

श्री श्रोम प्रकाश खोखर ने दिनांक 24 मार्च, 1981 के श्रपराह्म से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (प्रशिक्षणार्थी) के रूप में कार्यमार सम्भाल लिया।

एम० जी० मैनन उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात भ्रौर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1981

सं० 1946 बी० /ए०-19012 (श्रार० एस० बी०) 80-19 बी० — श्री ग्रार० एस० बेंस को सहायक रसायनज्ञ के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, ग्रागमी ग्रादेश होने तक, 20-12-1980 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

वी० एस० कृष्णस्वामी महा निदेशक

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक मानचित्रण संगठन कलकत्ता, दिनांक 7 प्रप्रैस 1981

सं० 35-2/80/सं०—निम्नलिखित श्रिधकारियों को राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक मानचित्रण सगठन में वैज्ञानिक श्रिधि-कारी (समूह 'ब'—बेतनमान रु० 650-1200 के पद पर दिनांक 1-4-1981 से मूल रूप से नियुक्त किया जाता है:—

- 1. श्री एन० पी० मेशराम
- 2. श्री के० सी० भट्टाचार्य
- 3. श्री एस० सी० दश
- 4. डा० एस० के० राय
- कु० एम० सरदार
- 6. श्री बी० एन० घोष
- 7. श्री एस० मुखर्जी
- 8. डा॰ एन० डी॰ भट्टाचार्य
- 9. श्रीमती मिनती घोष
- 10. श्री एस० के० विश्वास
- 11. श्रीमती सिप्रा दत्त

12. श्री जी० एन० साहा

13. श्री एम० पी० सिन्हा

14. श्री बी० गोस्वामी

एस० पी० दास गुप्ता, निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिस्ली, दिनांक 6 मार्च 1981

सं० ए० 19018/19/80-के० स०स्वा०यो०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने डा० कुमारी रविन्द्रा टण्डन कार्षि को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में 23-1-1981 के पूर्वाह्र से अस्थाई आधार पर होस्योपैथिक फिजीसियन के पह पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 19018/29/80 के०स० स्वा० यो०-1 — स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने डा० श्रीमती मन्जुला पाण्डेय को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में 25-2-1981 के पूर्वाह्न से अस्थाई आधार पर हौमियोपें थिक फिजिसियन के पद पर नियुक्त किया है।

> टी० एस० राव उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1981

सं० ए० 12025/26/79-प्रशासन-I---स्वास्थ्य सेवा
महानिदेशक ने डा० श्रीमती रंजीत कौर भाटिया को
11 सितम्बर, 1980 पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक डा०
राम मनोहर लोहिया श्रस्पताल, नई दिल्ली में दंत शल्य
चिकित्सक के पद पर श्रस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

संगत सिंह उप निदेशक प्रशासन

नई विल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1981

सं० ए० 32015/1/80-स्टोर-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदे-शक ने श्री बलवीर सिंह ढिल्लों को 27 मार्च, 1981 पूर्वाह्म से श्रागामी आदेशों तक सरकारी चिकिस्सा सामग्री भण्डार करनाल में सहायक डिपो मैनेजर के पद पर तवर्ष श्राधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 32014/3/80-स्टोर-I—स्वास्थ्य सेवा महानिवे-शक, ने श्री एम० समवंदम II, कार्यालय, प्रश्नीक्षक, को 1 अप्रैल, 1981 पूर्वाह्म से प्रागामी श्रावेशों तक सरकारी चिकित्सा सामग्री भंडार, मद्रास में सहायक डिपो मैनेजर के पद पर तदर्ष श्राघार पर नियुक्त किया है।

> शिव दयाल उप निवेशक प्रशासन (स्टोर)

कृषि मंत्रालय कृषि गौर सहकारिता विभाग विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 धप्रैल 1981

मि॰ सं० 3-48/79-स्था०(1)—निम्नलिखित प्रधीक्षक (श्रेणी दितीय), प्रधीक्षक (श्रेणी प्रथम), समूह "बी" राजपन्नित (लिपिक वर्गीय) के पद पर रुपए 700-30-760-35-900 के वेतनमान में विस्तार निदेशालय, कृषि मंत्रालय (कृषि श्रीर सहकारिता विभाग) में श्रस्थायी स्थानापन्न प्रूप में 9-4-1981 (पूर्वाह्न) से नीचे दिये यथाकम में श्रगले आदेश तक नियुक्त किये गए हैं:—

- 1. श्री के० एल० चड्डा
- 2. श्री मलखान सिंह
- 3. श्री जोसेफ बक्सला

ऊपर वर्णित व्यक्ति, श्रघीक्षक (श्रेणी प्रथम) के पष पर, वो वर्षों की श्रवधि तक परिवीक्षा पर रहेंगे। यदि उनका कार्य संतुष्ट नहीं पाया गया तो यह श्रवधि सक्षम प्राधिकारी के विवेकानुसार बढायी जासकती है।

सं० 3-48/79-स्था०(I)---निम्नलिखित ग्रधीक्षक (श्रेणी द्वितीय), श्रधीक्षक (श्रेणी प्रथम), समूह "बी" राज-पितः (लिपि क वर्गीय) के पद पर रुपए 700-30-760-35-900 के वेतनमान में विस्तार निदेशालय, कृषि मंत्रालय (कृषि श्रीर सहकारिता विभाग) में श्रस्थायी स्थानापन्न रूप में 9-4-1981 (पृर्वाह्न) से नीचे दिये यथाक्रम में, श्रगले श्रादेश तक नियुक्त किये गए हैं:---

- 1. श्री श्राई० एस० चावला
- 2. श्री एन० सी० जैन
- 3. श्री पी० एस० चौपड़ा
- 4. श्री एच० एस० गौतम
- 5. श्री के० सी० वासुदेव
- 6. श्री एस० एल० धीर
- 7. श्री के० ग्रार० विज
- श्री भ्रो० पी० मसीन

ऊपर वर्णित व्यक्ति, अधीक्षक (श्रेणी प्रथम) के पद पर, दो वर्षों की श्रवधि तक परिवीक्षा पर रहेंगे। यदि उनका कार्य संतुष्ट नहीं पाया गया तो यह श्रवधि सक्षम प्राधिकारी के विवेकानुसार बढायी जा सकती है।

> कृष्ण कुमार शर्मा निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंद्रालय विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय फरीबाबाद, दिनांक 10 ग्रप्रैल 1981

सं० ए० 19025/2/81-प्रव्तु०---संघ लोक बेगा ग्रायोग की संस्सुतियों के ग्रनुसार श्री मोहम्मद श्रबुल हसन को इस निवेशालय के अधीन नागपुर में दिनांक 12 मार्च, 1981 (पूर्वास्त्र) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक निपणन अधिकारी (वर्ग-1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/4/81-प्र०तु०—संघ लोक सेवा ग्रायोग की संस्तुतियों के ग्रनुसार श्री विजय कुमार सीतारामजी डागा को इस निदेशालय के ग्रधीन राजकोट में दिनांक 12 मार्च, 1981 (पुर्वाह्न) से श्रगले ग्रादेश होने तक स्थानापन्न सहायक विषणन ग्रधिकारी (वर्ग-III), नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनिहार निदेशक प्रशासन कृते कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु म्रानुसंघान केन्द्र कार्मिक प्रभाग बम्बई, दिनांक 25 मार्च 1981

सं० 5/1/81-स्थापना II/1314—नियंक्षक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, निम्नलिखित अधिकारियों, को तदर्थ रूप से उनके नाम के सामने अंकित समयावधि के लिए स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं:—

क∘	नाम तथा पदनाम	स्थानापन्न रूप में नियुक्ति	समयावधि से तक
	सर्वश्री		
1	्रावाता श्री पी० बी० करंदीकर,	म्रजायक कामिक	10-11-80
1.	सहायक	ग्रहासकारी श्रिषकारी	10 11 30 से
	त्रश्रीभग	त्रावकारा -	7 26-12-80
			भ्रपराह्न
			7-1-81
			से
			17-2-81
		~	भ्रपराह्न
2	एम० एन० लोटलीकर,	सहायक कार्मिक	1-12-80
	सहायक	श्रधिकारी	से
			24-2-81
			ग्रपराह्म
3	एस० म्रार० पिंगे,	सहायक कार्मिक	7-1-81
	एस० जी० सी०	ग्र धिकारी	से
			17-2-81
			अपराह्म
4	बी० एम ० नाइक	सहायक कार्मिक	15-12-80
	एस० जी० सी०	प्रधिकारी	से
	•		31-1-81
			श्रपराह्म

कु० एच० बी० विजयकर उप स्थापना ग्रधिकारी परमाणु कर्जा विभाग ऋय और भंडार निवेशालय बम्बई, विनांक 27 मार्च 1981

सं० 23/1/81-संस्थापन—निदेशक ऋय और मंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री एल० बी० चन्द्रगिरी के लेखा श्रिष्ठकारी-III से लेखा श्रिष्ठकारी-III के पद पर पदोन्नति हो जाने पर इस निदेशालय के स्थाई सहायक लेखा कार श्री के० पी० वाड़िया को स्थानापन्न रूप से लेखा श्रिष्ठकारी II के पद पर रूपए 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतन ऋम में दिनांक 26 नवम्बर, 1980 (पूर्वाह्न) से 30 दिसम्बर, 1980 (प्रपराह्न) तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्तकरते हैं। श्रार० पी० डिस्नुजा,

आर० पा० ।डसूजा, सहायक कार्मिक ग्रिधकारी

नाभिकीय ईंग्रन सम्मिश्र हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च 1981

संग्ना॰ई०स०/का॰प्र०-4/ग-102/जिस्पंसं०/430—नियुक्ति प्रादेश संग्ना॰ ना०ई०स०/का॰ प्र० भ०/0702/213, दिनांक 16-1-1981 की मतों को पन्न संग्न का प्र० भ०/0702/8030, दिनांक 1-1-1981 के प्रनुच्छेव 1(प्र) की शतों के साथ संयोजित करते हुए जिरकोनियम स्पंज संयंत्र के मददगार "ग्र" श्री एस० गोपालाचारी की सेवाओं को सस्काल प्रभाव से समाप्त किया जाता है।

उन को विया गया बस पास, सुरक्षा बिल्ला तथा भ्रन्य सरकारी सामान को जिरकोनियम स्पंज संयंत्र को प्रबंधक को तत्काल भ्रम्यपित करने का भ्रादेश दिया जाता है।

> यू० वासुदेवा राव, प्रशासनिक ग्रविकारी

श्री एस० गोपालाचारी
 द्वारा, श्री एस० के चारी
 निवास सं० 2-63/1, कुक्टपल्ली
 जिला: रंगारेड्डिं

 श्री एस० गोपालाचारी पत्नालय: तंगेल्लापहली द्वारा गनिगाराम जिला-करीमनगर आन्ध्र प्रवेग

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना कलपाक्कम, दिनांक 31 मार्च 1981

सं० एम०ए०पी०पी०/3/(1350)/81-भर्ती—श्री एन० श्रीनिवासन ने, जो कि तारापुर परमाणु बिजलीघर में सहायक कार्मिक श्रिष्ठकारी के पद पर कार्य कर रहे थे, अपना तबादला होने पर, मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना, कलपाक्कम में सहायक कार्मिक श्रिष्ठकारी के पद का कार्यभार स्थानापन्न रूप से 17 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न में संभाल लिया।

> भार० पी० हरन, प्रशासनिक भ्रधिकारी मुख्य परियोजना इंजीनियर

दिनांक 2 श्रश्रील 1981

सं० एम०ए०पी०पी०/18(116)/81-भर्ती—मद्रास पर-माणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना ग्रिभियन्ता ने इस परियोजना के उन ग्रिधकारियों में से, जिनके नाम नीचे दिये आ रहे हैं, प्रत्येक को उसके नाम के सामने लिखे ग्रेड में उसी परियोजना में ग्रस्थाई रूप में 1 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्म से श्रगला ग्रादेश जारी होने तक के लिए नियुक्त किया है:—

क् स ं ०	नाम	वर्तमान ग्रेड	ग्रेड जिस पर नियुक्तिकी गई है
•	र्वश्री म० राषयन नायर	वैज्ञानिक सहायक "सी"	वैज्ञानिक ग्रिध- कारी/ग्रिभियन्ता ''एस०बी०''
	।० कुष्णामूर्ति ० मोहनी राज पन	—वही— थ —वही—	यही यही

श्रार० पी० हरम प्रशासन श्रधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500.016, दिनांक 8 ग्राप्रैल 1981

सं० पख प्र0-1/6/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परामाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्श्वारा श्री वी० देशकास को परमाणु खनिज प्रभाग में 24 मार्च, 1981 के पूर्वाह्म से ग्रगले श्रावेश होने तक ग्रस्थाई रूप से वैज्ञानिक श्रिधिकारी/श्रिणियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० पखप्र.0-1/6/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा श्री सत्य नारायण टाक को परमाणु खनिज प्रभाग में 26 मार्च, 1981 के अपराह्म से अगले आदेश होने तक श्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधि-कारी /श्रिभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० पख प्र०-1/38/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा श्री सुरेश बहावुर सिंह को परमाणु खनिज प्रभाग में 25 मार्च, 1.981 के पूर्वाह्न से ग्रगले श्रावेश होने नतक श्रस्थायी तौर पर वैज्ञानिक श्रिथकारी/श्रिभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०, नियुक्त करते हैं।

सं० पक्ष प्र०-1/38/80-भर्ती--परमाणु कर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निवेशक एतद्द्वारा श्री मंजीत कुमार को परमाणु खनिज प्रभाग में 4 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्म से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से अहानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

> एम० एस० राव, वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा श्राधकारी

भारी पानी परियोजना बम्बई-400008, दिनांक 13 मार्च 1981

सं० को/टूट 05052/80-प्रग०/1710—भारी पानी परि-योजना के, विशेष-कार्य-प्रधिकारी, श्री कुप्पास्वामी वीरराधकन, प्रस्थाई वैज्ञानिक सहायक 'सी' भारी पानी परियोजना (तूती-कोरिन) को उसी परियोजना में एक सितम्बर, पूर्वाह्न, 1980 से श्रागे श्रादेश होने तक के लिए वैज्ञानिक श्रधिकारी/ श्रभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० कों/टूट05052/80-/अग०/1711—भारी पानी परि-योजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री नारायण राव सुक्रमण्या, अस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' भारी पानी परियोजना (तूसीकोरिन) को उसी पियोजना में एक अगस्त पूर्वाह्म, 1980 से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस०बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० को/टूट05052/80/प्रग०/1712—भारी पानी परि-योजना के, विशेष-कार्य-प्रधिकारी, श्री शान्तनु चन्नवर्ती, प्रस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) को उसी परियोजना में एक ग्रगस्त पूर्वाह्न, 1980 से प्रागे प्रावेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक प्रधिकारी/ प्रभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० को/टूट05052/80/अग०/1713—भारी परि• योजना के, विशेष-कार्य-प्रधिकारी, श्री गोविन्द कुमार कृष्णन, श्रस्थायी फोरमैन, भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) को उसी परियोजना में एक श्रक्तूबर, पूर्वाह्म 1980 से श्रागे मादेश होने तक के लिए स्थानापम वैज्ञानिक श्रिधकारी/श्रमियन्ता (ग्रेड एस० बी०), नियुक्ति करते हैं।

सं० को/टूट 05052/80/अग०/1714—भारी पानी परि-योजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री चम्पार्टी वेंकट-चलाति राव, अस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) को उसी परियोजना में एक सितम्बर पूर्वाह्म, 1980 से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापस वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० को/टूट 05052/80/ग्रग०/1715—भारी पानी परि-योजना के, विशेष-कार्य-श्रधिकारी, श्री मोहम्मद कासिम मोहम्मद यूसुफ श्रली, श्रस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिम) को उसी परियोजना में एक ग्रनस्त पूर्वाह्म, 1980 से श्रामे श्रादेश होने तक के लिए स्थानापक वैज्ञानिक श्रधिकारी/श्रभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/80/ग्रग०/1716—भारी पानी परि-योजना के, विशेष-कार्य ग्रधिकारी श्री ग्रशोक शंकर, ग्रस्नायी कोरमैंस, भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) को उसी परियोजना में एक सितम्बर पूर्वाह्न, 1980 से ग्रागे ग्रावेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक ग्रधिकारी/ग्रभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

संक्को/टूट 05052/80/प्रग०/1717—भारी पानी परि-योजमा के, विशेष-कार्य-प्रधिकारी, श्री के० ए० प्रब्दुल वहाब, प्रस्कावी वैज्ञानिक सहायक 'सी' भारी पानी परियोजना (तूसीकोरिन) को उसी परियोजना में एक नवम्बर पूर्वाह्न, 1980 से प्रागे श्रावेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक प्रसिकारी/प्रभिधन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/80/ग्रग०/1718—भारी पानी परियोजना कें, विमेष कार्य ग्रिक्कारी, श्री नारायणस्वामी सुब्रमणियम कर्षपर, श्रस्थाई वैज्ञानिक सहायक 'सी' भारी पानी परियोजना (तृतीक्तेरिन) को उसी परियोजना में ग्रगस्त 4 पूर्वाह्न, 1980 से ग्रागे श्रादेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक ग्राधिकारी/ग्रामियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं। श्रीमती कें० पी० कल्याणीकुट्टी, प्रशासन ग्रधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीबर

तारापुर परमाणु बिजलीघर, दिनांक 2 ग्रप्रैल 1981

सं० टी० ए० पी० एस०/2/705/69—तारापुर परमाणु विजलीघर के मुख्य अधीक्षक ने उस विजलीघर में दस्तकार जी' के पद पर मौलिक रूप से तथा वैज्ञानिक अधिकारी- ग्रेड एस० वी० के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त श्री एम० पी० थानस का त्यागपन्न 14-3-1981 के अपराह्न सेस्वीकार कर लिया है।

दिनांक, 3 श्रप्रैल 1981

सं० तारापुर परमाणु विजलीघर 12/973/73—तारापुर परमाणु विजलीघर के मुख्य अधीक्षक, उस विजलीघर में क्रेसिक सहायक "सी" के पद पर मौलिक रूप से तथा वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त श्री एस० श्रार० राधाकुष्णन का त्यागपन्न 11-3-1981 के पूर्वान्न से स्वीकार करते हैं।

डी० वी० मारकले, मुख्य प्रशासनिक स्रधिकारी

रिएक्टर भनुसंधान केन्द्र

कलपाक्कम, दिनौंक 31 मार्च 1981

सं० ए० 32023/1/77/प्रार०/3438---श्री के० एम० वेलायुवन ने, जिनकी पदोन्नति इस केन्द्र की तारीख 8-7-1980 की सम संख्यक प्रधिसुचना द्वारा 5 जुलाई, 1980 के पुर्वाक्ष से तदर्थ प्राधार पर सहायक लेखा प्रधिकारी के पव पर की गई थी, उक्त पव का कार्यभार 18 मार्च, 1981 के पूर्वाक्क में छोड़ दिया।

> ्स० पद्मनाभन, प्रशासनिक **प्रधि**कारी

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 3 प्रप्रैल 1981

सं० ए० 12025/3/71-ई-1 (खण्ड-II) — महानिधेशक नागर विमानन ने श्री कृष्ण कुमार शर्मा की नागर विमानन विभाग में हिन्दी अधिकारी के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 31-3-1981 तक जारी रखने की मंजूरी दी है।

सुघाकर गुप्ता, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 8 मप्रैल 1981

सं० ए० 32013/2/80-ई० सी०—इस विभाग की विनांक 14-10-1980 की अधिसुचना सं० ए० 32013/2/80-ई० सी० और विनांक 8-1-1980 के ऋम में, राष्ट्रपति ने निम्निसिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों की तकनीकी अधिकारि के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति प्रत्येक के नाम के साममें दी गई तारीख के बाद आगे दिनांक 31-5-1981 तक की अवधि के लिए जारी रखने की मंजूरी दी है:—

ऋम सं०	नाम	तैनाती स्टेगन	तदर्थ नियुक्ति की तारीख
1.	2	3	4
	सर्वश्री		
1.	एस० पो०	रेडियो निर्माण एवं विकास	
	साहनी	एकक <i>,</i> नई दिल्ली ।	31-12-80
2.	एच० एस०	वैमानिक सं चार स्टेशन , ः	
	गाहले	लख नऊ।	31-12-80
3.	स्रो० एस०	रेडियो निर्माण एवं विकास	
	गिल	एकक, नई दिल्ली ।	31-12-80
4.	एस० के०	वैमानिक संचार स्टेशन,	
	दास	कलकत्ता ।	31-12-80
5.	पीं० वी०	रेडियो निर्माण एवं विकास	
	सुब्रह्मणयम	् एकक , नई विल्ली ।	31-12-80
6.	म्रार० एस०	रेडियो निर्माण एवं विकास	
	सन्धु	एकक, न ई दि रुली ।	31-12-80

1 2	3	4
7. एस ः रा ज	ा- वैमानिक सचार स्टेशन,	
रमन	बम्बई।	31-12-80
8. सी ० डी ०	रेडियो निर्माण एवं विकास	
गुप्ता	एकक, नई दिल्ली ।	31-12-80
9. एम० वी०	वैमानिक संचार स्टेशन,	
दरभे	बम्बर्ध।	31-12-80
10. एन० एस०	रेडियो निर्माण एवं विकास	•
सिन्धु	एकक, नई दिल्ली ।	31-12-80
11. एस॰ ग्रार	o नागर विमानन प्रशिक्षण	
पद्भनाभन	केन्द्र, इलाहाबाद ।	31-12-80
। 2. एस ः रामा		
स्वामी	पोर्टबलेहर।	31-12-80
3. पी० ए०	वैमानिक संचार स्टेशन,	
शास्त्री	कलकता ।	31-12-80
4. के० बी०	वैमानिक संघार स्टेशन,	
नम्दा	श्रीनगर ।	31-12-80
इ. ए ल० ग्रा र	o रेडियो निर्माण एवं विकास	
गोयल	एकक, नई दिल्ली ।	31-12-80
16. ए च ० एस०	वैमानिक संचार स्टेशन,	
बाजवा	जयपुर ।	31-12-80
17. ए च ० एस०	रेडियो निर्माण एव विकास	
ग्रेवाल	एकक, नई विल्ली।	31-12-80
18. म्रार०वी०	रेडियो निर्माण एवं विकास	
राव	एकक, नई दिल्ली।	30-9-80
1 9. म्रार ० जीव	वैमानिक सभार स्टेशन,	
राव	न्निवेन्द्रम् ।	30-9-80

दिनांक, 10 अप्रैल, 1981

स० ए० 32013/11/79-ई० सी०---राष्ट्रपति ने निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय के निम्नलिखित छः तकनीकी अधिकारियों को दिनांक 20-3-81 (पूर्वात्) से छः मास की अविध के लिए तदर्थ प्राधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें उसी कार्यालय में सैनात किया है:---

- 1. श्री के० विश्वनाथन्
- 2. श्रीकन्हैयालाल
- 3. श्री एन० शंकर
- 4. श्री कुलदीप सिंह
- 5. श्री एस० सी० दुग्गल
- 6. श्रीपी० डी० खन्ना

दिनांक, 13 अप्रैल 1981

सं ए 32013/4/80-ई० सी०---राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता के श्रीबी० एन० माधव राव, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी को विनांक 9-3-1981 (पूर्वाह्न) से छ: मास की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय) में तैनात किया है।

सं० ए० 32013/5/80-ई० सी०---राष्ट्रपति ने महानिवेशक नागर विमानन कार्यालय (मुख्यालय) के श्री रिसाल
सिंह, सहायक निदेशक संचार को दिनांक 27-3-81 (पूर्वाह्म)
से 6 मास की श्रवधि के लिए तदर्थ श्राधार पर उपनिदेशक/
नियंत्रक संचार के ग्रेड में नियुक्त किया है श्रीर उन्हें सचार
नियंत्रक, वैमानिक संचार स्टेशन, दिल्ली एश्ररपोर्ट, पालम के कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए० 38015/29/80-ई० सी०----निदेशक रेडियो और विकास एकक कार्यालय नई विल्ली के श्री श्रार० वी० राष तकनीकी श्रधिकारी (तदयं) ने दिनांक 31-3-1981 को मूल नियम 56 (के०) के उपबन्धों के अन्तर्गत स्वैच्छिक रूप से सेवा निवृत्त हो जाने पर श्रपने पर का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए० 38015/38/80-ई० सी०---राष्ट्रपति ने वैमामिक संचार स्टेशन, बम्बई के श्री एच० एस० सी० राव तकनीकी प्रधिकारी को मूल नियम 56(के) ग्रधीन दिनांक 31-12-1980 (ग्रपराह्न) से सरकारी सेवा से निवत्त होने की ग्रनुमति प्रदान की है।

> वी० जयचन्त्रन, सहायक निदेशक प्रशासन ।

केन्द्रीय उत्पादन शुरक एवं सीमाशुरुक समाह्तालय बड़ौदा, दिनांक 13 जनवरी 1981

सं० 1/81—सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बड़ौदा II के कार्यालय के वर्ग 'ख' अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्री पी० डी० सौलंकी को विनांक 31-12-80 से स्वैष्ठिक आधार पर सेवा निषृत्त होने की अनुमति दी जाती है क्योंकि उन्होंने 20 वर्गों से अधिक की अहंक सेवा पूरी कर ली है।

समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बड़ौदा ।

दिनांक 8 श्रप्रैल 1981

सं 0 2/81 — केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, सूरत के सहायक समाहर्ता के श्रधीम कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग "ख" के सहायक समाहर्ता/श्रधीक्षक श्री वाई० श्रार० जगीया वृद्धावस्था पेंशन की श्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 31-1-1981 के श्रपराह्म से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 3/81 - केन्द्रीय उत्पादन मुल्क, मुख्यालय बड़ौदा के सहायक समाहर्ता के घडीन कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन मुस्क के वर्ग "ख" के सहायक समाहर्ता/प्रधीक्षक श्री श्रो० पी०

पाठक वृद्धावस्था पेंशन की ग्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 31-1-1981 के भ्रपराह्न से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 4/81—केन्द्रीय उत्पादन गुल्क, बडौदा के सहायक समाहर्ता के अधीन कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन गुल्क के वर्ग "क" के सहायक समाहर्ता/अधीक्षक श्री आर० एम० मजूमदार वृद्धावस्था पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-3-1981 के अपराह्न से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 5/81—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क बंडीदा II के सहायक समाहर्ता के अन्तर्गत कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'ख' के सहायक समाहर्ता-अधीक्षक श्री एम० एस० कोली वृकावस्था पेंशन की श्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 31-3-81 के अभराह्न से निवन्त हो गए हैं।

> ं(ह०) ध्रपठनीय समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन गुल्क, बडौदा

केन्द्रीय जल श्रायोग

नई विल्ली-110022, दिनांक 6 प्रप्रैल 1981

सं० ए-19012/852/80-स्था० पांच— प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री जी० एस० त्यागी, पर्यवेक्षक को प्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में पूर्णतया श्रस्थाई तथा सदर्थ आधार पर ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 6 महीने की श्रवधि के लिए अथवा पवों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो 23 श्रक्षूबर, 1980 की पूर्वाह्म से नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19012/868/80-स्था० पांच--- अध्यक्ष, केन्द्रीयजल आयोग एतद्द्वारा श्री रियाजुद्दीन खान, पर्यवेश्वक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में पूर्णतया अस्थाई तथा तदर्थ आधार पर रु० 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 6 सहीने की अवधि के लिए अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, 27 अक्तूबर, 1980 की पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

ए० भट्टाचार्य, भ्रवर संचिव केन्द्रीय जल स्रायोग

पूर्ति तथा पुनर्वास मंत्रालय पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली, विमांक 9 ग्रंप्रैल 1981

सं० प्र-15/28(626)/77—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सर्चि-वासय सेवा के ग्रेड I के प्रधिकारी श्री ग्रार० एन० सरकार 2-46GI/81 का विशेष कार्याधिकारी (प्रशिक्षण) के रूप में प्रतिनियंकित काल 30-1-81 से प्राणे प्रथित् 31-1-1981 से 31-8-81 तक बढाते हैं।

एम० जी० मेनन, उप 'निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक 'पूर्ति तथा निपटान

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर कमला फुटवीयर प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

सम्पेतियों के रिजिस्ट्रीर की कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 मार्च 1981

सं० 7042— कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (8) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर कमला कूट कीयर श्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भौर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और महाबीर पेपर मिल्स लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 24 मार्च 1981

सं० 7381— कथ्पनी घिधिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (3) के धनुसरण में एतवृद्धारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर महाबीर पेपर जिल्ला किया गया हो रिजस्टर से काट दिया जाएगा घौर उन्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कस्पनी ग्रधिनियम, 1956 और योजनी फीरमिंग ऐस्टर प्राईअज प्राईवेट लिमिटेंड के विषय में। नई दिल्ली, दिनीक 24 मार्च 1981

सं० 5120/1565— कम्पनी श्रिधिनियमं, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रेनुसरण में एतद्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवंसान पर योजना फार्रामण एन्टर प्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिया निकास के स्वाट दिया जीएंगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएंगी।

कम्पनी ब्रधिनियम, 1956 श्रौर सुणाम फाईनेण्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 24 मार्च 1981

सं० एन-2648 कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतवृद्धारा यह सूचना दी जॉती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सुशाम फाईनेन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्यत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर एसकार्टस एनसीलगी इन्डस्ट्रियल प्राईवेट लिमिटेड के विषय में नई दिल्ली, दिनांक 24 मार्च 1981

सं० एत्र-2653—कम्पनी ग्रिश्वनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्हारा यह सुचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर एसकार्टम एनसिलरी इन्डस्ट्रियल स्टेंट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया आएगा श्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

जी० बी० सक्सेना, सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली एत्रं हरियोणा

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर मैं० काफिन्दी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में नई दिल्ली, दिनांक 24 मार्च 1981

सं० 3386—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्क्षारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मैं० काफिन्दी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

हर लाल, सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली एवं हरियाणा ।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर पारेस कुटी (साउध) प्राईवेट लिमिटेड के विषय में। कलकत्ता, दिनांक 8 श्रप्रैस 1981

सं० 29796/560(5)—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि पारेस कुटी (साउथ) प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है भौर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

ए० वी० विसास, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल ।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं भ्रपना जिस्ट्रीब्यूटर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में बस्बई, दिनांक 4 अप्रैल 1981

सं० 604/17614/560(5)—कम्पनी घधिनियम, 1956 कींघारा 560 की उपघारा (5) के अनुसरण से एतद हारा सुजना दी जातो है कि भ्रापना डिस्ट्रोब्यूटर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भ्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी म्रधिनियम, 1956 श्रौर मैन्सफील्ड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 7 प्रप्रैल 1981

सं० 470/13758/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतव्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैन्सफील्ड प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिषत न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ग्रोम प्रकाश जैन, कम्पनियों का ग्रतिरिक्त रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र, अस्वर्ष ।

कार्यालय भ्रायकर भ्रायुक्त लखनऊ, दिनांफ 27 मार्च 1981 आयकर विभाग

सं० 14—श्री गोरख सहाय श्रायकर निरीक्षक, इलाहाबाद प्रभार को श्रायकर श्रीधकारी (वर्ग "ख") के पद पर श्राफि-सियेट करने के लिए रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 16-2-1981 के पूर्वाह्म में श्रायकर-ग्रीधकारी ई०-वार्ड, बनारस के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 15—श्री उमाणंकर, श्रायकर निरीक्षक, इलाहाबाद प्रभार को श्रायकर अधिकारी (वर्ग "ख") के पद पर श्राफि-सियेट करने के लिए ६० 650-30-740-35-810-६० रो०-35-880-40-1000-६० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 31-1-1981 को श्रपराह्म में श्रायकर-अधिकारी प्रतापगढ़ के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 16--श्री सरन बिहारी, भ्रायकर निरोक्षक लखनऊ प्रभार को श्रायकर-श्रिष्ठकारी (वर्ग "ख") के पद पर भ्राफि-सियेट करने के लिए रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदो-स्नत किया गया है। पदोन्नलि पर उन्होंने दिनांक 28-2-81 के पूर्वाह्न में श्रायकर-श्रिष्ठकारी (न्यायिक) कार्यालय भ्रायकर श्रायुक्त (केन्द्रीय) कानपुर के रूप में कार्यभार संभाला।

धरनी धर, श्रायकर ग्रायुक्त, लखनऊ ।

ग्राय-कर भ्रपील ग्रधिकरण

बम्बई-400 020, दिनांक 6 अप्रैल 1981

सं० एफ 48-ए० डी० (ए० टी०)/81--श्री ए० राम-कृष्णन् श्रधीक्षक श्राय-भर श्रपील श्रधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई को तदर्थ श्राधार पर श्रस्थाई क्षमता में सहायक पंजी-कार के पद पर श्राय-कर श्रपील श्रधिकरण, श्रमृतसर न्यायपीठ, श्रमृतसर में ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर दिनांक 26 मार्च, 1981 (पूर्वाह्न) से तीन महीने की श्रवधि के लिए या तब तक जब तक कि उस पद के लिए नियमित नियुक्त नहीं हो जाती, जो भी गी घ्रतर हो, स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

उपयुक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है भीर यह श्री ए० रामकृष्णन को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा प्रदान नहीं करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रवत्त सेवाएं न तो वरीयना के श्रिक्षाय से उस श्रेणी में परिगणित की जाएंगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोक्षत किए जाने की पानता ही प्रदान करेंगी।

दिनांक, 9 अप्रैल 1981

मं० एक 48-ए० श्री० (ए० टो०)/80--श्री नारंजन दास, स्थानापन्न सहायक अधीक्षक, ग्राय-कर प्रपील ग्रधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली, जिन्हें तवर्ष श्राधार पर, श्रस्थाई क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर श्राय-कर श्रपील श्रिष्ठकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में दिनांक 17--81 से 16-4-81 तक स्थानापक्ष रूप से कार्य करते रहने की श्रनुमति प्रदान की गई थो, देखिए, इस कार्यालय के दिनांक 20 जनवरी, 1981 की श्रिष्ठमुचना क्रमांक एफ 48-ए० डी० (ए० टी०)/80, को श्रव श्राय-कर श्रपील श्रिष्ठकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में तदर्थ श्राधार पर, श्रस्थायो क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 17-4-81 से 6-7-81 तक या तव तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा नहीं की जाती, जो भी श्रीझतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की श्रनुमित दी जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री नारंजन दास को उसी श्रेणी में निमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी श्रोर उनके द्वारा तदर्थ श्राधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के श्रीभप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जाएंगी श्रोर न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किए जाने की पानता ही प्रदान करेंगी।

> टी० क्षी० मुग्ला, श्रध्यक्ष,

प्रस्पः आर्डोः दीः एमः एसः, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक्ष आक्कर आक्कत (नियीक्षण)-प्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

श्रमुतसर, दिनांक 2 श्रप्रैल 1981

निवेश नं ए० एस० आर०/80-81/508-यतः मुझे, श्रनन्द सिंह,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें जावकर अधिनियम, इसके परकात 'उक्त अधिकियम' कहा गया है, की धारा 269-इ. के बलीन सक्षमः प्राधिकारी को यह विश्वतसः करने का कारणः ही कि स्थानचसम्मतिः, जिस्काः उन्नितं नाफारः मूल्यः 25,000 / रत. से अधिआक **है**

भौर जिसकी सं० एक धर है तथा जो भ्रमृतसर में स्थित है (भौर इससे ज्याबक अमुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अगस्त 1980

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृहु है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापुर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मुल्य, उसके व्ययमान प्रतिकल से, एसे व्ययमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दर्शय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया **ह**ै:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर् अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए;

- श्री सुन्द्र सिंह पुत्र हुजूर सिंह वासी चौक फरीब श्रमृतसर। (भ्रन्सरक)
- 2. श्री रविन्द्र नाथ पुरी पुत्र जनक राजपूरी वासी गली नं० 8, बाग रामानन्द, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- असा कि सं० 2 घीर कोई किराये दार । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- श्री/श्रीमती/कुमारी श्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके कारे में ब्रधीहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्मति में हितबद्ध ₹)

को यह सूत्रमा जारी करके पूर्योक्तः सम्प्रसिः के कर्जनः के सिए: अवर्षवाहियाः नास्ताः हूं ।

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख[,] ते 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिक की अवधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथा कर व्यक्तियों में से फिली व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिक्कित में किए जासकों गे।

स्पष्टिकिश्णः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

एक मकान नं० 2559/12, गली कमोया कटड़ा शेर सिंह श्रमृतसर में जैसा कि सेलडीड नं० 1616/1 दिनांक 22-5-80 रजिस्ट्री ग्रधिकारी ग्रम्तसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी टेलर रोड, भ्रमृतसर

अतः अज, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नुनिश्चित व्युवित्यों अर्थात् :--

विनांक: 2-4-81

प्रक्रमः ब्राई॰ टीः•। एल◆ एस•----

पात्रकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाराः 269-व (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 2 ग्रप्रैस 1981

निदेश नं० ए० एस० ग्रार०/80-81/509—यतः मुझे, ग्रानन्द सिंह,

भायकर भ्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 को 43) (िजसे-इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा ∠89-का के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से श्रिष्ठिक है

भ्रौर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो भ्रमृतसर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक ध्रगस्त 1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को. गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का. उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से प्रधिक हे और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरितों (प्रम्तरितयों) के बोज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गक्षा प्रतिफत निम्नलिखा। उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का प कियान नहीं फिजा गया है:——

- (६) अन्तरक ने हुई किसा आप की बाबत, उक्त अधि-।तेयम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व के कमी करने या उसने बचते के मुविधा के लिए, और/या;
- (ब) ऐसो किया प्रायन्त्र किया यह प्राप्तियों होते. जिस्हें भारतीय प्रायन्कण प्रक्षितियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्षितियम, यह धन-कर प्रक्षितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 239-ग के श्रनुसरण में, म, उक्त प्रधिनियम की भारा १९९-४ की लाधारा (।) अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, श्रयांतः -- 1: श्री गुरमखा सिंह कावला पुत्न संतोख सिंह चावला वासी 7---संतोख सिंह रोड, श्रमृतसर ।

(स्रन्तरक)

2. श्री हरिन्द्र सिंह पुत्र जमीग्रतसिंह सुरिन्द्र जीत कोर पत्नी हरिन्द्र सिंह वासी गली नं० 4 गेट भक्ता वाला श्रमृतसर ।

(ग्रन्तरिती)

- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि सं० 2 ग्रौर कोई किराये-दार (वह व्यक्ति , जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्री/श्रीमती/कुमारी ग्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रश्नोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

कोः यहः नुषका जारीः करके पृथीकतः सम्पत्ति के अजन के सिद्यः कार्यवाहियाः करता है ।

उनन सम्बन्धि के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इन नूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामींत से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन मी तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किमी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिबित में किए जा मुक्कि।

स्रवधी तरणा---इसमें प्रयुक्तः सम्बों भीर पद्यों का, जो उन्तः प्रश्नि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता जो उस श्रध्यक्य में दिया गया है।

वगुसूची

एक प्लाट नं० 6 जिसका रकबा 544 क्योगज और 7 1/2 फुट, रोज एवेम्यू प्रमृतसर में जैसा कि सेलडीड नं० 1495/ दिनांक 8-8-80 रजिस्ट्री श्रीधकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> भ्रानन्द सिह् सक्षम प्राधिकारी श्रायकर सहायक श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 3-चन्त्रपुरी टेलर रोड, अमृतसर

दिनांक: 2-4-81

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारतु सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 3 भ्रप्रैल 1981

निदेश सं० ए एस० ग्रार०/80-81/510 — यतः मुझे, ग्रानन्द सिंह,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक कोठी है तथा जो श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त 1980,

को प्योंकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तरण लिखित में बास्तिबक स्म से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्र/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के सधीन निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात्:--

1. श्री वया सिंह पुत्र धनिया सिंह वासी गांव ठठ गढ़ तहसील तरनतारन

(भ्रन्तरक)

2. डा॰ कुलदीप सिंह पुत्र निरमल सिंह वासी 202-शिवाला रोड, श्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि सं० 2 स्रोर कोई किरायेदार (बह व्यक्ति, जिसके स्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. और कोई (वह व्यक्ति, निजके बारे में झघोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनस्पी

1/3 हिस्सा कोठी नं० 2 रेस कोर्स रोड, ध्रमृतसर पर जैसा कि सेलडीड नं० 1663/1 दिनांक 27-8-80 रिजस्ट्री ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, 3-चन्द्रपुरी टेलर रोड, श्रमृतसर

दिनांक: 3-4-81

प्ररूप ग्राई० टी० एत० एस०-----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 3 ग्रप्रैल, 1981

निदेश नं० ए० एस० भ्रार०/80-81/512---यतः मुझे म्रानन्द सिंह

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिधितयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-दे से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक कोठी है तथा जो ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब द्व ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिश्वकारी के कार्यालय, ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिश्विनयम, 1908 (1908 का 16)) के ग्रिश्वान, दिनांक ग्रमस्त 1980, पूर्व क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पतिक्षण के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मृत्ते यह विश्वास करने कर कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृह प्रतिशत मश्चिक है ग्रीर ग्रन्तरित (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्थित का में कार्यति कर में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से पुँई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के ध्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उनत अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, नैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— श्री प्रभजीत सिंह पुत्र घनीया सिंह बासी ठठ गढ़ तहसील तरन तारन श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरक)

 डा० कुलदीप सिंह पुत्र निरमल सिंह वासी 202-शिवाला रोड, ग्रमृतसर ।

(ग्रन्तरिती)

- जैसा कि सं०2 धौर कोई किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी घन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: -- इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्च होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 हिस्सा कोडी नं० 2 रेस कोर्स रोड श्रमृतसर में जैसा कि संलडीड नं० 1161/I दिनांक 27/8/80 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर में वर्ज है ।

श्चानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, 3-चन्द्रपुरी टेलर रोड, श्चमृतसर

दिनांक : 3-4-81

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यां जय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर ग्रमृतसर, विनांक 3 श्रमैल 1981

निदेश नं० ए० एस० श्रार०/80-81/511—मतः मुझे, श्रानन्द सिंह,

भायकर किंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रा. में अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं० एक कोठी है तथा जो ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे छपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रगस्त 1980,

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल को एन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिप्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल की निष्णितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किष्णितिस्ति उद्बर्धिय से अक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जानिहर था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-भ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के बधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री चिनिया सिंह पुत्र सेवा सिंह थासी ठठ गढ़ तहसील तरनतारन श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

2. डा० क़ुलदीप सिंह पुत्र डा० निरमल सिंह वासी 202 शिवाला रोड, श्रमृतसर ।

(ध्रश्तरिती)

- जैसा कि सं० 2 श्रौर कोई किरायेदार (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिमोग में सम्पत्ति है)
- 4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक भी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पास जिखित में किए जा सक³गे।

स्पष्टनेकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मम्स्ची

1/3 हिस्सा कोठी नं० 2 रेस कोर्स रोड, भ्रमृतसर पर जैसा कि सेल डीड नं० 1659/I दिनांक 27~8-80 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है ।

> श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर भ्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, 3-चन्द्रपुरी टेलर रोड, भ्रमृतसर।

दिनांक: 3-4-81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, ग्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 6 भ्रप्रैल, 1981

निवेश नं० ए० एस० झार०/80-81/513—यतः मुझे झानन्द सिंह,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत मुधिनियम' कहा गया ही), की आरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पुर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1980,

को प्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपास के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से अधिक नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— 3—46 GI/81 श्रीमती गुरबीप कौर पक्ती हरभजन सिंह वासी रसूलपुर कलां तहसील ग्रमृतसर ।

(ग्रन्सरक)

- 2. श्री शामलाल पुत्न राम लाल और लभूराम पुत्न सीताराम वासी कटरा कर्म सिंह नैशनल टिम्बर स्टोर अमृतसर। (ध्रन्तरिती)
- जैसा कि सं० 2 भीर कोई किरायेदार । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्ठभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्ये यह सूचना जारी करके पृथा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्युष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन<u>्</u>स्ची

एक प्लाट रकबा 522 वर्गमीटर गेट भक्तांवाला ग्रमृतसर में, जैसा कि सेलडीड नं० 1694/I दिनांक 29-8-80 रिजस्ट्री ग्रिधकारी ग्रमृतसर में दर्ज हैं ।

न्नानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्नायकर झायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, 3-चन्द्रपुरी टेलर रोड, भ्रमृतसर

दिक्तं 6-4-81 मोहर: प्रक्रम् आर्कः टी. एत. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 मार्च 1981

म्रादेश सं० राज/सहा० म्रा० म्रर्जन/१००—म्रतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

अगैर जिसकी सं० दुकानें है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-11-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के श्रव्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके श्रव्यमान प्रतिफल से, ऐसे श्रव्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री इकवाल सिंह पुत्र ग्रोतार सिंह निवासी 485 श्रादर्शनगर, जयपूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बलवन्त कौर पत्नि लाभ सिंह व राजेन्द्र सिंह पुत्र औतार सिंह निवासी ग्रादर्श नगर, जयपुर । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियाँ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्द्रोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्तः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

श्रादर्श नगर, राजापार्क, लाजपत मार्केट प्लाट नं० सी-16 में से दो दुकानात मय श्रगवार बरामदा मय छत व पौल की छत जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 3038 दिनांक 15-11-80 पर पंजिबद्ध विकथ पद्म में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, जयपुर

विनांक: 30-3-81

प्रारुप बाई • टी • एंग • एंस •---

विधिकेर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वं(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 मार्च 1981

भादेश सं० राज०/सहा० श्रा० धर्जन/१०१—श्रतः मुझे, ऐस० एल० चौहान, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अओ र सर्थम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/-देपेल से श्रीधंक है

श्रीर जिसकी सं प्लाट नं 5 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और) इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22-10-1980, की पूर्वों तत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान अतिंफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों तत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृष्यनान अतिफल से, ऐसे नृष्यमान प्रतिफल के पम्बद्ध प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उन्तर अन्तरण निर्धित में वाश्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रश्रीन कर देने के अन्तरक के वाबिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- े (स) ऐसी किसी भाष मा किसी धर या अन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन-कर भिर्मित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में मुंबिशा के सिए;

यतः, अम, उन्त अधिनियम की धारा 269-न के संनुसरण में, में, धक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाट

- (1) श्री जगजीवन गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, जयपुर ।
 - (भन्तरक)
- (2) शालीमार इण्डस्ट्रीज (प्राईवेट) लिमिटेड, जयपुर । (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजँन के लिए कार्यवाहियां करता-हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी करें से 45 दिन की अविधि या 'तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों पें से किसी व्यक्ति बारा;
- (ब) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रम्य क्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोगे।

हरक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

धनसंखो

प्लाट नं० 5 जो भ्रप्नृष्ड कालोनी 17, कल्याण कुंज, सिविस लाईन्स, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 2647 दिनाक 22-10-80 पर पंजिबद्ध विश्वय पत्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम॰ एल॰ चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 30-3-81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याख्य, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 मार्च 1981

धावेश संख्या राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/897—श्रत: मुझे, एम० एल० चौहान,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

मौर जिसकी प्लाट सं० 3 है तथा को जयपुर में स्थित है, (भौर इससे उपाबद भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, विनांक 12-9-1980,

कां पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्तस् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्≝--

(1) श्रीमती सरदार कुमारी, 17 कल्याण कुंज सिविल लाईन्स, जयपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुभाष म्राहजा एवं श्री विवेक म्राहूजा द्वारा उनके संरक्षक श्री नरेन्द्र कुमार माहूजा द्वारा मैसर्स स्मो-ह्वाईट, एम० म्राई० रोड, जयपुर ।

(मलरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्यव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्लाट नं० 3, जो भ्रप्नुब्ह कालोनी 17 सिविल लाईन्स, जयपुर में स्थित है भ्रीर पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2405 दिनांक 12-9-80 पर पंजिबद्ध विकय पन्न में भ्रीर विस्तृत रूप से विव-रिणित है ।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जयपुर

दिनांक 30-3-81 मोहर : प्रस्प आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1,961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 मार्च 1981

मावेश संख्या राज०/सहा०भा० मर्जन/898 --- मतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 2 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रिधकारी के कार्यालय जायपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 12-9-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आदि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्निविधित व्यक्तियों सर्थात्:--

(1) श्रीमती सरदार कुमारी, 17 कल्याण कुंज सिविल लाईन्स, जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गोकुल लाल बहाड़िया, 43, संग्राम कालोनी, सी-स्कीम, जयपुर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुद्दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिला गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 2, 17 कल्याण कुंज, सिविल लाईन्स, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2406 दिनांक 12 सितम्बर, 80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रोर विस्तुत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चीहान सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, जयपुर

दिनांक : 30-3-81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जयपुर, दिनांक 30 मार्च 1981

म्रावेश सं० राज०/सहा० म्रा० त्रर्जन /883—अत: मुझे, एम० एल० चौहान,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है, (भीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 23-8-1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री नत्थूराम बल्द घेंरूराम कौम नाई साकिन चक 3 ई छोटी तहसील गंगानगर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शाम लाल गोविन्द लाल प्रभूलाल पिसरान राधूराम श्ररोड़ा साकिन कालियां तहसील गंगानगर । (श्रन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी है से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबंबुध
 किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुष्यो

श्राराजी मुरबा नं० 3 किला नं० 24-17-14 रकबा 1 बीघा चक 3ई छोटी तह गंगानगर जो उप पंजियक, श्री गंगानगर द्वारा श्रम संख्या 1863 पर पंजिबद्ध विश्रय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 30-3-81

प्रकृपः आईं.टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 मार्च 1981

म्रादेश सं० राज०/सहा० म्रा० मर्जन/१०४—म्प्रतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 50 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिसांक 28-10-1980

का पूर्णांकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके सम्यमान प्रतिफल से, एसे सम्यमान प्रतिफल का पश्चम प्रतिफल का पश्चम प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उक्व स्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्र/या
- (क) ऐसी किसी अध्यः या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री बलदेय राज श्ररोड़ा पुत्र जगतराम श्ररोड़ा पंजाबी प्लाट न० बी-15, श्रादशं नगर, जयपुर । (श्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रशोक कुमार पुत्र जमनाप्रसाद कुलश्रेष्ठ कायस्थ निवासी 6 ए मोती मार्ग, बापू नगर, जयपुर। (ग्रतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हुं।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वव्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

जयपुर हवासङ्क, मदरामपुरा, सिविल लाईन्स में एक प्लाट नं॰ 50 भूमि 702 वर्ग गज जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2780 दिनांक 28-10-80 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० **ए**ल० **चौहा**न सक्षम ट्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 30-3-81 मोहर : प्ररूप आहें. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

काय्निय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 मार्च 1981

भ्रादेश सं० राज/सहा०/भ्रा० भ्रर्जन/902—श्रतः मुक्ते, एभ० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० सी०-8 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 16-8-1980,

को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीतः—

- (1) किशन कुमार सर्राफ पुत्र स्व॰ श्री रामगोपाल सर्राफ डी॰-66, सिवाड़ एरिया, बापू नगर, जयपुर-४। (मन्तरक)
- (2) श्रीमती सुमन गर्ग पत्नि श्री मुरारी लाल गर्ग नि० 11 मोहन निवास, विवेकानन्द मार्ग, सी-स्कीम जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थंन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपु:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- अव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक³गे।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नमृत्यी

प्लाट नं॰ सी-8, भागीरथ कालोनी, चौमृहाउस, सी-स्कीम, जयपुर जो पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 1823 विनाक 16-8-80 पर पंजिबद्ध विऋय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी) सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 30-3-81 मोहर : प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की 269-व (1) के घ्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 मार्च 1981

ग्रादेश सं० राज०/सहा० ग्रा० भ्रर्जन/903—ग्रतः मुझे, १म० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की झारा 269-ख के मधीन सक्षा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति वाकार मृत्य 25,000/-र• सं मधिक है

श्रौर जिसकी सं० मी-9 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16-8-1980,

को पूर्वित सम्पति के खिनत बाजार मूख्य से कम के दूश्यमान प्रतिकृष के लिए अन्तरित की गई है और पूछे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्भत्ति का उजित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर्क (धन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसं सन्तरित अन्तर प्रतिकृत स्वयं यामा गया प्रतिफल, निम्तिविद्यान उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्षा र कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) ग्रन्तरण स टुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीमियम के अग्रीन कर टेने के ग्रन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसो आय या किसी घन या घन्य घस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर घ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुखिधा के लिए;

श्रतः अथ उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रीधिनियम की धारा 269-ज की सपधारा ()) के श्रधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--~ 4—46 GI/81

- (1) श्री नन्द किणोर सर्राफ पुत्र स्त्र० श्री रामगोपाल सर्राफ, एस० बी० 56, बापू नगर, जयपुर-4। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मुरारी लाल गर्ग पुत्र श्री बाबूलाल गर्ग निवासी 11 मोहन विलास, विवेकानन्द मार्ग, सी- सकीम, जयपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि याद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति हारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे !

स्वक्टोकरण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों घीर पदों का, जो छक्त धिविसम के प्रक्याय 20क में परिचाधित है, वहीं धर्ष होगा, जो उस अध्याय में विष्णायत है.

श्रनुसूची

प्लाट नं० सो-9, भागोर्थ कालोती, चौमू हाउस, सी-स्कीम जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1824 दिनांक 16-8-80 पर पंजि-बद्ध विकय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवर-णित है।

> एम० एल० चौहान मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जयपुर

नारीखा: 30-3-81

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, जयपुर जयपुर, दिनोक 30-3-81

म्रादेश संख्या राज्र०/सहा० म्रा० म्रर्जन/895--म्रतः मुझे एम० एल० चौहान,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका प्रजित बाजार मूल्य 25,000/-र• से अधिक है

भ्रीर जिसकी संख्या प्लाटन० 11 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचे में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रिधीन , दिनांक । 8-9-1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छन्तित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्राधिक है भीर अस्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उदेश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 克 :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व प कमो हरनेया उनसे बजने में युविधा के लिए; मोर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या अन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर मधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, भ्रव, उक्त ग्रीधनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिमिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित बाबिनयों, अर्थात् :---

(1) श्रांबन्नालाल पारीक पुत्र महादेव ब्रामहण निवासो पुराना घाट, जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री देवीदास दत्तक पुत्र टोपूमल सिधी निवासी प्लाट नं० 11 राजापार्क, जयपुर

(भ्रन्तरिती)

- (3) श्रो /श्रीमतो/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पक्ति है)
- (4) श्री/श्रीमती/कृमारी (बह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड

₹)

सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उस्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई मो आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारी करसे 45 दिन भी अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की घविष, जो भी घविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी मन्य स्पक्ति द्वारा, भवोहस्तासरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रब्दोक्तरण:--इसमें प्रपुक्त शब्दों जीर पदों का जा उक्त के अध्याय परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 11, राजा पार्क, जयपुर उसमें निर्माण सहित जो उपप्रजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2313 दिनांक 8 सितम्बर, 80 पर पजिबद्ध विकय पन्न में स्रोर विस्तृत रूप संविबरणित है।

> (एम० एल० चौहान) सक्षम मधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जयपूर

दिनांक 30-3-81

प्रकप भाई० टी० एन०एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण),

स्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 मार्च, 1981

ग्रादेश नख्या राज∕. महा० ग्रा० ग्राजेन/905——श्रतः मुझे, एम० एस० चौहान,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन पश्चम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

त्रीर जिसकी स० सी-8 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रॉर इससे उपाबद्ध अनुसूचं। में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण, ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 21-8-1980, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से ग्रिधिक है ग्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबन, उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ब्राय-कर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या धन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त भिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त भिधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रो ऋषण वरुलम पुत्र गगायक्ष हरुदीया, मुंकी बाजार, प्रालवर ।

(भ्रन्सरक)

- (2) रामावतार एवं जगदीश प्रसाद द्वारा मैसर्स रामावतार जगदीश प्रसाद, गणगोरी बाजार, जयपुर (श्रन्तरिती)
- (3) श्रो_।श्रोमती_।कुमारी (वह व्यक्ति जिसँके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रो।श्रोमतो।कुमारी (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>धर्जन के लिये</mark> कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इप पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरग :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पद्यों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के ग्राप्ट्याय 20क में परिभाषित है, वहीं ग्रार्थ होगा जो उस ग्रध्याय में विद्या गया है।

भनुसूची

प्लाट नं आं-8, रघुनाथ कालोना, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2071 दिनांक 21-8-80 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 30-3-81 मोहर : प्ररूप आइ. दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 4 अप्रैल, 1981

निदेश सं० जे० जा० एन०/6/80-81—ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पुरुचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैकि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य ग्रीर जिसकी स० भूमि क्षेत्र ० 19 कनाल 5 मरेल है तथा जो श्रमवाल गुजरा, जगरास्रो, जिला लुधियाना में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद अनुसूच। में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारो के कार्यालय जगराख्रो में रजिस्ट्रोकरण श्रधि-1908 (1908 का 16) के म्राधीन दिनांक 8/80 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्योंक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहरू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिसयों अर्थात्ः--

- श्रीमती तेजकौर, विधवा पर्त्ता श्री फगन सिंह अगवाड, गुजरा, जगराश्रों, जिला लुधियाना। (श्रन्तरक)
- 2. श्रा मुन्सी राम पुत्र दुलासिह, ग्रगवाड, गुजरा, जगराग्रों, जिला लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि क्षेत्र 19 कनाल, 5 मरले, श्रगवाङ, गुजरां, जगराश्रों जिला लुधियाना ।

(ज्यायदाद जैमा कि एजिस्ट्रॉकर्ना श्रिधिकारों जगरास्रों के कार्यालय के विलेख संख्या नं ० 3352, स्रगस्त, 1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, सुधियाना

नारी**ख**: 4-4-1981

प्रकप भाई • टी० एन० एस०-

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 4 अप्रेंस, 1981 निदेश सठ० जें० जीं० एन०/7/80-81/---यसः मुझे मुखदेव चन्द

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उका प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जितका उचित वा बार मृह्य 25,000/रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसको स० भूमि क्षेत्र० 17 कनाल, 14 मरले, है तथा. गांव ग्रगवाड़, गुजरां, जगराग्रीं, जिला लुधियाना, में रिथत है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचे में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय जगराग्री में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारिख 8/80 की पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके वृश्यमान प्रतिकल ने, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्डह प्रतिशत से मिसक है भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचन भन्तरण लिखित में बास्त- विक लग से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से तुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के सभीन कर देने के अन्तरक के बायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के निए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी पाय या किसी अन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें सारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त भौधिनियम, या अनकर धांधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिनाने में भुविता के सिए।

अक्षः अब, उबत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, अबत अधिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अपबिनयों. अर्थातु:---

- श्रोमतो नेजकौर, विश्ववा पत्नो श्रो फगन मिह निवासो ग्रगवाड़, गुजरां, जराग्रों, जिला लुधियाना । (ग्रन्तरक)
- श्रो मुन्यो राम पुत्र श्री दुल्ला सिंह निवासी अगवाड़ गुजरां, तहसील जगराश्रों, जिला लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी प्राक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी भविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपळ में एकाशन की ताराध ए 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति अ हितबद्ध किसी अन्य स्थिकत द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे)

स्ववदीकरण:--- ६ममें प्रयुक्त शक्तों ग्रीर पदीं का, भी उन्त प्रधिनियम के शक्ष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं पर्य होगा जी उस अध्याय में विषय गया है।

ग्रमुस्ची

भूमि क्षेत्रफल 17 कनाल, 14 मरले, गांव, अगवाङ, गुजरां, जगरास्रों, जिला लुधियाना ।

(जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकार ज्याराओं, के कायलिय, के विलेख सहया न० 3499, ग्रगस्त, 1980 में दर्ज है।)

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारोख: ४ म्रप्रैल, 1981

प्रकप आई० टी० एन० एस०--

कायकर मिपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जेन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 4 **प्रप्रै**ल 1981

निवेश सं० एस०एम०ग्रार०/14-/80-81---ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 46 कनाल, 5½ मरले. है तथा जो रायेपुर राईयां, तहसील समराला, जिला लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुस्ची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय समराला में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 8/80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के उर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके उर्यमान प्रतिफल से, एसे उर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिफल का निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, छक्त प्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

भतः भव, उन्त श्रिप्तियम की भारा 269-भ के अनुसरण में, में, उन्त श्रिप्तियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात 1—

- श्री सरदारा सिंह पुत्र श्री कर्मचल्द, निवासी, गांध रायेपुर, राईयां, तहसील समराला, जिला लुधियाना। (श्रान्तरक)
- 20. श्री **लख**विन्द्र सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह निवासी गांव रायेपुर, राईरां, तहसील समराला। (श्रहतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के जुर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित मों किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 46 कनाल, 5½ मरले, गांव रायेपुर, राईयां, तहसील समराला।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी सम राला, के कार्यालय, के विलेख संख्या नं० 2813 प्रगस्त, 1980 में दर्ज हैं) ।

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लुधियाना

ना**रीख: 4 म्रप्रैल,** 1981 मोहर प्ररूप आहूर. टी. एन. एस ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 4 अप्रैल, 1981

निदेश स० सी॰एच॰डी॰/214,80-81—श्रतः मुझे मुखदेव पन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० रिहायशी प्लाट न० 550, है तथा जो सेक्टर 33-बी, चण्डीगढ़, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्च में श्रीर जो पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चण्डोगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 8,80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के एवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके एवसान प्रतिफल से, ऐसे एश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिंखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- कप्टन की० के० मेहता, पुत्र स्वर्गीय एस० ग्रार० मेहता श्रीमती ग्रनुपम मेहता, पन्नी कैप्टन की० के० मेहता, निवासी मकान न० 544, सैक्टर, 8-बीं, धण्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
- कप्टन परमपाल सिंह सिन्धू, पुत्र स्वर्गीय मेजर हरिसिंह सिंधू, निवासी मंकान न० 319, मेक्टर 33-ए, चण्डीगड़ ।

(प्रतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

रिहायमो प्लाट न० 550, सक्टर, 33-बी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रांकर्ता श्रश्विकार, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या न० 1227, श्रगस्त, 1980 में दर्ज है।)

मृखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरःक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**ख: 4 श्रप्रै**ल 1981

प्रकप आई० टी० एन० एस०---

शाहर विविवय, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ब्रधीन पूजना

भारत सरकार

क्राशित र, जरात के आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 4 अप्रैल, 1981

निदेश सं० सी०एच०डी०/187/80-81—ग्रतः मुझे सुखदेव घन्द

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क॰ से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 308, है तथा जो सेक्टर 32-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता, प्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 8/80

को पूर्वों क्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह शितशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के ध्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविका के लिए; धीर/या
- (ल) ऐभी कियो अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धय, उक्त प्रधिनियम की घारा 269 म के प्रमुखरण में, में, जक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपवारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः --

- श्री श्रोम प्रकाश शर्मा पुत्र श्री मथुरा दास शर्मा द्वारा श्रटारनी श्री सोमदत्त शर्मा, पुत्र श्री मथुरा दास, निवासी मकान नं० 633, सेक्टर 16-डी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- 2. श्री ध्रुव नारायण खन्ना पुत्न इन्द्र नारायण खन्ना, इण्डस्ट्रीयल केवलज ईण्डिया, लिमिटेड, राजपुरा, पंजाब।

(भ्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रष्ठोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:—इसर्मे प्रयुक्त शब्दों घौर पटों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

ण्लाट नं० 308, सेक्टर 32-ए, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1079 श्रगस्त, 1980 में दर्ज है) ।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

ना**रीखा**: 14 श्रप्रैल 1981

प्रकृप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजेन रेंज, लुधियाना

निदेश सं० सी०एच०डी०/188/80-81—- प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रूपये से प्रधिक है, और जिसकी सं० प्लाट नं० 3316 है, तथा जो सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8/80

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से सम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है सौर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिलित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत सकत प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिय; और।या
- (ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के सभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---46GI/86

1. श्री उजागर सिंह पुत्र श्री चम्बा सिंह श्राप व श्रटारनी श्राफ श्री जसवन्त सिंह पुत्र उजागर सिंह, निवासी गांव व डाकखाना, भागो माजरा, जिला रोपड़ ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती प्रेम लता, कथूरिया पत्नी श्री णाम लाल कथूरिया निवासी मकान नं० 1278, सेक्टर 21-बी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के धर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों ५र सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त गढ़ों और पदो का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 3316, सेक्टर 35-डो, चण्डीगढ़ । (आयदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1080, ग्रगस्त, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: ४ श्रप्रैल, 1981

प्ररूप आहूं. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 4 अप्रैल 1981

निदेश मं० एम०के०एल०/28/80-81—ग्रतः, मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 238 बीगा, 11 विस्वा है, तथा जो गांव रामपुर भिण्डरां, तहसील मालेरकोटला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मालेरकोटला में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 8/80

को पृत्रों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिभक्त, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:- डा० जवाहरलाल पुत्र श्री मूल चन्द, निवासी धूरी गेट, संगरूर ।

(मंतरक)

2. श्री हरि सिंह पुत्र श्री केहर सिंह सर्व श्री: ग्रमरजीत सिंह, श्रजैयव सिंह, लान सिंह पुत्र हरि सिंह, निवासी गीगा, माजरा, तहसील मालेरकोटला । डा० सोहनलाल पुत्र परसराम, निवासी माल रोड, भटिण्डा। श्री सतीश कुमार पुत्र रामंजी दास, निवासी दुलेदी गेट, नाभा। श्री वली राम पुत्र कन्हैया मल व श्रीमती माया देवी पत्नी श्री वली राम, निवासी मैन गेट, नाभा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूंचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 238 बीघा 11 विस्था, गांव रामपुर भिण्डरा, तहसील मालेरकोटला ।

(जायवाद जैसा कि राजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी मालेरकोटला के कार्यालय के विलेख संख्या 2613, श्रगस्त, 1980 में दर्ज हैं)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियोना ।

तारी**ख**: 4 श्र**प्रै**ल 1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 4 ग्रप्रैल, 1981

निर्देश सं० डीएचझार०/4/80-81——ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र० 39 बीघा 4 बिस्या, (3.30.49 हैक्टेयर) है तथा जो धूरा, जिला संगरूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय धूरी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 8/80

कों पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूक्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्रत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में स्विधा के लिए;

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री परमजीत सिंह पुत्र श्री आसा सिंह निवासी धूरी, खेबटदार धूरा, जिला संगरूर, ग्रब प्रोफेसर पंजाब यूनिवर्सिटी, चण्डीगढ़। (अंतरक)
- 2. सर्वश्री हरिपाल सिंह, मुखदेव सिंह, नछ्छत्तर सिंह मुखतियार सिंह पुत्र श्रो झगड़ू, गांव धूरा, तहसील मालेरकोटला, जिला संगरूर। (ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

भूमि 3-30-49 हेक्टर (39 बीघा, 4 बिस्ता), गांव धूरा, जिला संगरूर।

(जायदाद जैसा कि रजिस्द्रोकर्ता श्रधिकारी ध्रुरी, के कार्यालय, के विलेख संख्या नं० 2907, श्रगस्त, 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारो सहाक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 4-4-1981

प्रकप धाई • टी • एन • एस • ----

आयकर प्रतिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रतीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 4 ग्रप्रैल, 1981

निदेश सं० सीएचडी०/185/80-81—म्प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसका सं० रिहायशे मकान नं० 1155 है तथा जो सैक्टर 15-बा, चण्ड गढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण्यु ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक 8/80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे शृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत पश्चिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भाकि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वासिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी विसो आय या किसी धन या मन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भश्चिनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, ग्रवः, खवतं ग्रिधिनियम की घारा 26 क्रन के धनुसरण में, में, जकत ग्रिधिनियम की घारा 26 क्रन की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थातः --- सरवारनो जसवन्त कौर पत्नी श्री जसमेर सिंह मारफत : मारकण्डा कोल्ड स्टोरेज, णाहबाद, जिला कुरुक्षत्र (हरियाणा) ।

(श्र∙तरक)

2. श्रां नन्द लाल जैन, पुत्र श्रीं तरस राम जैन, श्रा प्रयोग कुमार, श्रनोल कुमार पुत्र श्रां नन्द लाल जैन, श्रां दापक कुमार, व श्री राकेश पुत्र श्रां नन्द लाल जैन, सारे निवासो मकान नं 1155, सेक्टर 15-बी, चण्डोगढ़।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीयत सम्पत्ति के सर्जन के निर्कार्यवाहियां ऋरता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की खबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबंधि, जो मी प्रविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इप मूचना के राजपब में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उका स्थावर सम्पत्ति में हितबब्र किसी बन्य व्यक्ति बारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण:--इपर्ने अपुन्त सन्दों भीर पदों का, जो उन्त - प्रधितियम से घठवाय 20-क में परिचाणित हैं, वहीं धर्म होगा, जो उस धन्नवाय में वियागया है।

ग्रनुभूची

मकान नं 1155, सेक्टर 15-बो, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं 1077, ग्रगस्त 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 4-4-1981

प्रकप माई॰ टी॰ एत॰ एस॰

प्रायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 4 ग्रंगेल 1981

निदेश सं० एसम्रारङी०/41/80-81—यतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दं से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं भूमि क्षेत्र 54 कनाल 16 मरले है तथा ज बस्सा, तहसील सरहिन्द, जिला पिट्याला में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीकारी के कार्यालय, सरहिन्द में रिजस्ट्रीकरण श्रीक्षनम्, 1908 (1908 का 16) के श्रिक्षीन दिनांक 8/80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान श्रिकत के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान श्रीकत से, ऐसे दृश्यमान श्रीकत का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक का से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिक्तियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी मन या भ्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे भूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्रो ह्र्रदेव सिंह पुत्र श्रो श्रोपार सिंह पुत्र श्री अगत सिंह, निवासी गांव बस्सी पठानी, तहसील मरहिन्दे, जिला पटियाला । (श्रम्तरक)
- 2. श्रांमतो सम्पूर्ण कौर पत्नी स्वर्ण सिंह पुत्र श्री दोदार सिंह निवासो बस्सो पठानां, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला । (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूजना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 जिन के भीतर छन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहरुताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण:---इतनें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उकत ग्राहिक नियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 54 कनाल 16 मरले, बस्सी, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला ।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी सरिहन्द के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2084, श्रगस्त 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

ता**रीख 4-4-**1981 मोहर: प्ररूप आर्ह ेटी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 4 अप्रैल 1981

निदेश सं व्यक्ति विश्व है। अए/80-81---- अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संब्द्याटक्षेत्र 200 वर्ग गज है तथा जो राजपुरा रोड, मित्रिल लाइन, लुधियाना, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुभूता में और पूर्ण रूप से विणत) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 9/80

को पूर्वांक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपर्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

 श्रामतो चरन जीत कौर पत्नी श्री गुरदीप सिंह द्वारा श्री गुरबनण सिंह ग्रेवाल पुत्र श्री तेजा सिंह निवासी सी-39, फोकल पौग्राएंट ग्रेवाल रेडियो कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड, लुधियाना ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रो सुभाष कुमार कुन्द्रा पुत्र श्राः हरदेव मित्र निवासी श्रार-12/ , इन्कम टैक्स कालोनी, टेगोर नगर, लुधियाना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परिस के अर्जन के निष्णु कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसूची

प्लाट क्षेत्रफल 200 वर्गगज, राजपुरा रोड, सिविल लाईन, लुधियाना ।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या न० 3352, सितम्बर, 1980 में दर्ज है।)

> मुखदेघ चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 4-4-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत गरकार

कार्यालय, सहत्यक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 4 ग्रप्रैल 1981

निदेण सं० सो०एच०डी०/176/80-81—श्रत: मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्राधिक है प्रौर जिसकी सं० 1/4 भाग मकान (ग्रनेकसी नं० 17 प्लाट नं० 25 है तथा जो सेक्टर 4, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे जपाबद ध्रमुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रिलस्ट्रीकर्ता प्रधिकारो के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 8/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह जिल्हास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निए तम पाम गया प्रन्तिफल, निम्तिवित उद्देश्य ने उनत प्रत्तरण लिखित में बास्तवित का से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) घन्तरण से हुई किमी श्राय की बाबत उवत श्रिष्ठ नियम के अधीन हर दें। क श्रन्तर है दियदिय में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी कियी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अर्तः श्रेष, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उनकारा (1) के के अधीन, निम्नुसित् व्यक्तियों, अधित्:— श्री महिन्द्व प्रताप सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री प्रताप सिंह 12, सफदरगंज, डिबलपर्मेंट एरिया, कम्यूनिटी सैन्टर, नई दिल्ला।

(संतरक)

2. श्राः मुबेध कुमार गुप्ता, पुत्र श्रीः राजाराम व नालम गुप्ता, पत्नीः श्राः मुबोध कुमार गुप्ता, निवासी मकान नं ० 4, सैक्टर 4-ए, चण्डागढ़ ।

(श्रंतरिसं∷)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन् की ध्रवधि या तत्सैवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षाण;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्प्रश्वीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जा उक्त शाध-नियम के शब्याय 20- ह में परिभाषित है वहीं श्रथं दोगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग मकान/मनेकसो नं० 17, प्लाट नं० 25, सैंक्टर 4, चण्डोगढ़ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख मंख्या नं 1054, श्रगस्त, 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारः महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तार**ंख**: 4 **-4**-1981

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियस, 1961 (196। का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 4 श्रप्रैल 1981

निदेश सं० सी०एच०डी०/175/80-81—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 1/4 भाग माकन /श्रनेकसी नं 17, प्लाट नं 25 है तथा जो सेक्टर 4, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 8/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (ः के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातुः-- श्री भजन प्रताप सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री प्रतात्र सिंह, निवासी सी-12, सफदरजंग, डिवलपर्मेंट एरिया, कम्यूनिटी सेन्टर, नई दिल्ली।

(भंतरक)

 श्री सुबोध कुमार पुत्न श्री राजा राम व श्रीमती नीलम गुप्ता, पत्नी श्री सुबोध गुप्ता, माकन नं० 4, सैक्टर 4, चण्डीगढ ।

(श्रंतरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अगलची

1/4 भाग मकान /ग्रम्नेकसी नं० 17, प्लाट नं० 25, सैक्टर 4, चण्डीगढ़ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1053, ग्रगस्त, 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लिधयाना

तारी**ख: 4 भ्रप्रेल, 1**981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुघियाना, दिनांक 4 अप्रैल 1981

निदेश सं० सी०एच०डी०/177/80-81—यतः सुखदेव चन्ध,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

xौर जिसकी सं० 1/4 भाग मकान/xनेकसी नं० 17, प्लाट नं० 25, है तथा जो सेक्टर 4, चण्डीगढ में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्टीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन विनांक 8/80

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को दिए ।

बात: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--6--46 GI/81

 श्रीमती धनबन्त कौर, पत्नी स्वर्गीय श्री प्रताव सिंह 12 सफदरजंग, डिवलपमेंट एरिया, कम्युनिटी सेन्टर, नई दिल्ली।

(ग्रंतरक)

2 श्री सुबोध कुमार गृप्ता, पृत्न श्री राजा राम व श्रीमती नीलम गुप्ता, श्री सुबोध कुमार गुप्ता, निवासी मकान नं० 4, सैक्टर, 4-ए, चण्डीगढ़ ।

(श्रंतरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुखना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग मकान/ग्रनेकसी नं० 17, प्लाट नं० 25, सेक्टर 4, चण्डीगढ़ ।

(जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1055, श्रगस्त, 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: ४ श्रप्रैल, 1981

मोहरः

प्ररूप आई० टी॰ एन॰ एस॰---

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

काथ लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 4 श्रप्रैल 1981

निदेश सं० सीएचडी०/178/80-81—न्य्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1/4 भाग मकान श्रिनेक्सी नं० 17, प्लाट नं० 25, है तथा जो सेक्टर चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रानुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 8/80

को प्यांक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से करियन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अतः जन्म अधिनियमः की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अथित :--- श्री सुरिन्द्र प्रताप सिंह पुत्र स्वर्गीय प्रताप सिंह, सी-12, सफदरजंग, डिवलपमेंट एरिया, कम्यूनिटी सेन्टर, नई विल्ली ।

(ग्रन्तरंक)

2. श्री सुबोध कुमार गुप्ता, पुत्र श्री राजा राम व श्रीमती नीलम गुप्ता पत्नी श्री सुबोध कुमार गुप्ता, निवासी मकान नं० 4, सेक्टर 4-ए, चण्डीगढ़ ।

(भ्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसूची

मकान/धनेक्सी नं० 17, प्लाट नं० 25, सेक्टर 4, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1056, श्रगस्त, 1980 में दर्ज है।)

> मुखदेव चश्द सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, लुधियाना

तारीखं: 4-4**-**1981

प्ररूप बार्इ.टी.एन.एस.-----

आगकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 4 श्वप्रैल 1981

निदेश सं० डीबीएस०/32/80-81—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रजपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र० 5-17 बीघा है तथा जो गांव सिंघपुरा सब तहसील डेराबस्सी जिला पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्ष भ्रनुसूची में श्रीर जो पूर्णेरूप से विशित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय डेराबस्सी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 8/80

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

क्षतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री जनक राज पुत्र श्री वखतावर सिंह निवासी गांव कर्मन यू०टी०सी० खेवसदार सिंघपुरा, सब तहसील डेरा बस्सी, द्वारा उनकी ग्रटारनी श्रीमती सिंवती देवी विधवा पत्नी बखतावर सिंह निवासी गांव कर्मन यू०टी०सी०, खेवतदार सिंघपुरा, सब तहसील डेरा बस्सी।

(ग्रंतरक)

2. श्रीमती शीला देवी पत्नी श्री नजीर मसीह नय्यर निवासी गांव गन्धरां, तहसील नकोदर, जिला जालन्धर ।

(ग्रतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या द्वरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त होता हा, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीक पण:--इसमें प्रयुक्त राब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि क्षेत्र फल 5-17 बीघा गांव सिघपुरा, सब तहसील डेरा बस्सी ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी डेरा बस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 893, श्रगस्त, 1980 में दर्ज है) सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज लुधियाना

तारीख: 4-4-1981

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायकः श्रिश्वकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 4 अप्रैल 1981

निदेश सं० डी०बीसेंएस०/35/80-81—यतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आपकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसमें इसके प्रकार 'उन्त अधिनियम' कहा प्रयाहै), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिक (श को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वातार मृख्य 25,000/- ६० से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 5-17 बीघा है तथा जो गांव सिंघपुरा, सब तहसील डेरावस्सी जिला पटियाला में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डेरावस्सी में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9/80 को पूर्वोक्त पम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है भौर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यवान प्रतिकत सं ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) जीर अन्तरितीं (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) लीर लाया गया प्रतिकल, निम्तिविधित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक उप से अधिक तहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसो आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किया आज या किसी घत या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के सिए।

ग्रतः अत्र; उत्तत् लो ।तिष्यः का धारा 269-ग के धनुसरण म, मैं उत्तत्र त्रितिसम ला पारा 269-घ की जपधारा (1) क अधीन, निस्तिखित व्यक्तियों, अर्थाद्यः :--- शीमती सिवती देवी विधवा पत्नी श्री बखतावर सिंह, निवासी कर्मन यू० टी० सी०, खेवटदार गांव सिषपुरा, सब तहसील डेरावस्सी ध्रटारनी है श्री जनक राज पुत्र बखतावर सिंह गांव सिंघपुरा, सब तहसील डेरावस्सी, जिला पटियाला ।

(भंतरक)

2. श्री नसीर मसीह नैय्यर, पुत्न श्री भगत राम गांव गंधरा, तसहील नकोदर, जिला जालन्धर। (श्रंतरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्थन ः क्षिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्बत्ति क अर्जन क संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजरा में प्रकाशत को तारी असे 45 दिन को अविधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील थे 30 दित की धविधि, जी भी ग्यक्षि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूजी त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीय से 45 दिन के भीतर खक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति ज्ञारा, प्रशंहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

हरकडी चारणः --- इसमें प्रयुक्त मध्दों और पदों का. जो अकत अधिनियम के अध्याय एउ-क में परिभाषित है, वहीं सर्व शोगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

ं नुसूसी

भूमि क्षेत्रफल 5-17 बीघा गांव सिंघपुरा, सब तहसील डेरावस्सी ।

(जायबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी डेरावश्सी के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 922, सितम्बर, 1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखः ४ भ्रत्रैल, 1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 4 अप्रैल 1981

निदेश सं० सीएचडी०/212/80-81—यतः मुझे, सुखदेव चन्व,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/2 भाग एस० सी० श्रो० नंसें 58, है तथा जो सेक्टर 30, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 8/80, 9/80

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए प

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमर्तः सुरिन्द्र घरोड़ा पत्नी श्री दाका सिंह घरोड़ा द्वारा श्री हरभजन सिंह पुत्रश्री सावन सिंह, निवासी 3011, सेक्टर 19-डी, चण्डीगड़ ।

(ग्रंतरक)

 सर्वस्ती प्रेम चन्द, चमन लाल पुत्र श्री राम किशन निवासी 174, ग्रेन, मार्कीट, चण्डीगढ़।

(ंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी हो प

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

1/2 भाग एस० सी० भ्रो० नं० 58, सेक्टर 30, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1167, भ्रगस्त, /सितम्बर, 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**व**: 4-4-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहासक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुघियाना

लुधियानाः, दिनांक 4 अप्रैल, 1981

निदेश सं० सीएकडी०/211/80-81---श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1/2 भाग एस० सी० ग्रो० नं० 58 है तथा जो सेक्टर 30-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णं रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिज ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 8/80, 9/80

का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिंह सन्तरण के लिए तथ

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसिसयों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती सुरिन्द्र श्ररोड़ा पत्नी श्री वाका सिंह श्ररोड़ा जनरल श्रटारती, श्री हरभजन सिंह पुत्र श्री सावन सिंह निवासी 3011, सेस्टर 19-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री मदन लाल, दर्शन लाल पुत्र श्री राम किणन निवासी 174, ग्रेन मार्कीट, चण्डीगढ़ ।

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख़ से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

1/2 भाग एस० सी० भ्रो०नं० 58, सेक्टर 30-सी, चण्डीगढ ।

(जायदाद जैसा कि 'रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी' चण्डीगढ़ के कार्यालय के जिलख संख्या नं 1166, श्रगस्त/सितम्बर, 1980 में दर्ज है।)

मु**ख**देव **घन्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लक्षियाना

तारीख: 4-4-1981

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भ्रायकर भायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सुधियाना लुधियाना, दिनांक 4 स्रप्नेंल

निवेश सं० पीटीए०/48/80-81—अतः मुझे, सुखंदेव चन्द, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इन्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सधीन समम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रू० से अधिक है निया को स्वीधा 10 विश्वा है तथा को

श्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 1 बीघा 10 बिस्वा है तथा जो सनौयरी गेट, पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक 8/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हा की सिक्ष में वास्तविक रूप से किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्चित्तियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी बन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुमरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भ्रधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री बुलाकी दास पुत्र श्री सुलेख चन्द मुखितियार खुद पत्नि श्रीमती विद्यावसी,, श्रीर श्रीमती रामा रानी, पश्नी श्री राज किशन, निवासी टैंक-बी, पटियाला।

(अन्तरक)

 श्री जीवन कुमार पुत्र श्री ज्ञान चन्द, निवासी सनोयरी गेट, पटियाला ।

(श्रंतरिती)

को यह मुजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख़ से 45 दिन की पत्रधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को श्रवधि, जो भी श्रवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीगर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पाम निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो जनत श्रीवित्यम, क यहनाय 20-क में निर्द्धाधित हैं, बही प्रयं डोगः, ना उन प्रज्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 1 बीघा 10 बिस्वा, सनौयरी गेट, पटियाला। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3676, श्रगस्त, 1980 में दर्ज है।)

> मुखदेव चन्द मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 4-4-1981

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांभ 4 अप्रैल 1981

निदेश सं० पो०टी०ए,/०52/80-81---श्रत-: मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र० 1 बीघा 10 बीसवा है तथा जो सनौयरों गेंट, पटियाला, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारों के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1980 (1908 का 16) के श्राधीन दिनांक 8/80

को प्वींक्त संपित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विषयास करने का बारण हां कि निवास का प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्य से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के बुधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों अर्थात्:-- 1. श्री बुलाकी दास पुत्र श्री सुलेख चन्द मुखतियार खुद श्रीमतो विद्यावन्ती श्रीर श्रीमतो रामा रानी पत्नी श्री राज किशन व श्रोमतो विजय कुमारो पत्नो रामेशचन्द निवासी टैंक बी, पटियाला ।

(अंतरक)

2. श्रो ठण्डुराम पुत्र श्री माधो राम, निवासी मारकल कालोनी, सनौयरी गेट, पटियाला ।

(श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुसुची

भूमि क्षेत्रफत 1 बीधा 10 बिसवा, सनौयरी गट, पटियाला (जायदाद, जैसा कि रजिस्ट्रोफर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3917, अगस्त, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारो सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, लुधियाना

नारी**ख** : 4 म्रप्रैल, 1981

प्ररूप आइं.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिलांक 🖫 प्रप्रैल 1981

निवेश सं० ए०एल०एम/72/80-81—स्प्रतः मुझे सुखवेव चन्द आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० 2 बीधा है तथा जो गांव कुकड़ माजरा, सब तहमील. प्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्रमलोह में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनांक 8/80 का पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन, उक्त अधिनियम क्रे अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या किय आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिनाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की. अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिक्त व्यक्तियों अर्थात्:-7—46 GI/81

- मैंसर्ज अपलिक्ट इन्जीनियर कम्पनी, मण्डी गोविन्द गढ़, द्वारा श्री ह्रमीत सिंह पार्टनर (अंतरक)
- 2. मैंसर्ज इन्डोयन पीसेन्ट ग्रपलिफ्ट इन्डस्ट्रीज, मण्डा गोविन्द गढ़, जिना पटियाला (द्वारा श्री देविन्द्र कमार पार्टनर) ।

(भ्रंतरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्स संधी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

भूमि 2 बीघा, गाँव क्रुकड़ माजरा, सब तहसील श्रमलोह जिला पटियाला ।

(जायदाद जैसा कि रिजम्द्रीकर्ता ग्रिधिकारी श्रमलोह के कार्यालय के विलेख मंख्या नं० 1212, श्रगस्त, 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 4 श्रप्रैल, 1981 मोहर: प्ररूप आह .टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 4 श्रप्रैल, 1981

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एस० मी० एफ० नं० 38 है, तथा जो सेक्टर 8-बी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ म रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक अगस्त 80

की पूर्वोक्त संपितित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिषम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सर्विश्वा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री दीवान चन्द्र पुत्र श्री दया राम, निवासी मकान नं० 596, सेक्टर 8-बी, चण्डीगढ ।

(भ्रंतरक)

- 2. श्री बरकत राम मोनी पुत्र श्री बाबू राम निवासी। मकान न० 3313, सेक्टर 27 डी, चण्डीगढ़ । (श्रंतरिती)
- 3. (1) मैंसर्म सोनी फरनीचर
 - (2) श्री बरकत राम सोनी
 - (3) श्री बलदेव चन्द सोनी
 - (4) श्री विनोद कुमार सोनी, निवासी एस० मी० एफ० नं० 38, सेक्टर 8 बी, चण्डीगढ़ ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह स्थान जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 38, सेक्टर 8-बी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1040, श्रगस्त, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 4 श्रप्रैल, 1981 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन्. एस.---

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 4 श्रप्रैल, 1981

ग्रौर जिसको मं० भूमि क्षेत्र फल 4 बीथे हैं तथा जो मन्डी गोविन्दगढ़ जिला पटियाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमलोह में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख 8/80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिटिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः-- श्री विकरमजीत सिंह, श्रमरीक सिंह पुत्र श्री मेहरसिंह निवासी वार्ड नं० 1, मंडी गोविंद गढ़ जिला पटियाला ।

(ग्रंतरक)

2. मसर्स राज स्टील शेलइंग मिल्ज, बार्ड नं० 1, गुरु को नगरी, मन्डी गोविन्दगढ़, जिला पटियाला ।

(अंतरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्ति विष्टिक्ति विष्यक्ति विष्टिक्ति विष्यक्ति विष्टिक्ति विष्यक्ति विष्टिक्ति विष्टिक्ति विष्यक्ति विष्यक्ति विष्यक्त
- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्र फल 4 बीघा, मन्डी गोविन्दगढ़ जिला पटियाला (जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी ग्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1173, ग्रगस्त, 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखः ४ भ्रप्रैल, 1981

प्रक्रिप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 4 भ्रप्रैल, 1981

निदेण सं० ए० एम० एल/67/80-81—- ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/- र के अधिक है ग्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र फूल 3 बीघे 18 बिस्वे है तथा जो गोविन्द गढ़, जिला पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद . धनुसूची में भीर जो पूर्ण क्ष्य से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय ग्रमलोह में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रगस्त 80

- को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उतित बाजार मूल्य से के के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक्तों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदेश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
 - (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-शं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- श्री बिकरमणीत सिंह, ग्रमरीक सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह निवासी वार्ड नं० 1, मन्डी गोबिन्द गढ़।
 - (तरक)
 2. मैंसर्स राज स्टील रोलिंग मिल्स ,
 गुरूकी नगरी, मन्डी गोबिन्द गढ़, जिला पटियाला।
 (ग्रांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उभत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 3 बीघे 18 बिस्वे, मन्डी गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या नं 1172, ग्रगस्त, 1980 में दर्ज है।)

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख **4 श्रप्रै**ल, 1981 मोहर**ः**

प्रकृप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 4 श्रप्रैल, 1981

निदेश सं० डी०बी०एस०/25/80-81—ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 196-1 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गा है, की घारा 269-ख के प्रधीन मक्षम पाधिकारी की, यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर पंपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु मे अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र० 38 बीघा 18 वीसवा, (47069 वर्ग गज) है तथा जो गांव विश्वनगढ़ सब तहसील डेरा वस्सी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय डेरा वस्सी में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 8/80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित को गई है और मृक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छित्ति बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई किसो माम की बाबन सकत अधि-नियम, के मधीन कर देने के मध्यरक के दामिश्व में कमी करने या उससे अपने में बुविधा के लिए; प्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अथ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या एक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ धन्द्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः सनः उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री गुरदित्त सिंह पुत्र श्री प्रभु सिंह निवासी गांव विभानगढ़, सब तहसील डेरा बस्सी ।

(अंतरक)

 मैसर्स पेहवा चैन, (प्रा०) लिमिटेड धारा श्री सोहन लाल पुत्र श्री निहाल सिंह निवासी 72 इन्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़ ।

(ग्रंतरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्माल के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं :

उस्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई मो साक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की सबिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों पें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उन्न स्थानर संपत्ति में हित-बद्ध किसो अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास निकित में किए जा सकेंगे।

साबदोकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, चो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 38-18 बीसवा (47069 वर्ग गज) गांव विमानगढ़, सब तहसील डेरा बस्सी ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी छेरा बस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 776, अगस्त, 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख 4 भ्रप्रैल, 1981 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 4 श्रप्रेल, 1981

निदेश सं० एन०बी०ए०/18/80-81—अतः मुझे सुखदेव चंद बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र० 3 कनाल, 14 मरले हैं तथा जो नाभा, जिला पटियाला में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के क्रियालय नाभा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 8/80

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की खपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री महिन्द्र सिंह पुत्र शाम सिंह, निवासी वेदीयां स्ट्रीट, नाभा ।

(अंतरक)

 श्री हरचन्द सिंह, जंग सिंह गुरमेल सिंह, लाभ सिंह, सारे पुत्र श्री दलीप सिंह, निवासी गांव लोट, पोस्ट श्राफिस, श्रलोबाल, तहसील नाभा ।

(भ्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वृत्स्यी

भूमि क्षेत्रफल 3 कनाल, 14 मरले, नाभा में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1458, श्रगस्त, 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव घन्द, सक्षम प्राधिकारी संहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रंजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 4 भ्रप्रैल, 1981

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रधिनियम, 196। (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 4 श्रप्रैल, 1981

निदेण सं० सी०एच० डी०/180/80-81—ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन संअम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 2329 है, तथा जो सेक्टर 35-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रिनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 8/80

को पूर्विन्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विन्त संगति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐ। यन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल तिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रत्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) एसी किसा भाष या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अभिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त पधिनियम, को धारा 269-म के मनुसरण में, में, उक्ता पधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, गिम्नौलिखित व्यक्तिसम्बं, अर्थाक् :---

- डा० गुरवचन सिंह पुत्र स० मिहन्द्र सिंह, ए-७, हाज खास, नई दिल्ली द्वारा श्रदारनी श्री परमजीत सिंह पुत्र बलवन्त सिंह, 60 ईन्डस्ट्रीयल, एरिया, चण्डीगढ़। (श्रंतरक)
- श्रीमती कुलवन्त कौर, पत्नी स० बलवन्त सिंह, 60 इन्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़।

(श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी म्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारांख के 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतंबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पासे लिखित में किए जा सकेंगे।

स्ववद्दी करण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पेदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जा उस श्रव्याय में विया गया है।

अनुसूचो

प्लाट नं० 2329, सेक्टर, 35-सी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय, के विनेख संख्या नं० 1065, ग्रगस्त, 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखा: 4 ग्राप्रैल, 1981

प्रकप माई • टी • एन • एस •--

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म(1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 4 ग्रप्रैल, 1981

निदेश सं० मी ०एच०डी०/203/80-81---श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

भायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पत्रचात् 'उक्त श्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रश्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिकिक है

ग्रीर जिसकी सं० बूथ नं० 170, है तथा जो सेक्टर 35-डी चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8/80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत उक्त भिध-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुक्षिष्ठा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिवित्यम, या धन कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, एक्स अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के सभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- शीमती रनधीर कौर सिधु, पत्नी श्री रूपिन्द्र सिंह सिधु निवासी 505, सेक्टर 11-बी, चण्डीगढ़ मारफत डा० करतार सिंह ग्रेवाल निवासी 505, सेक्टर-11बी, चण्डींगढ़।

(ग्रंतरक)

- (1) श्री सुन्दर लाल खुराना, पुत्र श्री नारायण दास खुराना ।
 - (2) अमरजीत सिंह पुत्र धनश्याम दास, निवासी मकान नं० 3377, सेक्टर, 35-डी, चण्डीगढ़। (श्रंतरिती)
- 3 श्री श्रोमप्रकाण श्रो बलदेवराज, निवासी बूथ नं० 170, सेक्टर 35-डी, अण्डीगढ ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त कन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

वृथ नं० 170, 35-डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी चण्डीगड़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1133 प्रगस्त, 1980 में दर्ज है)।

> मृखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, लुधियाना

तारो**ख: ४ थ्रप्रैल**, 1981

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 4 स्रप्रैल, 1981

निदेश सं० एल०जी०जी/1/80-81/--श्रतः मुझे सुखदेव चन्द
धायकर ऋषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से ग्रधिक है श्रीर जिसकी सं० मकान जायदाद है तथा जो ग्रनाज मंडी, लहरगगा, जिला संगक्षर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुमूची मं श्रीर जो पूर्ण क्य से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लहरागगा म रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के दृष्य भान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धीर मुझे यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रिषक है धीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1908 का 16 के अधीन दिनांक 12/80

- (क) अग्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत एक्त भ्रष्टि-नियम के भ्रम्पीन कर देने के भन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में कुविधा के लिए ; भीर√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

श्रवः; श्रवः, उक्त श्रिष्ठितियमं की धारा 269-म के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रिष्ठितियमं की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रेष्ठि:— 8—46GI/81 सर्वश्री ग्रमर प्रकाण व क्रुप्ण चन्द पुत्र श्री मल्हार चन्द श्राप व उसकी माता की श्रटारनी, श्रीमती द्रोपदी देवी, निवासी रामपुरा फूल ।

(श्रंतरक)

2. डा॰ मोहन लाल गर्ग पुत्र श्री हंस राज गर्ग निवासी लहरागगा, जिला संगरूर ।

(म्रंतरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुवना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन की श्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रवीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उन्त श्रधि-नियम के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित है, वही अथे होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

ग्रनु**सू**ची

मकान जायदाद, जो लहरागगा, जिला संगरूर में स्थित हैं। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लहरागगा, के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 943, दिसम्बर, 1980 में दर्ज है।

भुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**ख: 4 मप्रैल, 1981**

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 4 श्रप्रैल 1981

निदेश सं० एल०डी०एच०/160-ए/80-81--म्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं2 प्लाट नं० 306/4 है, तथा जो माडल धाम लुधियाना, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8/80

का पूर्वीक्स सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्री फतेह सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह,
 89, गक्ति नगर, लुधियाना ।

(ग्रंतरक)

2. श्री पृथीपाल सिंह पुत्र श्री करतार सिंह वश्री सुरेन्द्र पाल सिंह पुत्र श्री तखत सिंह माडल ग्राम, लुधियाना ।

(ग्रंतरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी ।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 306/4, माडल ग्राम लुधियाना, । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2509, ग्रगस्त, 1980 में दर्ज है ।)

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

तारीख: 4 प्रप्रैल, 1981

मौहर:

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

आयकर घक्तिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 4 ग्रप्रैल 1981

निदेश सं० सी० एच० डी०/172/80-81—-श्रतः, मुझे सुखदेव चन्द,

मायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1060, है तथा जो सेक्टर 37-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8/80

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर दैने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर भिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर भिष्ठनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रज, उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, अन्त भिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भिधीन, निम्नजिबित अपितारी, प्रयोत:--- सर्वश्री भीम सेन व सुरिन्द्र कुमार पुत्र श्री देवी दयाल द्वारा उनको पावर श्राफ श्रदारनी श्री जगदीण चन्द मल्होत्ना, निवासी मकान नं० 1099 सेक्टर, 19-बी, चन्डीगढ़।

(भ्रंतरक)

 श्री तिलक राज मल्होता पुत्र श्री सन्त रांम मल्होता व श्रीमती कुसुम मल्होता पत्नी तिलक राज मल्होता निवासी मकान नं० 1099, सेक्टर, 19-बी, चण्डीगढ़। (ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्वियों करता हूं।

उन्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरव्यीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 1060, सेक्टर 37-बी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगड़ के कार्यालय के विलेख नं० 1037, श्रगस्त, 1980 में दर्ज है।)

> मु**ख**देय चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीखा: 4 ग्रप्रैल, 1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बिहार, पटना पटना, दिनांक 23 मार्च 1981 निदेश सं० II/480/80-81—श्रतः मुझे, हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० -11086 थाना सं०-344 बार्ड सं०-10 पुराना श्रीर 28 नया, खाता सं०-8 नया मकान सं०4 ए पुराना 5 ए० नया है तथा जो मुहल्ला मुहम्मद्दपुर काजी शहर एथं जिला मुजफ्फरपुर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मुजफ्फरपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 29-8-80,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आंस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री श्राभा राय चौधरी पति श्री सुधीरचन्द्र राय चौधरी 2 श्री सुधीर चन्द्र राय चौधरी पिता श्री प्रमोद चन्द्र राय चौधरी मुहल्ला श्रमला टोली, कटिहार गहर, जिला-पूर्णिया, हाल मोकाम मुहल्ला मुहम्मदपुर, गहर एवं जिला मुजफ्फरपुर ।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ब्रजेश कुमार पाठक पिता श्री राम ग्रयोध्या पाठक, मौजा घरफरी थाना एवं जिला मुजफ्फरपुर, हाल मोकाम मुहल्ला मंडीपुर शहर एवं जिला-मुजफ्फपुर (ग्रन्तरिती)
- (3) श्रंतरिती जिसका विवरण ऊपर दिया गया है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 12 घूर 6 कनवा जिसमें पक्का मकान बना हुआ है और जो मुहल्ला मुहम्मदपुर गहर एवं जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है तथा जिसका तौजी सं 11086, थाना सं 344 वार्ड सं -10 पुराना और 28 नया है तथा जिसका पूर्ण विवरण वसीका सं -11904 दिनांक 29-8-80 जो जिला अवर निबंधक मुजफ्फरपुर के यहां निबंधित हुआ है, में दिया हुआ है।

> हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक 23-3-1981 मोहर : प्ररूप आहू . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 6 श्रप्रैल, 1981

निदेश सं० 1II/481--- 81-812---- ग्रतः मुझे, हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकीं सं० प्लाट नं० 5 ब्लौक नम्बर 3/टाइप एफ सर्किल नम्बर 1 बार्ड नम्गर 12 है, तथा जो राजेन्द्र नगर रोड नं० 11/पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपलब्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 20-8-80,

को प्वांक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास फरि का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी कर्ने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :-- (1) डा० गरत कुमार भाही भ्रात्मज श्री लिलिक्वर प्रसाद भाही, निवासी रोड नम्गर 1 रान्द्रनगर थाना कदमकुंग्रा, पटना वहसियत मौखतार श्राम मिन जानिय श्री मित मनोरमा देवी पित का नाम श्री विश्रम्गर प्रसाद भाही निवासी ग्रीम तमकीहो, राज थाना तिरयासुजान जिला देविरया, हाल मोकामी II करियया रोड इलाहाबाद जिला इलाहाबाद (उत्तर प्रतेदेश)

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सीताराम सिंह ग्रात्मज स्वर्गय गुरसहाय सिंह निवासी ग्राम बिन्द थाना श्रस्थावां जिला नालन्दा मोकामीं 7/177 बी॰ स्वरूप नगर कानपुर (उत्तर प्रदेश)

(ग्रन्तरिती)

- (3) श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यध्ति जिसके श्रधिपोग ० चेम्पत्ति है)
- (4) श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति , जिसके दबारे ० श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह चेश्पित्त में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्होकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन का रकबा 456..87 वर्ग गज कुछ बनावट सहित जो मौजा रोड नम्गर 11 राजेन्द्रनगर थाना कदम कुंग्रा, पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से बहिसका नम्गर 6268 दिनांक 20/8/80 में वर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला प्रवर निबंधक पदाधिकारी , पटना द्वारा सम्पन्न हुग्ना है ।

हु० नारायण (सक्षम पदाधिकारी) निरीक्षी सहायक श्रायकर स्रायुक्त ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक 6-4-1981 मोहर : प्ररूप आइ. ् टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, 57 रामतीर्थ मार्ग, लखनक लखनक, दिनांक 31 जनवरी 1981

निदेश सं० ए-87/ग्रर्जन—ग्रतः मुझे, ग्रमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० डी-37/40 ए है तथा जो बड़ादेव वाराणसी में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14-10-1980

को पूर्वोकत सम्परित के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्ः—— (1) 1. श्री हाफिजवलीमोहम्मद 2. बशीर मोहम्मद 3. नजीर मोहम्मद 4. हफीज मोहम्मद पुत्रगण श्री फकीर मुहम्मद 5. इकवाल श्रहमद पुत्र अब्दुल करीम 6. श्रीमती-गुलशन व श्रीमती कुलसुम

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रबरार ग्रहमद

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री ग्रबरार श्रहमद अन्तरिती व सर्व श्री श्रनुपम चक्रवर्ती वरोतम- चक्रवर्ती किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० डी० 37/40-ए मय जमीन व इमारत स्थित मोहल्ला बड़ादेव हरूका दशाप्रवमेघ शहर वाराणसी व वह तमाम सम्पत्ति जो सेलडीड ग्रौर फार्म 37 जो संख्या 9365 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्टार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 14-10-80 को किया जा चुका है।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिगांक: 31-1-1981

प्ररूप आई० टी• एन० प्स•----

नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

धारत सुरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, 57, रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 23 मार्च 1981

निवेश नं० ए०-89। अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिचेन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी संख्या प्लाट संख्या 583 है तथा जो रहीम नगर, महानगर, लखनऊ में स्थित है ((श्रौर इससे उपाबद्ध स्ननुसूर्चा में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 3-9-1980, -

को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किश्वत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नित्सित व्यक्तियों अधीतः—

- डा० जी० के० गुप्ता, पुत्न श्राः बालक राम, (भ्रन्तरक)
- 2. ग्रशोक कुमार श्रां वास्तवा पुत्र स्व०श्री श्रीनाथी प्रसाद श्रीवास्तवा (श्रन्तरिती)
- 3—उपरोत्त विकेता (वह व्यक्ति , जिसके फ्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन! की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सक³गे।

स्यष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

भनत्त्वी

एक किता ध्राराजी नम्बरी खसरा 583 पैमायगी 3905 वर्गेफुट वाके रहीम नगर थाना—महानगर, शहर-लखनऊ तथा वह नमाम सम्तित जो फार्मे 37-जी संख्या 5598/3/81 तथा सेलडीड में विणित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार-लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 3-9-1980 को किया जा चुका है।

श्रमर सिंह विसेन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) श्रजैन रेंज लखनऊ

दिनांक: 23-3-1981

प्ररूप आह².टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायकत (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र 57, रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 ग्रप्रैल 1981

निदेण नं एस०—202/-प्रर्जन ग्रतः मुझे, ग्रमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 69 जानस्टनगंज है तथा जो इलाहाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूर्चः में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रांकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, दिनांक 18-80/20-9-1980

को प्वोंकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अधित्:--

1—श्रीमतो पुष्पा गौड व श्रोमतो मोहना चौधरी (म्रन्तरक)

2--श्री भिवाजी चौरसिया

(भ्रन्तरिती)

3—श्री शिवाजी चौरसिया (उपरोक्त व राजेन्द्र सिंह किरायेदार

> (वह व्यक्ति , जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मकान नं० 69 जानस्टनगज इलाहाबाद तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जिसका वर्णन फार्म 37 जो संख्या 4276 व सेलडीड में किया गया है जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 18-8-80 (37 जो फार्म के अनुसार) व 20-9-80 (विक्रेता के अनुसार किया जा चुका है)।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम श्रिधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 2-4-1981

प्ररूप आहर .टी.एन.एस.,----

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269न(1) के प्रवीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 मार्च 1981

निर्देश सं० ए० मी०,रेंज-II कला०/1981---म्रतः मुझे,

•० सह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 209 र तथा जो बेगमारे रोड, मानिक टोला, कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण-रूप से विणित है, रिजस्ट्रौर्ता श्रथिकारी के कार्यालय एस० श्रार० सीलदह में , रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 9-8-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-9--46GI-81

1. श्रीमती कमला बाला दासी श्रौर ग्रन्य

(भ्रन्तरक)

2. श्रोमती विभेक रन्जन दे

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

क्षेत्रफल 4 कटट्। 13 छटाक (एक मर्जिल मकान) जायदाद सं० 209 बाधमारी रोड, मानिकतल्ला कलकत्ता

> के० मिहा मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज II 54, रफीश्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक 19-3-1981 मोहर : प्ररूप आई ० टी० एन० एस० 😁

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य , सहाय्क् आय्कर आयुक्त (निरक्षिण), श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोचीन-15, दिनांक 26 मार्च 1981

निदेश सं० एल० सी० 500/80-81—स्यतः मुझे, वी० मोहनलाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रूज से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय एरणाकुलम में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन विनांक 4-8-1980

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तिव्क रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री पी० ए० राज.

(भ्रन्तरक)

2. श्री डी० रघुनाथ

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पृतित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- विद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक गै।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनसर्ची

5·102 Cents of land with a building as per Schedule attached to Doc. No. 2357/80 dt. 4-8-80

वी० मोहनलाक्ष सक्षम प्राधिकारी सहायक फ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) फ्रजैन रेंज, एरणाकुलम

तारी**ख**: 26-3-1981

प्ररूप नाई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्गालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 31 मार्च, 1981

निर्देश स० ए० सी०/रेंज-4-कल/1981—-ग्रतः मुझे० के० सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा से अधिक है

श्रीर जिसकी म० 125 बिल्डिंग न० डी०बी०-12 है, तथा जो सेक्टर I, साल्ट लेक सिटी, पो० श्रो० साल्ट लेक, कलकत्ता-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रार० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-8-80

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को, वनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन निम्नितिसिस व्यक्तियों अर्थात्:--

- 1. मैसर्स सुन्दोनर्स को-म्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० (म्रन्तरक)
- 2. डा॰ पुलक कुमार राहा

(ग्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष:--

- (क) इसु सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Flat No-125 (First floor Front), Building No DB-12, Sector I, Salt Lake City, Calcutta-700064 Building plinth area-1015 Sq ft.

के० सिहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, 54, रफी श्रहमद
किंदबई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 31-3-1981:

प्रकप आई० टी • एव • एस० -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मू (1), के अभीन सुचना

भारत सरकारः

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 17 फरवरी, 1981

निर्देण स० ए-20/80-81/शिलांग/904---श्रतः मुझे ई० जे० मावलोंग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

भीर जिसकी स० दाग स० 6647 6658 6659 है तथा जो दूसरी, श्रार० एस० पट्टा स० 626, परगना बारकपर, प्रेमतोला, सिल्बर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची म ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सिलचर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 28-8-1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृद्ध है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मृक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की भावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्र्या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निअखित व्यक्तियों अर्थात्ः--

1. श्रीमती माधवी दत्ता स्व० मजर मनीन्द्रा शंकरन, दत्ता, प्रेम तोला, ासलचर ।

(भ्रन्तरक)

 श्री तुलसोदास बानिक श्रौर श्रीमती गीता रानी बालिका श्रम्बिका पट्टी, सिलचर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करुके पूर्वांक्त सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरुण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों अरि पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहा अथे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

जमीन का माप 5 (पांच) कट्टा, 9 (नौ) छटांक जिनका दाग सख्या 6647 6658 6659, सेकेन्ड श्रार० एस० पट्टा सं० 626 एक श्रसम टाइप मकान के साथ जो श्रसम में कछार जिले के सिलचर प्रेमतोला नामक स्थान में स्थित है।

ई० ज० माय लौंग ्सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, शिलांग

सारीख: 17-2-1981

प्ररूप आर्ष: टी. एन. एस. -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 23 फरवरी 1981

निदेश सं० आय० ए० सी०/अर्जन/167/80-81——यतः मुझे ए० एम० खरे

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 343/0+1 है, तथा जो वार्ड नं० 17, सर्कल नं० 3, न्यू शुक्रवारी, नागपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ती अधिकारी के कार्यालय नागपुर में (डाकुमेंट सं० 3974/80 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 8-8-80

कां पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम, के स्वयुमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधितः :---

- 1. (1) श्रीहरिनारायण वैद्य
 - (2) श्री रत्नाकर हरी वैद्य
 - (3) श्री केशव नारायण वैद्य
 - (4) श्री प्रविनाश नरायाण वैघ
 - (5) श्री दलात्रय नारायण वैद्य
 - (6) श्री श्रीकान्त दत्तात्रेय वैद्य 1 तथा 2, रहने वाले नई शुक्रवारी, नागपुर नथा उसे 6 मूंबई ।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री लीलाधर भीमराज हारीडे,
 - (2) श्रीमती बत्सल राधेश्याम पटीय, नई शुक्रवारी, नागपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृव्धित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबप्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्थलक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित, है, वहीं नर्थ होगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान नं० 343/02, वार्ड नं० 17, सर्केल नं० 3, ई शक्षकारी, नागपुर ।

ए० एम० खरे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 23-2-1981

प्ररूप आईं ० टी ० एन ० एस ०

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रजन रेंज, नागपुर

नांगपुर, दिनांक 23 फरवरी 1981

निदेश सं० आय० ए० सी०/प्रजन/168/80-81—यत: मुझे ए० एम० खरे

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 12/1 है, जो वार्ड नं० 4, शिट नं० 17-डी० घंतोली, नागपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण व्य से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नागपुर में (डाकुमेंट स० 3977/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन 11-8-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उ चित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा गया है:——

- (क) कम्सारण से हुई जिसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. (1) श्रीमती निहार राय जायरामाय राय,
 - (2) अमीत कुमार, जायरामाय राय,
 - (3) अनिल कुमार जायरामाय राय, सभी रहने वाले घंतोली, नागपुर । (अन्तरक)
- श्री शशिकान्त वाईलाल श्रजमेरा, सदर, नागपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बधी क्यें क्रितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों क्रि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

प्लाट नं० 12/1, ब्लाक नं० 82, वाड नं० 4, शिट नं० 17-डी एन० वी० खरे, मार्ग, घंतोली, नागपुर।

> ए० एम० खरे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 23-2-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 23 फरवरी, 1981

निदेश सं० एम० ए० सी०/म्रर्जन/169/80-81—यतः मुझे ए० एम० खरे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० खसरा नं० 398, मकान नं० 667 से 686 है तथा जो बार्ड नं० 2, घाट रोड, नागपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नागपुर (डाकुमेंट सं० 4136/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 25-8-80

को पूर्वाक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्था अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः-- मैससं, विनायक रामचन्द जीन तथा प्रेसिंग कंपनी, ध्यु मैनेजिंग पार्टनर, श्री नारायण विष्णु हेरलकेर, घनतोली, नागपुर ।

(भ्रन्सरक)

 श्री वेणु गोपाल मुरलीधर सारडा, धारसकर रोड, इतवारी, नागपूर।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृतित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्ति में हितबहुध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

खसरा नं० 398, मकान नं० 667, से 686, वार्ड नं० 2, घाट रोड, नागपुर ।

> ए० एम० खरे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 23-2-81

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, नागपूर

नागपुर दिनांक, 23 फरवरी, 1981

निदेश सं० एम० ए० सी० श्रिजेंन 170/80-81--यत: मुझे ए०एम० खरे

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1067 है, जो शिवाजी नगर, नागपुर में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध प्रनसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नागपुर (डाकुमेंट सं० 2051/80) में भारतीय रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 19-8-80 को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करभेका कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मृल्थ, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;
 - (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्यक्तियों स्थित् 🕬

- (1) श्री येक्षेचन्द्र पांड्रंत, वाणीकर,
 - (2) श्री ए० पी० वाणीकर, श्रीमती सुमन जी दानी, श्रीमती मन्दाकिनी पी० तेस्ते ,श्रीमती ललिता ए० कौपरकर । जोगेश्वरी, बाम्बे-60।

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रकाश मधुकर, पेन्डके, श्री प्रमोद गंगाधर पेन्डके, श्रीमती चित्रा श्रीराम देशम्ख, शिवाजी नगर, नागपुर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीखसे 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियौगर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स्त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 106 ए, तथा मकान, शिवाजी नगर, नागपुर।

ए० एम० खरे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख 23-2-1981 मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनांक 23 मार्च, 1981

निवेश सं० आई० ए० सी०/ग्रर्जन/171/80-81—यतः मुझे ए० एम० क्षेर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 63 है, तथा जो स्माल फैक्टरी एरिया, वर्धमान नगर, नागपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपा-बढ़ प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्याक्षय नागपुर (डाकुमेंट सं० 1832/80) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 30-9-1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्यों क्त संपर्ति का उच्चित काचर मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्वमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती बन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल किल निम्नितियाँ। के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल किल निम्नितियाँ। के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल किल निम्नितियाँ। के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल किल निम्नितियाँ। के बीच एसे अन्तरण किल कर्ण से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उवधारा (1) के अधीन निम्नलिसिट व्यक्तियों अर्थात्:--10-46GI/81

- 1. श्री हरी राम कृष्ण फोपली,
 - (2) श्री उमेश श्रीहरी फोपली
 - (3) श्री मंदू श्रीहरी फोपली
 - (4) श्री राज श्रीहरीफोपलो सभी रहने वाले महाल, नागपुर ।

(ग्रन्तरक)

- 2 (1) श्री हरीन्वर सुपुत्र सरदार बलवंत
 - (2) श्री शंकरजीत सुपुन्न सरवार बलवंत
 - (3) श्री ग्रमरजीत सुपुत्र सरदार बलवंत सभी रहने वाले लकड़गंज नागपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीं कर सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) क्स-स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों केत ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इसम्भूषमा के राज्यन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त धन्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

ग्रोपन प्लाट मं० 63, वार्ड नं० 23, डिवीजम नं० 3, सर्नाल नं० 11/16, स्माल फैक्टरी, एरिया, वर्धमान नगर, नागपूर।

ए० एम० खेर सक्षम प्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 23-3-1981

प्ररूप भाई० ठी० एन०एस०---

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोंज, नागपुर

नागपुर दिनांक 23 मार्च, 1981

निवेश सं० आई० ए० सी०/म्प्रर्जन/172/80-81---यतः मुझे ए० एम० खेर

अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित थाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान न० 469, का भाग है जो न्यू कालोनी नागपुर में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नागपुर (डाकु मेंट सं० 4626/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 14-10-80

को पृत्रों क्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इद्यमान श्रीतफल के लिए अस्टीरन की गई है और मभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इद्यमान श्रीतफल मं, एसे इद्यमान श्रीतफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिक रूप से कथित नृहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा का लिए: और/या
- (स) ऐसी जिसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने से सुविधा के लिए:

सतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण मों में अक्त अधिनियम की भारा 269-**घ की उ**पधारा (1) के अ**धीन नि**मनलिखिल व्यक्तियों अर्थातु:-- श्री चौभराम, चिमनदास, हार्ड वेयर मर्चेन्ट्स इतवारी, नागपूर।

(अन्तरक)

 श्रीमती सबरो बेगम, शर्कार ग्रह्मद ग्रन्सारी, रहने वाले कामठी, तह् तथा जिला नागपुर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथों क्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

1/2 भाग मकान न० 469/0-3, सर्कल न० 24, बार्ड नं० 60, न्यू कालोनी, नागपुर।

ए० एम० खेर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज, नागपुर

तारीख: 23-3-1981

मोहर

प्ररूप आर्ड. टी. एन् . एस् . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अधीन सुप्राना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज•ा1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी, 1981

निदेश सं० 9124--यतः भुझे, राधा बाल कृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्ति बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और

जिउकी स० पटमामनी थियेटर, 1041, 104 रा, है जो सालै रोड, द्रिची में स्थित है (भीर इससे उपावक धनुसूची भीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रोकर्ता घ्रधिकारी के कार्यालय द्रिचो (डाकुमेंट स० 2612/80) में भारतीय रजिस्ट्रोकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से काथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्तु अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्रे/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः भन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नुलिखित ल्यक्तियों, अर्थात् क्ष--- 1. श्री मुधैया श्रीर श्रन्य

(भ्रन्तरक)

2. श्री सेतु रामन श्रीर श्रवरसं

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्रिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 104, 104 रा , सालै रोड, ट्रिची, (पठमामनी थियेटर) (डाकुमेंट सं० 2621/80) ।

राधा बाल कृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 20-1-81

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-खु (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, मद्रास
मद्रास, दिनांक 2 श्रप्रील, 1981

निदेश सं० 121/सितम्बर/80--यतः मुझे श्रार० रिविचन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिस्का उच्चित् बाजार मृत्य 25,000/- इ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 25, नया निर्माण सं० 84, ग्रसिपरीन गार्डन्स, मद्रास-10 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद फ्रासूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय पेरिमट मद्रास, (डाकुमेंट स० 1198/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 30-9-1980

को पूर्वांक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्म्लिखित उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से करिश्त महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे ब्कने में सुविधा के लिए; आर्ड/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्ध आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शृतः। शृब्, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपगारा (1) के अभीन, निम्निसिखत व्यक्तियों अर्थात् :-- 1. भी ठो० के० ठामस

(ग्रन्सरक)

(2) श्री जार्ज जोसफ

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के मुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्स स्थावर संपत्ति में हित-बक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युब्दिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि प्लाट सं० 25, नया निर्माण सं० 84, असिपिरिज गार्डन्स, मन्नास,-10, डाफ्मेंट सं० 1198/80)।

> श्चार० रविचन्द्रन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास,

ता**रीख**ः: 2-4-1081

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जनरेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 मार्च, 1981

निदेश सं० 2/ श्रगस्त, 80----ग्रतः मुझे, रिव चन्द्रन आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० वार्ड ई, ब्लाक 6, टी० एस० सं० 6 तथा 19 है जो पल्लपट्टी, सेलम, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सेलम में (डाक्नुमेंट स० 2903/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 31 8-80

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि प्रधापुर्वायत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के नियं; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— 1. एस० मार० सहादेवन भीर भदर्स

(भ्रन्सरक)

2. श्रीमती एस० कमलम ग्रीर राजम ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के क्र्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पटकीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

धनुसूची

भूमि और निर्माण, वार्ड ई, ब्लाक-6, टी० एस० सं० 6 तथा 19, पल्लापट्टी डाकुमेंट स० 2903/80।

> श्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 28€3-1981 मोहर:

प्रकप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 मार्च, 1981

निदेश सं० 10937/— यतः मुझे राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव्र संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 29/12, 13 है तथा जो बी० श्रो० सी० रोड, कोयम्बट्ट्र में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कोयम्बट्ट्र (डाकुमेंट सं० 4363/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीध-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रगस्त, 1980

को पूर्वों क्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिक्त के लिए अन्तरित की पर्क ही और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का पन्मितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कि धत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्दं किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीट्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के बुधीन निम्नसिन्ति व्यक्तियों, अभृति ह-- 1. श्री राजम्माल

(अन्तरक)

2. श्री स्वामिनायन

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपहे——

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष्री के पास लिखित मों किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि और निर्माण 29/12, 13 वी० ग्रो० सी० रोड, कोयम्बट्र (डाकुमेंट सं० 4353/80)।

> गधा बालकृष्ण, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-11, मद्रास

तारीख 23-3:1981 मोहर: प्रस्य आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 23 मार्च, 1981

निवेश सं० 10937—यतः मुझे राधा बास कृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्णात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की ज्ञारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जियका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 29/12, 13 है, जो वी० ग्रो० सी० रोड, कीयम्बटूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कीयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 4364/80), में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक श्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के जिल्ल बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिल्ल बाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरितों) की बीच ऐसे अन्तरित लिए तय पाया गया ऐसे प्रतिफल, निम्नलिकित छहेश्य से जक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बाधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्य में अपी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी जिसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में संविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं-, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निक्निलिखित व्यक्तियों अधृति ः— 1. श्री श्रार० राजम्माल

(भ्रन्तरक)

2. श्री स्वामिनाथन

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य अर्थाक्त द्वारा, अन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पब्दीकरण। ---- इसमें प्रयुक्त शब्दी बीर पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-फ में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 29/12, 13, वी०श्रो० सी० रोड, कोयम्बट्टर (डाकुमेंट सं० 4364/80 है, ।

राधा बाल कृष्ण सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 23-3-1981 मोहर: प्रारूप आई० टी० एन० एस०--

आपकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के प्रधीन मूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्ष्ण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 23 मार्च, 1981

निवेश सं० 10945, — यतः मझे राधा बाल कृष्णन भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रंधिनियम, कहा गया हैं), की घारा 2469-ख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- कार्य से ग्रंधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 3 है, तथा जो रामचन्द्र नायडू, ले० ग्रकुटू में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 3038/80) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसेर वृष्यमान प्रतिफल के एन्द्रह प्रतिणत से श्रीवक है श्री प्रश्यक्त (अन्तरकों) प्रौर पनारिने (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण तिखित में बास्तविक खप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अञ्चरण संदुई किसी बाय को बाबत उक्त ध्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे करने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अग्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रक्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्षितियम, या धनकर प्रक्रितियम, 1957 (1957 का 37) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या कियाने में सुविधा के लिए;

अतः, श्रव, उपन प्रधिनियम को धारा 269-म के अनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-म को उपवारा (1) के श्रधीन, जिल्लिक्टिंग शक्तिमों, प्रसन्:--- 1. श्री बी० वेठामबाल

(ग्रन्तरक)

2. श्री शिवरामकृष्नं

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) अस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ह किसी अन्य क्पक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के गाम लिखित में किए जा सकेंगे।

न्त्रव्दीकरगः चन्द्रसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रष्टपाय 20-क में परिभाषित हैं. **वही** प्र**यं होगा**, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण 7 रामचन्द्र नायडू ले श्रकुटू कोयम्बट्र (डाकुर्मेट सं० 3038/80) ।

राधा वालकृष्ण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज्⊒II मद्रास

तारीख 23-3-81 मोहर : प्रकथ धाई० टी॰ एन० एस०⊸-

आयकर श्रविनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 मार्च, 1981

निदेश स्० 10940—यतः मुझे राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूह्य 25,000/- दुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 22/268, 269 है, तथा जो श्रोप्पनाकार स्ट्रीट कोयम्बट्र में स्थित है (श्रौर इम्से उपाबद श्र नुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्र, (डाकुमेंट सं० 4270/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रवृद्ध प्रतिशत धिष्ठक है और प्रश्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए उथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (अ) अन्तरण से तुई किसी भ्राय की बाबत अक्त श्रिष्ठित्रयम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने गाउससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या मण्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धनकर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिधी हारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उस्त अधिनियम की घारा 269-म के अगुसरण में, में, उस्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविति ध्यक्तियों. अर्थात :--11--46GI/81

1. कालीजा बेगम

2. हेसेन

(भ्रन्सरक)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राधीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभावित ्रहें, वही भ्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण 22/268 तथा 269, श्रीप्पनागार स्ट्रीट, कोयम्बट्र, डाकुमेंट सं॰ 4270/80)।

> राधा बाल क्रुष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकिं ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 23,3-81 मोहर: भूक्य आहें. टी. एन. एस.-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

का**र्वाभय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 मार्च, 1981

निदेश सं० 10929—यतः मुझे राघा बाल कृष्ण आयंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- क्सए से प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० बोटिपालयम, है, जो पोल्लाच्ची में स्थित है (स्रोर इससे उपाबन्ध अनुसूची में भीर जो पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पोल्लाच्ची (डाकुमेंट सं० 2094/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण संदुर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. मुरुगेस मारतान्यम,

(भ्रन्तरक)

2. सबापती

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (म) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्रोहस्ताक्षरी के बास
 निश्चित में किये जा सर्केंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही अर्थ होगा जो छत अध्याय में दिया गया है।

अमुसूचो

भूमि बोटिपालयम, पोल्लाच्ची, (डाकुमेंट सं० 2094/80)

सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

बतः बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नुसिचित व्यक्तियों, नर्धात् :--

तारीख 23-3-1981 मोहर: प्रकप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर धायुक्त - (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 23 मार्च, 1981

निदेश संर्े 10925—यतः मुझे राधा क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मधिक है 25,000/-रपए से बाजार मुल्य भौर जिसकी सं० 10/37, है जो को-मापरेटिव बी कालोनी, कोयम्बद्र में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण स्प से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय घादिपुरम, (डाकुमेंट सं० 2804/80) में रजिस्ट्रीकरण ऋधि€ नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रगस्त, 80 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के जिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी क्रियन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाणं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अतः, अब, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, "अर्थातः~--

- 1. श्री नारायन उन्नी मन्नठी नायर
- (मलरक)

2. श्री नारायनं

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भाषोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वठडोकरण: --इपर्ने प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सकत प्रिवितयम के श्रव्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूभी

मूमि और निर्माण 10/3% को आपरेटिन वो कालोनी, कायम्बट्टर (डाकुमेंट सं० 2804/80) ।

राधा बाल कृष्णन व सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदास

तारीख 23-3-1981 मोहर: प्ररूप माई० टी० एत० एस•---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, III, बम्बई बम्बई दिनांक 28 मार्च, 1981

निदेश सं० ए०ग्रार०-४४४/ए०पी०-361/80-81—ग्रतः मुझे

सुधाकर वर्मा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- रु॰ में श्रिष्ठिक हैं। श्रीए जिसकी सं० प्लाट नं० 47, एस० नं० 14-जे (पार्ट) सी० एस० नं० 366 (पार्ट) है, तथा जो व्हिलेज चेंबुर में स्थित हैं। (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 28-8-80 विलेख नं० एस० 345/1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिन्त बाजार मूस्य से कम के नूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का अण्वत बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पग्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और श्रन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के निए तप तथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण तिब्दित है नास्तिक क्रय में किया नहीं किया गया है :—

- (क) श्रम्तरण से हुई जिसा साथ का बाबत, उक्त सिवनियम के अक्षीन कर देने के श्रम्तरक के पायित्व में कमी एरने या उससे दकने में सुविद्या के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसा किसी आय या किसी बन या भन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धन्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती हाए प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव, उक्त सिधिनियम को द्यारा 268-ग के अनुसरण में, मैं उक्त धिधिनियम को खारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नृलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः--

1. दि स्वास्तिक टेइसटाइल मिल्स लिमिटेड

(अन्तरक)
2. गांधारी को-म्रापरेटिव हाउसिंग होसाइटी लिमिटेड
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घर्वीच, जो शी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी पन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताकारी के नास लिखित में किए जा सक्तेंगे ।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उनत प्रक्षितियम के प्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उन अध्याय भे दिया गया है ।

अनुसूची

धनुसूची जैंसा कि विलेख संख्या एस० 345/1980 बम्बई उप रजिस्ट्रार ग्रिधिकारी द्वारा दिनांक 28-8-1980 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, बम्बई

तारीख 28-3-1981 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, वेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 12 मार्च, 1981

निदेश सं० 323/80-81---यतः मुझे ब्रार० शेषाद्रि

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/—क. से अधिक हैं और जिसकी सं० टी० एम० सि० नंबर 1649 है, तथा जो डानगल में स्थित हैं (ग्रांर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बिकृत हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय डानगल (ग्रंडर डाकुमेंट सं० 842), में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 11-12-80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का

पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती

(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फल, निम्निलिखित उत्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक

रूप से क्षिति नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—— श्री शेख ग्रायूब शेक ग्रब्दुल ग्रजीज,
 मैन ग्रोनर, संगेम, गोवा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वि० एस० चिन्मुलुगुंद, चेर्मन, हानगल, ग्रर्बन कोग्रापरेटिय क्रेडिट क्यांक लिमिटेड, हानगल ।

(ग्रन्तरक)

2. (1) सब-श्रांडिटर कोग्रायरेटिव डिपार्टमेंट हानगल

(2) श्रसिस्टेंट डैरेक्टर ग्राफ सिरिकाल्चर हानगल। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत लगक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र भी प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जो उनल अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धारवाद डिस्ट्रिक्ट हानगल, भें स्थित जगह ग्रीर विल्डिग जिसका नंबर है टि० एम० शिस० नंबर, 1649 ।

> म्रार० जेर्गाद्र सक्षम प्राधिकारी सहाथक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलोर

तारीख 12-3-1981 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायु**क्**त **(निरीक्षण)**

अर्जन रेंज I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 श्रप्रैल 1981

निदेश सं० ए०श्रार०-1/4450-23/80-81—-श्रतः भुझे, सुधाकर वर्मा,

श्रीयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 कर 43) (जिसे इसमें इसके पद्मचात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं ल्यु सर्वे तं पार्ट आफ 7298/डि० 2/7298 ग्रौर सी एस व नं 427 है तथा जो मलबार ग्रौर सांवाल हिल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 12-8-80, विलेख सं बम्बई 3513/79 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृगानान प्रतिफत ने, ऐते दृश्यमान प्रतिफत के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक छव से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनयम के ग्रिधीन कर देन के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य प्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः प्रबं, उ∗त श्रवितियम, की धारा 269-ग के श्रत्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिय्यों, अर्थात् ३1. मिसेस टेमीना के० करजीया

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) महेश भाई वेनीलाल जरीवाला
 - (2) दिलीप भाई वेनीनाल गांधी म्रलीयास जरीवाला
 - (3) किरीट भाई वेनीलाल जरीवाला,
 - (4) सतीश भाई थेनीलाल जरीवाला
 - (5) केतनकुमार एम० जरीवाला
 - (6) सौनककुमार एम० जरीवाला

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **अजन क** लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राजीप :--

- (क) इन तूबना के राजाज में प्रकागन की नारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन जो नारीख म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अभ्य व्यक्ति कारा, प्रधोहस्ताझरी के पाम निद्धित में किए जा सकेंगे।

स्राध्टोकरगः -- इतनं प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जी उक्त मधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैनाकि विलेख संख्या नं० 2513/79 उप रजिस्ट्रार ग्रिंधकारी द्वारा दिनांक 6-8-1980 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> सुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज I, बम्बई

तारीज: 2-4-81

प्रकष भाई। टी। एन। एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 श्रप्रैल, 1981

निदेश सं० ए०म्रार०-ा∏/ए०पी०-363/80-81—म्रतः, मुझे, सुधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- ए० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० नं० 48(पार्ट) 3, सी०टी ०एस० नं० 112 है, तथा जो विलेज तीगवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ म्रनुसूची में ग्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्राधीन दिनांक 20-8-80 विलेख नं० *7*50/78 कोप्बींक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूह्य से कम के वृश्यमान प्रिविफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का डिचित बाजार मूल्य बसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी झन या भग्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर ग्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर भिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री एम० एम० एडके

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स लारसन एंड टुबो लिमिटेड

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति **के वर्ज**न **के लिए** कायंबाहियां करता है।

उन्न सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप।---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की ग्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पक्ति में हितबद किसी अन्य व्यानेत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्यऽद्योकरणः ⊶-इमन्ने प्रयुक्त गढदीं ओर पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के यहनाय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय भें दिया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० 750/78 उप रजिस्ट्रार भ्रधिकारी द्वारा दिनांक 20-8-1980 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> मुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, बम्बई

तारीख 2-4-1981 मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज III बम्बई,
बम्बई, दिनांक 2 श्रप्रैल 1981

सं० ए० प्रार० III/प्रो० पी० 362/80-81:—-प्रतः मुझे, सुधाकर वर्मा,

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसुका उपित, बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० एस० नं० 232 प्लाट नं० 29 है तथा जो मुलुंड में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6-8-80 विलेख नं० 869/79 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिभल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिभल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिभल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः— 1. श्री भास्कर विषवनाथ नाडकणीं

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स निमल बिल्डर्स

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीकु से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति इ्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासु लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन संची

ग्रनुसुची जैसा कि विलेख संख्या नं एस । 869/79 उपरजिस्ट्रार ग्रिधिकारी द्वारा दिनांक 6-8-80 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सुघा रक वर्मा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-रींा, बम्बई

विनांक 2-4-81 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-

अरथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 ग्रप्रैल, 1981

निदेश सं० ए० ग्रार०-II/3026-11/ग्रागस्ट 80:---ग्रतः मुझे, सन्तोष दत्ता

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपित्त जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० एस० न० 57 हि०नं० 2 ग्रौर 4 सी० टि० एस० नं० 637 हैं तथा जो विलेपार्ले (पूर्व) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27-8-80,

को प्रजॉक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधित् ा--12—46GI/81

1. श्री पंचानन पी० सरबटे

(भ्रन्तरक)

- 2. पार्ले पर्स को० म्ना० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- 3. सलग्न ग्रनुसूची के ग्रनुसार
 - 1. श्री ग्रार० एस० देवधर
 - 2. श्री एम० डी० देसाई
 - 3. श्रीपी० जी हलवे
 - 4. मिसेस एन० एम० बोरकर
 - 5. श्री एम० एच० पेठे
 - 6. श्री पी० एन० गोडसे
 - 7. श्री प्रार० एस प्राटे
 - 8. श्री व्हि॰ एन॰ कुलकर्णी
 - 9. मिसेस एस० ग्रार० देसाई
 - 10. डा० ए० जी० जाघव
 - 11. श्री एस० डी० कामत
 - 12. श्री पी० जी० चव्हाण
 - 13. श्री व्ही० जे० बापट
 - 14. श्री ग्रार० ए० कुलकर्णी
 - 15. श्री ए० ई० नरसाले
 - 16. श्री व्ही० एम० जोशी
 - 17. मिसेस एस० व्ही० वाघोलीकर
 - 18. श्री ए० ए० पानसे

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख न० एस० 944/79 बम्बई उपरिजस्ट्रार श्रिधिकारी द्वारा दिनांक 27-8-1980 को राजस्टर्ड किया गया है।

सन्तोष दत्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण,

दिनांक : 2-4-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर ग्रविनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 श्रप्रैल, 1981

निदेश सं० ए० ग्रार०-I/4462-35/80-81:—-ग्रतः मुझे, सुधाकर वर्मा,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/→ रुपये से ग्रधिक हैं और जिसकी सं० सी० एस० न० 1603 श्राफ मायखाला डिवोजन हैं तथा जो मायखाला डिवीजन में स्थित हैं (ग्रौर इस उगाबद ग्रनुमूचो में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीक कर्त्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 28-8-1980 विलेख नं० 1238/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यभान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिवत बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से। ऐसे दृष्यमान प्रतिफल है। ऐसे दृष्यमान प्रतिफल है। धौर अगरक (प्रतिस्कों) ग्रीर प्रग्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरम के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छड़ेग्य से उक्त प्रग्तरग निक्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; खौर/वा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या प्रश्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अतः, उका प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उकत ग्रिंशिनयम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीतः⊸~

- 1. श्री सोहराब (सोली) जहांगीर मदन (ग्रन्तरक)
- 2. 1. रेशम बाला एच० रिशद ग्रहमद (2) रेशम बाला याकुब ग्रहमद 3. सैय्यद मुहम्मद हसन (4) रसीकलाल प्राण लाल शाहा (ग्रन्तरिती)
- (1) श्री वाई० ए० रेणमवाला (2) मिसेस
 ए० ए० बिलीमीरिया (3) फर्रमरोझ मदन
 (4) योगम (5) मि० नायर

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पक्ति हैं।)

4. (1) फरमरोझ इंदुलजी मदन (2) छा० जमगोद के० मदन

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के खिए कार्यवाहियां करता हूं।

चनत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की श्रविधा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत धर्षि-नियम के ध्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में विया गया है।

अनुसूची

श्रनुसुची जैसा कि विलेख संख्या नं० बम्बई 1238/80 उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 28-8-80 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सुधाकर वर्मा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रैंज- बस्बई।

दिनांक : 4-4-1981

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.----

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अप्रैल 1981

मं० ए० ग्रार०-I /4443-16/80-81:—ग्रतः मुझे, मुझे सुधाकर वर्मा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 1012, फोर्ट डिवीजन है तथा जो बाजार गेट स्ट्रीट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 18-8-80,

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः क्षतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :--

- 1. श्री लीलाधर नरोत्तम (2) श्रीमती केसरबाई वाइफ आफ लीलाधर (3) कु० इला लीलाधर
 - (4) चेतन लीलाधर (5) बिपीन लीलाधर (6) श्राम लीलाधर

(भ्रन्तरक)

2. श्री देवचन्द्र भिमशी मोटा

(भ्रन्तरिती)

3. (1) खिमजी जीवराज गाला (2) देवचन्द भिमशी मोटा (3) मोहन लाल भिमशी मोटा (4) मुलजी रतनशी गाला (5) मोहन लाल भिमशी (6) खिमजी जीवराज गाला।

> (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिएं कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिश्लेषत हु⁵, यही अर्थ होगा औं उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

ग्रनुसुची जैसा कि विलेख नं० बम्बई 1554 178 उप-रजिस्ट्रार ग्रधिकारी द्वारा विनांक 18-8-80 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

नारीख: 4-4-81

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अगलौर का कार्यालय अंगलोर, दिनांक 7 श्रक्तुबर, 1980

निर्देश सं० 294/80-81—यतः मुझे, श्रा० थोथाद्रि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसी स० सि० टि० एस० नं० 4 ए/2 बी श्रार० एस० नं० 87/2बी/2/1 है, जो भारति नगर, सप्नापुर, धारवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है)रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, धारवाड़ श्रंडर डाकुमेंट नबर 939 दिनांक 30-8-1980 में भरतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 30-8-1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान श्रिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण हिल्लित में वास्त्रिक रूप से कृत्यत्व नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आहर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्ति व्यक्तियों, अधीत् ध- श्री ग्रार० बि० उदयावर एल० भ्राई० सि० डिविसनल श्राफीस उडिपि० । (श्रन्तरक)

- डा० सि० घ्रेन० श्रीनिवासन
 "गणेश कृपा" भारत नगर, सप्तापुर धारवाड़ ।
 (ग्रन्तरिती)
- श्रो/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षमोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्री/श्रोमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

खुला जगह ग्रीर बिल्डिंग जिसका नम्बर है सि० टि० एस० 4 U/2बी ग्रीर ार० एस० नम्बर 87/2बी/2/1 जो भारति नगर, सप्तापुर, धारवाड़, में स्थित है ।

ह०/-(श्रार० योषाद्रि) (सक्षम श्रविकारी) सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षक) श्रर्जन रेंज, वगलौर

दिनांक 7-10-1980 मोहर : प्रकप आई+ टी+ एन+ एस+-

धायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बेंगलीर

बेंगलौर, दिनांक 26 दिसम्बर 1980

निर्देश स० 305/80-81 → यतः मुझे, ग्रार. थोथाद्रि, आयकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्राधिनियम' कहा गया है), की भ्रारा 269-ख के ग्राधीन सक्तम श्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्राधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मुनसिपल ग्रसेसमेंट नंबर 576/413/558/ 351/(नया) है, जो गांधी बजार, शिमोगा, में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भनुसुसी में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिज-स्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, शिमोगा ग्रंडर डाक्यूमेंट नंबर 2484 दिनांक 13-10-1980 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रध-नियम 1908 (1908 का 16) के प्राधीन दिनांक को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य कम के पुत्रयमान प्रतिफल के लिए अस्तरित गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तत अस्तरण लिखित में नास्तविक कर्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरग से हुई किसी आय की बाबत सकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे वचने मे सुविधा के सिए। धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या घनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

अतः, अव, उक्त प्रक्रिक्य की धारा 269-म के बनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की एक्यारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री रामस्या का पुत्र श्री एच० ग्रार० नागराज शेट्टि (2) श्री एच० नंजुंडाघाराजा शेट्टि (3) कुमारी एच० एन० श्रीलक्ष्मि० (4) श्री एच० एन० शशि-घर द्वारा मेसर्स एच० नंजुंडप्पा रामस्या श्रीर पुत्र जनरल मर्चेट गांधी बाजार शिमोगा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एच० रामस्या का पुत्र श्री एच० ग्रार० ग्रनंत शेट्टि द्वारा मेसर्स एच० नंजुंडप्पा रामस्या श्रीर पुत्र जनरल मर्चेंट, गांधी बाजार श्रिमोगा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के मर्जन के लिये लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माझेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढटी हरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उनत श्रीधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं श्रयं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

शिमोगा के गान्धी बाजार में स्थित इमारत (भूमि सहित) जिसका मुनसिपल श्रसेसमेंट नंबर है 576/413/558/351 (नया) है।

ग्रार० थोथाद्रि सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बेंगलोर

दिनांक: 26-12-1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०

शायकर जिम्मिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगलौर

बेंगलौर, दिनांक, 26 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० 308/80-81—यतः मुझे, श्रार० थोथाद्रि बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० प्लाट न० 1, ल्यांड रिजस्ट्रेणन नंबर 27 है, जो तेलिगावो, इल्हास, गोवा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इल्हास, गोवा श्रंडर डाक्युमेंट नंबर 257 दिनांक 23-8-1980 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास ब.रनं का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) श्री सीतारांम विश्राम पोरबो नाशिनोहकर
- (2) श्री विश्राम सीताराम पोरबो नाशिनोल्कर
- (3) श्रीमंती पार्वतिबाई विश्राम नाशिनोल्कर
- (4) श्री शीतल सीताराम नाशिनोल्कर
- (5) श्रीमती शांता शीतल नाशिनोल्कर
- (6) श्री गोपाला पोरबो नाशिनोल्कर
- (7) श्रीमती प्रमिलाबाई गोपाल नाशिनोल्कर
- (8) डा० रघुंनाथ विश्वाम पोरबो नाशिनोल्कर
- (9) श्रीमती इंदिराबाई रघुनाथ नाशिनोल्कर सांताऋज, पणजि, गोवा.

(अन्तरक)

(2) श्री गणेश राव, मालीक : "मांडिव श्रैस प्लयांट" घर नंबर 499, होलियडोरो सल्गाडो रोड, कर्नाटक ब्यांक के पास, पणजि.

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रमा

गोवा डिस्ट्रिक्ट, इल्हास तालूक तेलिगाश्रो में स्थित 1067.80 स्क्वेयर मीटर खुला जगह जिसका त्यांड रजिस्ट्रेशन नंबर है 27 श्रीर प्लाट नंबर है 1.

म्रार० थो द्रि सक्षम म्रधिकारी सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, **बेंगलो**र

दिनांक: 26-12-1980

प्ररूप आही. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बगलौर

बेंगलीर, दिनांक 26 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० 309/80-81—यतः मुझे, श्रार० थोथाद्रि, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० डोर न० 235/1,2.3,हैं, जो पि० बि० रोड, डावणगरे में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकरणकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, डावणगरे श्रंडर डाक्युमेंट नंबर 2202 दिनांक 30-8-1980 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन : 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक इप से कथित नहीं किया गया हैं।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्र/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म⁴. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निम्मसिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) (1) श्री टि॰ एम॰ पंचक्षरय्या का पुन्न श्री टि॰ एम॰ चंद्रशेकराय्या,
 - (2) श्री टि० एम० फ़ब्रशेकरस्या की परिन श्रीमती समगलादेवी.
 - (3) श्री टि० एम० चंद्रशेकरय्याका पुत्र श्री पंचा-क्षरय्याः
 - (4) श्री टि॰ एम॰ चंद्रशेकरय्या का पुत्न श्री प्रेम-कुमार उर्फ प्रेमनाथ डोर नं॰ 158 पि॰ जे॰ बडाव, डावणगेरे। (ग्रन्तरक)
- (2) कृष्णा इंजीनियरिंग वर्क्स, पि० बि० रोड, डावणगरे, इसके भागीदार
 - (1) श्री एस० वि० जाधव
 - (2) श्री ग्रार० एस० जाघव
 - (3) श्री एन० एस० जाधव.
 - (4) श्रीमती सुसिलाबाइ जायवः (ग्रन्तरिती)
- (3) मार्लिक "ताजमहल होटेल" पि० बि० रोड, डोर नंगर 235 डावणगेरे
 - (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्कीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंदों को, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पि० बि० रोड, डावणगेरे में स्तिय 781 स्क्वेर मीटर जगह (ग्रस्थायी इमारत छोड़कर) जिसका डोर नंबर है 235/1, 2. 3.

> (ग्रार० थोथाद्रि) सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलौर

दिनांक : 26-12-1980

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज , बेंगलीर

बंगलौर, दिनांक 15 जनवरी, 1981

निर्देश सं० 310/80-81—यतः मुझे, ग्रार० थोथाद्रि, आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की झारा 269-ख के मन्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है जि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से मिनिक है

श्रौर जिस सं० सैट नंगर 81 है, जो कलराज श्ररस रोड, शिमोगा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त श्रिधकारी के कार्यालय, शिमोगा श्रंडर ग्रंडर डाक्यूमेंट नंबर 2431 दिनांक 6-10-1980 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन :

1980
को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत म प्रधिक है और यह कि प्रन्तरक (ग्रन्तरकों)
और पन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण
लिखित में बास्तविक इप से किंबत नहीं किया क्या है:—

- (क) घन्तरण से हुई किसी भाय. की बाबत उक्त श्रिष्ठिनयम के श्रिष्ठीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या छससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसो हिसो आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अक्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा कियाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के समुसरन नें, में, उस्त अधिनियम की बारा 269-ग की उपसारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास्।--- श्री करीमसाबु का पुत्र भन्दुल गकारसाबु बलराज श्ररस रोड, शिमोगा

(भ्रन्तरक)

 श्री एन० के० वानप्पा, सेक्रेटरी तरलबाध जगदगुरु विद्यर्थी निलय शिमोगा .

(भ्रन्तरिती)

- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जनाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भरताहुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसर्मे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'खक्त श्रध-नियम', के शब्दाय 20-क में परिचावित हैं, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया नया है ।

अनुसूची

बलरास ग्ररस रोड, शिमोगा में सैट नंगर 81 में स्तिथ जगह ग्रौर बिल्डिंग

> (श्रार० थोथाद्रि) चेक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलोर

दिनांक 15-1-81 मोहर:

प्रस्प पाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की झारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलीर

वेंगलौर, दिनांक 15 जनवरी 1981

निर्देश सं० 311/80-81—यतः मुझे, आर० थोथादि, सायकर मिस्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्रममें इसके पश्चात् 'उनत अक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्सम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मिश्वक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नंबर 910, मेट्रिज नंबर 1491 श्रीर 330 है, जो बैरो, अगुड्डि, मापुसा-बार्डेप, गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, मापुसा, गोवा श्रंडर डाक्स्यू मेंट नंबर 742/वाल्यूम नंबर 148 दिनांक 6-8-1980 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1980 को पृथोकत सम्पत्ति के चित्रत बाजार भूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अग्तरिती (प्रश्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में अस्तिक रूप से कियन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

जतः जन, उक्त जीभीन्यम, की धारा 269-ग के जनुसरण जैं, मैं, उक्त जिथिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जभीन. निम्नसिजित व्यक्तियों अर्थात्:—
13—46GI/81

- (1) डा० ग्रलावीरो बेरोल्हो
 - (2) श्रीमती मारिया सेलिना रेगिना डे पियदाडे डैस सौझा बैंथेल्हो पोर्तुगिस इस्ट झफिका, प्रतिनिधि, श्रिभिकर्ता पाल झनिता डायस डिसौजा, डोना पौल, पणजि, गोवा.

(घन्तरक)

(2) श्री दन्तप्रसाद श्रनंत कामत चर्च ब्यीह बिल्डिंग, पणजि, गोवा.

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्स्यक्षी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृतांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुपूची

मापुसा-बार्डेज तालूक, श्रंगुडि, बैरो में स्थित जगह और बिल्डिंग जिसका सर्वे नंबर है 910 स्रीर मेट्रिज नंबर है 1491 स्रीर 3330.

> न्नार० योथाद्रि सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बेंगलौर

दिनांक: 15-1-1981

प्ररूप आई².टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 फरवरी 1981 निर्देण सं० 312/80-81—ग्रतः, मुझे, श्रार० थोथाद्रि,

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (णिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सि० टी० एस० नंबर 2041/17 है, जो गर्णपतिगल्लि, बेंगलूम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय बेलगम अंडर डाक्यूमेंट नंबर 2006 दिनांक 5-9-1980 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिवयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहू प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्सरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या इक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियय की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थातः-- (1) श्री रमेश रामराव नरगुंदत्तर, एम-८, लजपतनगर-III, देहलि, द्वारा श्रमिकत्नीपत श्री रत्नाकर रामराव नरगुंदकर, 3360, गोदंलि गल्लि, बेंलगम,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गोविदराव श्रवाजिराव सार्वत (2) श्री वालिकप्ण शिवाजिराव सार्वत 217, तहभीलदार गलि, बेंलगम,

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

गणपति गल्लि, बेलगम में स्थित 137.15 स्ववायर मीटर जगह ग्रौर बिल्डिंग सहित जिसका सि० टी० नं० है 2041/17

> ग्रार० थोथाब्रि सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 3-2-1981

प्रकृष प्रार्व ही । एन । एस ।

अस्यकर अधितित्य, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 फरवरी 1981

निदेश सं० 313/80-81—ग्रतः मुझे, श्रार० थोंधाद्रि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- क० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० नंबर 1363/1ए है, जो सवाणिवनगर, बेलगम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर
पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय
बेगलम अंडर डाकुमेंट सं० 2465, में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 23-10-80 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजिस बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल
के लिए श्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) धौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उबत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुिधा के लिए;

अतः अवः उक्त श्रविनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, प्रथीत :--- श्रीमती रिक्मिण बाई, गोपाल भोसले सदाशिव नगर, बेलगम ।

(ग्रंतरक)

- 2. (1) श्री मनोहर लक्ष्मण सावंत थर्ड लेंन, शिवाजि नगर, बेलगम
 - (2) श्री बसवेश्वर येल्लप्पा, जाडगि धर नं 1363/1, कुलबाग गल्लि, बेलगम (मन्तरिती)

को यह स्वना नारी करते पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, भी भी भवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ता अरी के पास लिखित में किय जा करेंथे।

स्पष्टीकरण: --इपर्वे चर्का जरूदों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं धर्च होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

सदाणिय नगर, बेलगम में स्थित जगह और बिल्डिंग जिसका श्रार० एस० नं० 1363/1ए है।

म्रार० थोथाद्रि सक्षम प्राधिकारी संहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलर

ता**रीख 3-2-1981** मोहर:

प्ररूप आर्च . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, विनांक 3 फरवरी 1981

निवेश सं० 314/80-81—यतः मुझे ग्रार० थोषाद्रि आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सि०टी० एस० नंबर 819, है, जो टैपिल रोड, बेगलोर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेगलोर (डाकुमेंट सं० 918) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-10-80

करें पूर्वोक्त संपत्ति के उष्युत बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों अधीतः—— श्री बी० एन० सुन्दराज मुद्दलियार का पुत्र श्री बी० एस० राजन, धर नं० 196, थर्ड मेन, 4, ब्लाक, राजाजिनगर, बंगलीर।

(ग्रन्तरक)

 श्री बांके शिवराम बारंबल्ली का पुत्र डाक्टर हरिनारायण बारंबिल्ल, बारंबिल्ल, क्लीनिक, बैंग्लूर। (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सर्वोगे।

स्युष्यक्तिरणः -- इसमे प्रयुक्त सन्धां और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

टेंपिल रोड, बेंगलोर में स्थित जगह और बिल्डिंग जिसका सी०टी० एस० नंबर, 819 है।

> श्रार० थोथादि सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलोर

तारीख 3-2-1981 मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलोर

बेंगलार, विनांक 3 फरवरी 1981

निवेश सं० 316/80-81—यतः मुझे, ग्रार० थोथाद्रि, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीत स्तान प्रधिकारी को, यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थान एक में जिन्न का उचित वाजार मूल्य 25,000/- द० में अधिक है

भौर जिसकी सं० सि० टि० एस० नंबर, 172 है, जो राजेन्द्र नगर, हावेरि

में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय कार्वेरि (ग्रंडर डाकुमेंट सं० 626) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908) के अधीन दिनांक 3-10-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिकत के निण् भन्तरित की गई है और मुने यह विश्वाम करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पश्चह प्रतिगत यशिक है और यन्तरक (भन्तरकों) और यन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बोब ऐने पन्तरण है निण् तय गाया गया प्रतिकत, निम्तिविद्या उद्देश में उस्तिकि क्या से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आप कि बाबत, उबत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/पा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए,

ग्रतः ग्रम, उन्त मधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उन्त ग्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित गान्तियों अर्थात् :-

- श्री किकरप्पा, नावरे की पहिन बसब्ब बेगलोर, तालूक ब्याडिंग, जिल्ला धारवाड़ । (भ्रन्तरक)
- श्री वसवराज सिद्धप्पा माणिगेर, सहायक कृषि अधिकारी भूमि संरक्षण, व्याडगि, डिस्ट्रिक्ट, धारवाड़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **मर्जन के लिए** कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचता की तामील में 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा मर्कोंगे।

स्पडटीकरण:—इसमें प्रयुक्त मान्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के भड़्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजेन्द्र नगर, हावेरि में स्थित जगह और बिल्डिंग जिसका सि० टि० एस० नं० है, 172।

> ग्रार० थोथाद्रि सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख 3-2-1981 मोहर:

प्रकृप धार्वे शी इन एव•-----

प्रायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

हार्या रेय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, बेंगलोर

बेगलोर, दिनांक 12 मार्च, 1981

निदेश सं० 317/80-81--यतः मुझे भ्रार० थीथाद्रि ब्रायहर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके पत्रवात 'उका प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 289-ख के अप्रीत रक्षन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 19/11, मैद्रिज नं० 63 है जो डवोलिम विलेज, तालूक सालसेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रौर जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय सालसेट (भंडर काक्य्मेंट नंबर, 119/492) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के श्रधीन दिनांक 6-8-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दश्यमान प्रतिफात के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मूह्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकान का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है मौर भन्तरक (भन्तरकों) भ्रीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तब वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरम निश्चित में बास्तविक रूप से कणित किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरतीं व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, जनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम को भाग 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, नुर्धातः-

- (1) श्री ओकिम विगराडो
- $\stackrel{\cdot}{(2)}$ श्रीमती लृसि किगराडो,
- (3) वाल्टर क्गिराडो
- (े4) लसिया किंगराडो
- (5) सेलजा किंगराडो
- (9) भ्रलान किंगराडो
- (7) हेलेन किंगराडो
- (8) मालेन कर्नान्डिस
- (9) ग्रालबर्ट फर्नाडिस
- (10) जोसेफ किराडो
- (11) बर्टा राकगडो
- (12) विकटर किंगराडो
- (13) स्यालि किंगराडो
- (14) हेलेन डि पियदाडे कोलयाको किगराडो
- (15) मेहिचन किगराखो
- (19) सूझेट किंगराडो

नंबर, 15 श्रीर 19 बम्बई, के निवासि, इन सबके प्रतिनिधि डाक्टर नोर्मन केमियन पेरेरा, मार्गोबा, गोवा (अन्तरक)

विकास एंटरप्राइसिस
 केयर श्राफः श्री वामोदर वि० घोडगे,
 न्यू मार्केट, मार्गोवा, गोवा । (श्रन्तरिती)

भी यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब् से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

मार्गीवा तालूक डवोलिंम विलेज, में स्थित 14754-32 स्क्वायर मीटर खुला जगह जिसका नाम है "कितुबोना प्रलैस 'पान', जिसका रेक्यूल्यि सर्वे नंम्बर है, 19/11, ग्रौर मैंट्रिज नंबर है, 63 ।

ग्रार० थोथादि सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगसूर

तारीख: 12-3-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 12 मार्च 1981

निदेश सं० 318/80-81—यत. मुझे श्रार० योथाद्रि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मेड्रिज नम्बर, 2425, चलता नबर 81 है, जो बोर्डा, ताल्लूक मार्गोवा, गोवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सालसेट गोवा, (ग्रंडर डाक्यूमेंट नंबर 716/448) है, में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 19) के ग्रिधीन दिनांक 30-8-1981

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमाल प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्स संपरित का उचित दाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अन्तः अन्त, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थातः--

- 1. श्री बाबू राव नारायण केरकर,
 - (2) श्रीमती संगीता बाब्राव केरकर मार्गोवा गोवा ।

(भ्रन्तरक)

 मैसर्स रावल बिल्डिंग्स द्वारा भागीदार श्री सकाराम रामा रावल, नवोलिंम डोंगरि, मार्गीवा, गोवा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोवस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गोवा डिस्ट्रिक्ट, मार्गोवा ताल्क बोर्ड में स्थित 1285 स्क्वियर मीटर खुला जगह जिसका मेट्रिज नबर है 2445 और चलता नंबर है 81 ।

श्रार० योथाद्रि सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलोर

तारीक 12-3-1981 मोहर:

प्रकप धाई • टी • एन • एस •---

पायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की प्रारा 269-घ (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 12 मार्च, 1981

निवेश सं० 320/80-81—-यतः मुझे ग्रार० थोथादि भायकर ग्रिविनयम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त ग्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ज के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रिविक है ग्रीर जिसकी सं० एम० एच० नंवर 317/ए, ग्रीर 317/बी, है जो चावडि गल्लि, बेलगम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में भ्रीर जो पूर्ण ह से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेलगम (ग्रडर डाक्यूमेन्ट नं० 2570), में रजिस्ट्रीकरण ग्रिविनयम, 1908 (1908 का 19) के ग्रिधीन दिनांक 3-11-1980 में

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उवित वाजार मृत्य से कम के इण्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की मई है और मुने पह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाझार मूह्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है भोर अस्तरक (प्रन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अस्तरण विकित में वास्तिक कप से अधिक नहीं किया नया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियन के ब्रधीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या मन्य घास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत घघिनियम, या घनकर घघिनियम, या घनकर घघिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः थव, धन्तः पश्चिनियम की बारा 269-य के समुसरण में, मैं, उनतः प्रक्षिनियम की बारा 269-य की उपबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. (1') श्री विष्णु रामा टोपगि
 - (2) श्री नारायण रामा टोपगि
 - (3) श्री क्रिष्ण रामा टोपगि
 - (4) श्री शकर रामा टोपगि एम० एच० नं० 317/ए श्रीर बी, चायडिगल्लि, बडगांव, बेलगम ।

(भ्रन्तरक)

 श्री बाबू विष्णु टोपिंग एम० एच० नंबर, 317/ए, भौरबी, चावडि गल्लि, वडगांव, बेलगम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वीश्त मध्यति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इन मूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को मनिध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य स्थक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताक्षरो के पास लिखित में किए जा सक्तें।

स्पब्टीकरण:—-इसमें प्रयक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त धिवित्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही प्रयंहोगा जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेलगम ताल्लूक वडगांव के चावडि गल्ली, में स्थित बिल्डिंग (जगह सहित) जिसका एम० एच० नं० है 317/ए, ग्रौर 317/बी।

> म्रार० थोषादि सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बेंगलुर

तारीख: 12-3-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलोर

बेगलोर, दिनांक 12 मार्च 1981

निवेश सं० 321/80-81—यतः मुझे ग्रार० थोषाद्रि, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट न० 12 है, जो सुपर मार्केट, गुलबर्गा, में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुभूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुलवर्गा, (भंडर डाक्युमेंट नं० 2481) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के श्रीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किमालिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक स्प से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसो आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री सिद्य्या मेलापुर की पत्नी श्रीमती गोदावरिवाई, श्रसिक गज, गुलबर्गा।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री गणपतराव क्रिष्माथ पवार
 - (2) श्री मारुति क्विष्णनाथ पवार
 - (3) श्री रमाकान्त क्रिष्णनाथ पवार स्विस इंडिया वाच कंपनि, कोर्ट रोड, गुलवर्गा। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वही श्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुलवर्गा के मेन रोड, सुपर मार्केट ले ग्रीह में स्थित 111.52 स्क्वायर मीटरखुला जगह जिसका प्लाट नं० 12 है।

> ग्रार० योषाद्रि सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलोर

तारीख: 12-3-1981

प्ररूप आइ².टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 12 मार्च 1981

निदेश स० 322/80-81—यतः मुझे श्रार० थोथाद्रि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि तथावर सम्पति, जिसका उवित दाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी प्लाट नं० 1, है, है, ज आक्रेम सहटो, मार्गोवा में स्थित है (स्रौर इससे उपावढ़ अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सालमेट (स्रंडर डाकुमेंन्ट नंबर 236) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 3-9-1980

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ल किन निम्नितियां विद्यार्थ से उनत अन्तर्भ निम्नित्त के अन्तर्भ से दश्य से दिश्य से दिश्य से दिश्य से दिश्य से दश्य से दश्य से दश्य नहीं दिया गया है:--

- (a) अलगण में हुई किसी अप ही दायत, उव अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके दचने भे स्थित के लिए: और/या
- (स) एंमी किसी आय या किसी धन सा अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, राध्यन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिज्याने में स्विधा को लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों अर्थात्:--

- 1. (1) श्री अनंत बाला किशना नाइक
 - (2) श्रीमती सरस्वति ग्रनंत नाईक स्तेह सदन, एन० गमाडिया मार्ग, बम्बई-400 026

(ग्रन्तरक)

 श्री गणेश मुकुन्द सेठ दैवल चार्टर्ड एकाउन्टैन्ट, सुकदो बिल्डिंग, मार्गोवा, गोवा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशान;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्मची

गोवा डिस्ट्रिक्ट, मार्गोवा तालूक ग्राकेम ग्रन्टो में स्थित 1237.50 स्क्वायर मीटर खुला जगह जिसका प्लाट नम्बर 1 है।

> न्नार० थोथाद्रि सक्षम प्राधिकारी सहायक न्नायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बंगलोर

तारीख: 12-3-1981

प्रकृष **भाई।** हो र एते **। एत**ा----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269म (1) के मधीन सूचना

भारत परकार

कार्यालय, सहात्रक आयकर अध्यक्त (निरीक्षण)

कार्यालय ग्रहमदाबाद, ग्रर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद, दिनांक 7 मार्च, 1981

निदेश भार० नं० 1086/ए वी---23-॥/80-81, श्रतः मुझे एस० सी० सबसेना,

आयक्तर अधिनिषम, 1361 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियत' कहा गया है), की धारा 269% के अजीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजिन बाजार मूल्य 25,000/-र• से अधिक है

भौर जिसकी सं नोद नं 1979, सेतान फालिया, है । तथा जो गोपीपुरा, सूरत में स्थित है है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 18-8-80 की

पूर्वाक्त संपत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त नगति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐंगे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ है पितशत अधिक है भीर अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से खबत धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कार नहीं किया गमा है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप को बाबा, उक्त अधि-नियन, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे जनने में सुविधा क लिए; और या
- (ख) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय ध्रायकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

प्रसः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की खपधारा (1) के अधीन. निम्नितिक्कित क्यनित्थों धर्यात :---

(1) श्री सानतप्रसाद चमपकलाल, राजीव सानतप्रसाव, दोनों निवासी 8/1979, सेतान फालिया गोपीपुरा 1, सूरत ।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री (1) बाबु भाई (त्रिभुवनधास, चोकावालागोरी, वाडी फलिया, सुरत ।
 - (2) श्री मोहनलाल त्रिभुवनदास, चोकावालाणेरी, वाडी फलिया, सुरत
 - (3) श्री चगनलाल तिभुवनदास चोकावालागोरी, वाडी फलिया, सुरत

(ग्रन्तरिती)

को पद् सूचना अगरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपक्ति के अर्जन के भवंध म काई है। जाक्षेप 🛶

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर रूचना की तामीन से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन को तारी कर्म 45 विन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवड़ किसी अन्य व्यक्ति धारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे

स्पट्टीकरण: ---- इ.में प्रयुक्त गव्दों सोरपातें का, का उसा विधान तम के अडलार 20-क से परिमाणित हैं. वहीं अर्थ होगा को उस अडपाप में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोद नं० 1979 वार्ड नं० 8, सेतानफलिया, गोपिपुरा, सूरत में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीखा 18-8-1980 में रजिस्ट्री की गई है।

> एस० सी० सक्सेना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IJ, श्रह्मदादाद

दिनाक 7-3-1981 मोहर :

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 7th April 1981

No. 1.21021/43/80-Pers.IV (Vol.II).—The President is pleased to appoint Shri K. Ramamurti, IPS (TN. 1949) IG (HQrs) BSF to hold charge of the post of Director General, Border Security Force with effect from 1-12-1980 and also to hold charge of the post of IG. ITBP w.c.t. 22-12-1980 in addition to his substantive charge, till 31st January, 1981.

NARENDAR PRASAD Director (P)

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R., CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the

April 1981

No. S-3/70-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Srivastava, Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment on promotion as Senior Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment on ad-hoc basis for a period of 6 (six) months, with effect from the forenoon of 25-3-81 or till a regular appointee becomes available, whichever is earlier.

The 8th April 1981

No. A-58/67-Ad.V.—Shri Anand Sarup, Dy. Legal Adviser, Central Bureau of Investigation, New Delhi on attaining the age of 58 years retired from Government service with effect from 28-2-81 (A.N.).

No. R/9/70/Ad.V.—The services of Shri R. L. Bajaj, Dy. Supdt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Delhi Police, were placed back at the disposal of Delhi Police with effect from 31-3-1981 (Afternoon).

No. H-9/74/Ad.V.—The services of Shti H. K. L. Dewan, Dy. Supdt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Haryana Police were placed back at the disposal of Haryana State with effect from 31-3-1981 (Afternoon).

No. A-19026/3/75-Ad-V.—The services of Shri D. M. Rao, Dy. Supdt. of Police/CBI are placed at the disposal of Burcau of Police Research and Development with effect from 31-3-81 (Afternoon) for appointment as Dy. Supdt. of the Police (Instructor) in the Central Detective Training School, Hyderabad on deputation.

Q. L. GROVER
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

OFFICE OF THE REGISTRAR GENTRAL, INDIA

New Delhi, the 10th April 1981

No. 10/41/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint, on deputation, Shri V. Srinivasan, an Officer belonging to the Grade II of the Indian Statistical Services, as Assistant Registrar General in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, on a purely temporary and ad-hoc basis, with effect from the afternoon of the 3rd April, 1981 for a period not exceeding one year, or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Srinivasan will be at New Delhi.

The 14th April 1981

No. 11/34/79-Ad. I.—The President is pleased to extend the period of ad-hoc appointments of the under-mentiined Office Superintendents as Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations as mentioned against them, on the existing terms and conditions, upto the

31st August, 1981 or till the posts are filled on a regular basis, whichever period is shorter:—

S. No	Name of the officer		office of the DCO	Previous Reference No. & Date
1	2	_	3	4
1.	Shri S.B. Veerabhadra Rao		Arunachal Pradesh	RG's Noti- fication No. 11/34/79-Ad. I dated 15-1-1981
2.	Shri M.R. Dahri		Madhya Pradesh	Do.
3.	Shri A.S. Asghar	•	Jammu & Kashmir	Do,
4.	Shri P.D. Pradhan		Manipur	Do.
5.	Shri R.C. Chandnani		Rajasthan	Do.

2. The headquarters of S/Shri Rao, Dahri, Asghar, Pradhan and Chandnani will be at Shillong, Bhopal, Srinagar, Imphal and Jaipur respectively.

P. PADMANABHA Registrar General, India

DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS

LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

Mussooric, the 3rd March 1981

No. 2/46/75-EST.—In continuation of this office Notification of even number dated 24th October, 1980, the Director is pleased to extend the od-hoc appointment of Shri K. C. Saxena as Librarian for a further period of six months with effect from 15-4-1981 or till a regular appointment is made, whichever is earlier.

S. S. RIZVI Deputy Director (Sr.)

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF E. A.) CURRENCY NOTE PRESS

Nasik Road, the 4th April 1981

No. 2230/A.—In continuation of I.S.P. Notification No. 1222/A dated 25-2-1980, the undersigned is pleased to sanction the continued appointment of Shri A. V. Subramanian, Accounts Officer, Office of the Divisional Engineer Telegraphs. Solapur, as Accounts Officer, Currency Note Press, Nasik Road, on deputation basis for a further period of one year w.c.f. 13-2-1981 on the same terms and conditions.

S. D. IDGUNJI General Manager

MINISTRY OF DEFENCE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700069, the 6th April 1981

No. 2/81/A/M.—The President is pleased to delete all entries in respect of Dr. S. C. Naskar, AMO, Gun & Shell Factory, Cossipore mentioned at original Serial No. 12 of the draft Gazette Notification No. 4/80/A/M dated 12-6-80, which was subsequently renumbered as Serial No. 11 as per para 2 of draft Gazette Notification No. 1/81/A/M dated 30-1-81.

2. The President is also pleased to decide that consequent on the atoresaid deletion, the serial numbers in the above mentioned draft Gazette Notification dated 12-6-80 subse-

quent to the deleted entry in respect of Dr. S. C. Naskar should be renumbered appropriately.

> O. P. BAHI Addl. DGOF/Member/Personnel

MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 13th April 1981

No. 12/517/66-Admn.(G).—Consequent upon his posting as Joint Director in the Department of Company Affairs, Shri G. Ramachandran relinquished charge of the post of Development Director (Production Index) in the Office of Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi with effect from the afternoon of 31st March, 1981.

> C, C, ROY Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMN, SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 6th April 1981

No. A-6/247(273)/60.—Shri S. K. Sarkar, Assistant Inspecting Officer (Engineering) and officiating Inspecting Officer (Engineering) and officiating Inspecting Officer (Engg.) Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' (Engg. Branch) in the office of Director of Inspection, Calcutta retired voluntarily from Government Service on the afternoon of 18-3-1981 in terms of rule 48A of CCS (Pension Rules, 1972).

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

The 13th April 1981

No. A-1/1(1170).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri K. C. Chatterjee, Superintendent in the office of Director of Inspection (Met.), Burnpur to officiate on purely ad-hoc and local basis as Assistant Director (Admn.) (Gr. 11) in the same office with effect from the forenoon of 10-3-81 for a period of 46 days in the leave vacancy of Shri G. Nandiga.

> M. G. MENON for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi-1, the 13th April 1981

No. A-1/1(1167).—The President is pleased to appoint Shri Om Prakash Khokhar, a candidate nominated by the Union Public Service Commission on the results of the Engineering Services Examination, 1979, on probation for a neering Services Examination, 1979, on probation for a period of two years in Grade III of Indian Supply Service, Group 'A' with effect from the afternoon of 24th March, 1981 and until further orders.

2. Shri Om Prakash Khokhar assumed charge of the post of Asstt. Director (Grade I) (Trainee) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the afternoon of 24th March, 1981

> M. G. MENON Deputy Director (Administration)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 10th April 1981

No. 1946B/A-19012(RSB)/80-19B.—Shri R. S. Bains appointed as Asstt. Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 20-12-1980, until further orders.

> , V. S. KRISHNASWAMY Director General, Geological Survey of India.

DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY NATIONAL ATLAS AND THEMATIC MAPPING ORGANISATION

Calcutta-700019, the 7th April 1981

No. 35-2/80/Estt.—The following officers are appointed substantively in the post of Scientific Officer (Group B-Scale Rs. 650-1200) in the National Atlas & Thematic Mapping Organisation w.e.f. 1-4-1981:

- Shri N. P. Meshram
 Shri M. C. Bhattacharjee
 Shri S. C. Dutta
 Dr. S. K. Roy
 Km. M. Sardar

- 6. Shri D. N. Ghosh
- 7. Shri S. Mukherjee
- 8. Dr. N. D. Bhattacharya
- 9. Sm. Minati Ghosh 10. Shri S. K. Biswas

- 11. Sm. Sipra Dutta 12. Shri G. N. Saha 13. Shri M. P. Sinha
- 14. Shri B. Goswami

S. P. DAS GUPTA Director

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 6th March 1981

No. A.19018/19/80-CGHS.I.—The Director Health Services is pleased to appoint Dr. (Miss) Ravindra Tondon Karthy to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 23-1-1981.

No. A.19018/29/80-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Mrs. Manjuka Pandey to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 25-2-1981.

T. Ş. RAO Dy. Director Admn. (CGHS.I)

New Delhi, the 10th April 1981

No. A.12025/26/79-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Smt.) Manjeet Kaur Bhatia to the post of Dental Surgeon under Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi, with effect from the forenoon of 11th September, 1980, in a temporary capacity and until further orders.

> SANGAT SINGH Deputy Director Administration (E)

New Delhi, the 10th April 1981

No. 32015/1/80-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Balbir Singh Dhillon to the post of Assistant Depot Manager, Govt. Medical Store Depot, Karnal on an ud-hoc basis with effect from the forenoon of 27th March, 1981 and until further orders.

No. A.32014/3/80-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. Sambandam-II, Office Supdt, to the post of Assistant Depot Manager, Government Medical Store Depot, Madras on an ad-hoc basis, with effect from the forenoon of 1st April, 1981 and until further orders.

> SHIV DAYAL Deputy Director Administration (Stores)

MINISTRY OF AGRICULTURE

DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 10th April 1981

No. F.3-48/79-Estt.(1).—The following superintendent (Grade H) are appointed to the post of Superintendent (Grade I) Group B Gazetted (Ministerial) in the pay scale of Rs. 700-30-760-35-900 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture & Cooperation) in a temporary officiating capacity w.e.f. 9-4-1981 (forenoon) in the order indicated below until further orders:—

- 1. Shri K. L. Chadha
- 2. Shri Malkhan Singh
- 3. Shri Joseph Baxla

They will be on probation in the post of Superintendent (Grade I) for a period of two years, which can be extended at the discretion of the competent authority, if their work is not found satisfactory.

No. F.3-48/79-Estt.(1).—The following superintendent (Grade II) are appointed to the post of Superintendent (Grade I) Group 'B' Gazetted (Ministerial) in the pay scale of Rs. 700-30-760-35-900 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture, (Department of Agriculture & Cooperation) in a temporary officiating capacity w.e.f. 9-4-1981 (forenoon) in the order indicated below, until further orders:—

- 1. Shri I. S. Chawla
- 2. Shri N. C. Jain
- 3. Shri P. N. Chopra
- 4. Sari H. S. Gautam
- 5. Shri K. C. Vasudeva
- 6. Shri S. L. Dhir
- 7. Shri K. R. Vil
- 8. Shri O. P. Bhasin

They will be on probation in the post of Superintendent (Grade I) for a period of two years which can be extended at the discretion of the competent authority, if their work is not found satisfactory.

K. K. SHARMA Director of Administration.

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Fexidabad, the 10th April 1981

No. A. 19025/2/81-A.HI.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Mohd, Abul Hassan has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Gnoup 1) in this Dto. at Nagpur with effect from 12-3-81 (FN) until further orders.

No. A.19025/4/81-A-III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Vijay Kumar Sitaranji Daga has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group III) in this Dte. at Rajkot with effect from 12-3-81 forenoon until further orders.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 25th March 1981

No. Ref: 5/1/81-Estt. II/1314—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials

to officiate on an ad-hoc basis as Assistant Personnel Officer fo the period shown against their names:—

Sl. Name and Designation No.	Appointed to officiate as	Period	
		From	То
1. Shri P.B. Karandikar, Assistant	APO	10-11-80	26-12-80 AN
		7-1-81	17-2-81 AN
 Shri M.N. Lotlikar, Assistant 	APO	12-80	24-2-81 AN
3. Shri S.R. Pinge, S.G.C.	. APO	7-1-81	17-2-81 AN
4. Shri B.M. Naik, S.G.C.	APO	15-12-80	31-1-81 AN

KUM, H.B. VIJAYAKAR, Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 27th March 1981

No. 23/1/81-Est/6174.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri K. P. Wadia, a permanent Assistant Accounts Officer of this Directorate to officiate as Accounts Officer-II on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from November 26, 1980 (FN) to December 30, 1980 (AN) vice Shri L. B. Chandragiri, Accounts Officer-II promoted as Accounts Officer-III.

R. P. DE SOUZA Assistant Personnel Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 15th March 1981

MEMORANDUM

No. NFC/PA IV/G-102/ZSP/430.—In terms of appointment order No. NFC/PAR/0702/213 dated 16-1-1981 read with para 1(a) of the terms and conditions of the letter No. PAR/0702/8030 dated 1-1-1981, the services of Shri S. Gopalachary, Helper (A), ZSP, are terminated with immediate effect.

He is required to surrender bus pass, security badge and other Government materials issued to him immediately to the Manager, ZSP.

U. VASUDEVA RAO Administrative Officer

- 1. Shri S. Gopalachary, C/o Shri S. K. Chary, H. No. 2-63/1, Kukatpally, Ranga Reddy District, Hyderabad.
 - 2. Shri S. Gopalachary, Tangellapally (PO), (Via) Shariigaram, Kareemnagar Distt., Andhra Pradesh.

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603102, the 31st March 1981

No. MAPP/33(1350)/81-Rectt/P/3128.—Consequent on his transfer from Tarapur Atomic Power Station Shri N. Srinivasan, Assistant Personnel Officer assumed charge as Assistant Personnel Officer in officiating capacity in the Madras Atomic Power Project, Kalpakkam, on the ferencon of March 17, 1981.

R. P. HARAN Administrative Officer for Chief Project Engineer

Kalpakkam-603102, the 12th April 1981

No. MAPP/18 (116)/81-Rectt/ P. 3486.—The Chief Project Engineer, Madras Atomic Power Project is pleased to appoint the following officials of this Project to the grade mentioned against each, in the same Project, in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1981 until further orders:—

S.No. Name	Present Grade	Grade to which appointed
1. Shri M. Raghavan Nair	Scientific	Scientific
	Assistant 'C'	Officer/
,		Engineer 'SB'
2. Shai, M. Krishnamoorthy,	$\mathbf{D}_{0_{\bullet}}$	Do.
3. Shri B. Mohaniraj Panth	Do.	Dio.

R. P. HARAN Administrative Officer.

ATOMIC MINBRALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 8th April 1981

No. AMD-1/6/80-Rectte—Director, Atomic Division Department of Atomic Energy hereby appoints Shri V. Devdas as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 24, 1981 until further orders.

No. AMD-1/6/80 Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Satya Narayan Tak as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the afternoon of March 26, 1981 until further orders.

No. AMD-1/38/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Suresh Bahadur Singh as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 25, 1981 until further orders.

No. AMD-1/38/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Manjeet Kumar as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 4, 1984 until further orders

M. S. RAO Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS Bombay-400 008, the 13th March 1981

No. Ref. 05052/80/Aug/1710.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Kuppuswamy Veeraraghavan, a temporary Scientific Assistant C of Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same Project, with effect from the forenoon of September 1, 1980 until further orders.

No. Ref. 05052/80/Aug/1711.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Narayan Rao Suhramanya, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of August 1, 1980 until further orders.

No. Ref. 05052/80/Aug/1712,—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Santanu Chakrabarti, a temporary, Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade Sh) in the same project, with effect from the forenoon of August 1, 1980 until further orders.

The 13th April 1981

No. Ref. 05052/80/Aug/1713.—Officer on Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Govinda Kumar Krishnan, a temporary Foreman of Heavy Water Project

(Tuticorin), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of October 1, 1980 until further orders.

No. Ref. 05052/80/Aug/1714.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Chamarty Venkata Chalapathy Rao, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of September 1, 1980 until further orders.

No. Ref. 08052/80/Aug/1715,—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Mohamed Cassim Mohamed Usuf Ali, a temporary Scientific Assistant C of Heavy Water Project (Tuticoria), to officiate as Scientific Officer/Bagineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of August 1, 1980 until further orders.

No. Ref. 05052/80/Aug/1716.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Ashok Sankar, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of September 1, 1980 until further orders.

No. Ref. 05052/80/Aug/1715.—Officer-in-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Mohamed Cassin, Mohamed Usuf Ali, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Toticoria), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade 68) in the same project, with effect from the foreneon of August 1, 1980 until further orders.

The 17th April 1981

No. Ref. 05052/80/Aug/17.17.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri K. A. Abdul Wahab, a temporary Scientific Assistant C' of Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Spientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the foreneon of November 1, 1980, until further orders.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY Administrative Officer

TARAPUR APOMIC POWER STATION

TAPS., the 2nd April 1981

No. TAPS/2/788/69.—Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station is pleased to accept the resignation from service tendered by Shri M. P. Thomas a permanent Tradesman 'C' and officiating SO/SB in the same Power Station with effect from 14-3-1981 (AN).

The 3rd April 1981

No. TAPS/2/973/71.—Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station is pleased to accept the resignation from service tendered by Shri S. R. Radhakrishnan a permanent SA 'C' and officiating SO/Engr. SB in the same Power Station with effect from 14-3-1981 (AN).

D. V. MARKALE Chief Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 31st March 1984.

No. A 32023/1/77/R/3438.—Shri K. M. Velayudhan who was promoted to officiate as Assistant Accounts Officer on an ad hoc basis from the forenoon of July 5, 1960 vide this Centre's Notification of even number deted 8-7-1980, has relinquished charge of the said post with effect from the forenoon of March 18, 1981.

S. PADMANABHAN Administrative Officer

OFFICE OF THE DERECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 3rd April 1981

No. A, 12025/3/71-E. I(Vol. II).—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad hoc appoint-

ment of Shri K, K, Sharma to the post of Hindi Officer in the Civil Aviation Department on ad hoc basis upto 31-3-81.

S. GUPTA Deputy Director of Administration

New Delhi, the 9th April, 1981

No. A. 32013/2/80-EC:—In continuation of this Department's Notification No. A. 32013/2/80-EC dated 14-10-80, and No. A. 32013/8/71-EC dated 8-1-80, the President is pleased to continue the ad-hoc appointment of the undermentioned Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer for a further period upto 31-5-81 beyond the date indicated against each :---

S. Name No.	Station of posting.	Date of ad-hoc appoint- ment.
1 2	3	4
S/Shri		
1. S.P. Sahani	Radio Const. & Dev. Units, New Delhi	31-12-80
2. H.S. Gahley .	Aero. Comm. Stn., Lucknow.	31-12-80
3. D.S. Gill	Radio Const. & Dev. Units, New Delhi	31-12-80
4. S.K. Das	Aero. Comm. Stn., Calcutta.	31-12-80
5. P.V. Subramaniam	Radio Const., & Dev Units, New Delhi	. 31-12-80
6. R.S. Sandhu	Radio Const. & Dev. Units, New Delhi	31-12-80
7. S. Rajaraman	Aero. Comm. Stn., Bombay.	31-12-80
8. C.D. Gupta .	. Radio Const. & Dev. Units, New Delhi	31-12-80
9. M.V. Darbhe	Aero, Comm. Stn. Bombay,	31-12-80
10. N.S. Sidhu	Central Radio Stores Depot New Delhi	31-12-80
11. S.R. Padmanabhan	Civil Aviation Training Centre., Allahabad.	31-12-80
12. S. Ramaswamy	Aero. Comm. Stn, Port Blair	31-12-80
13. P.A. Sastri	Aero. Comm. Stn, Calcutta.	31-12-80
14. K.B. Nanda	, Aero. Comm. Stn., Srinagar.	31-12-80
15. L.R. Goyal	Radio Conet & Day	31-12-80
16. H.S. Bajwa	Acro comm. Stn., Jaipur	31-12-80
17. H.S. Grewal	Radio Const. & Dev. Units, New Delhi	31-12-80
18. R.V. Rao	Radio Const. & Dev. Units, New Delhi	30 -9-80
19, R.G. Rao	Aero Comm. Stn., Trivandrum.	30-9-80

The 10th April, 1981

No. A. 32013/11/79-EC.—The President is pleased to appoint the following Technical Officers in the office of the Director, Radio Construction & Dev. Units, New Delhi to the grade of Senior Technical Officer on ad hoc basis for a period of six months with effect from 20-3-81 (FN) and to nost them to the same office :--

- Shri K. Viswanathan
- 2. Shri Kanhiya Lal
- 3. Shri N, Shankar 4. Shri Kuldip Singh 5. Shri S. C. Duggal 6. Shri P. D. Khanna.

The 13th April 1981

No. A. 32013/4/80-EC.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Madhava Rao, Senior Tech. Officer, Aeronautical Communication Station, Calcutta to the grade of Asstt. Director of Communication on ad hoc basis for a period of six months with effect from 9-3-81 (FN) and to post him at DGCA (HQ).

No. A. 32013/5/80-EC.—The President is pleased to appoint Shri Risal Singh, Assistant Director of Communication, Office of the Director General of Civil Aviation (HQ) to the grade of Dy. Director/Controller of Communication on ad hoc basis for a period of six months with effect from 27-3-81 (FN) and to post him in the office of the Controller of Communication. Aeronautical Communication Station, Delhi Airport, Palam.

No. A. 38015/29/80-EC.—Shri R. V. Rao, Technical Officer (ad hoc) in the office of the Director, Radio Construction and Development Units, New Delhi relinquished charge of his office on Voluntary retirement on 31-3-81 under the provisions of F.R. 56(k).

No. A. 38015/38/80-EC.—The President is pleased to permit Shri H. S. C. Rao, Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Bombav to retire from Government service with effect from 31-12-80 (AN) under F.R. 56(k).

V. JAYACHANDRAN Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS Baroda, the 13th January 1981

F. No. 1/1981.—Shri P. D. Solanki, Superintendent of Central Exoise, Group 'B' under Assistant Collector of Central Excise, Baroda Division-II has been permitted to proceed on voluntary retirement with effect from 31-12-80 afternoon as he has completed more than 20 years qualifying service.

The 8th April 1981

No. 2/81.—Shri Y. R. Gharla. Superintendent of Central Excise, Group 'B' Surat Division-I has retired on attaining the are of superannuation pension in the afternoon of 31-1-1981.

No. 3/81.—Shri N. B. Pathak, Superintendent of Central Exclse, Group 'B' Hdqrs. Office, Baroda has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-1-1981.

No. 4/81.—Shri R. N. Majumdar, Assistant Collector of Central Excise, Group 'A' Nadiad Division has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-3-1981,

No. 5/81.—Shri M. S. Koli, Administrative Officer, of Central Excise, Group 'B' Baroda Division II has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-3-1981.

J. N. VERMA Collector of Central Excise, Baroda

CENTRAL WATER COMMISSION

14

New Delhi-110022, the 6th April 1981

No. A-19012/852/80-Eatt.-V.—Chairman, Central Commission hereby appoints Shri G. S. Tyagi, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- for a period of six months or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 23rd October, 1980.

No. A-19012/868/80-Estt. V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Riazuddin Khan, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad loc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—EB—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- for a period of six months or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier with effect from the forencon of 27th October, 1980.

A. BHATTACHARYA Under Secy. Central Water Commission

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

New Delhi, the 9th April 1981

No. A-15/28(626)/77.—The President is pleased to extend the deputation period as OSD(Trg.) of Shri R. N. Sircar, a Gr. I Officer of Central Secretariat Services, beyond 30-1-81 i.e. from 31-1-81 to 31-8-81.

M. G. MENON
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Kamla Footwear Private Limited

New Delhi, the 24th March 1981

No. 7042/5472.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kamla Footwear Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Mahabir Paper Mills Limited

New Delhi, the 24th March 1981

No. 7381/5535.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Mahabir Paper Mills Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s, Yojna Farming Enterprises Private Limited

New Delhi, the 24th March 1981

No. 5120/5651.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Yojna Farming Enterprises Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Susham Finance Pvt. Limited

New Delbi, the 24th March 1981

No. H-2648/5682.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Susham Finance Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

15—46GI/81

In the matter of the Companies Act, 1956, and A M/s. Escorts Ancillary Industrial Estate Private Ltd.

New Delhi, the 24th March 1981

No. H-2653/5684.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Escorts Ancillary Industrial Estate Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

G. B. SAXENA Asstt. Registrar of Companies, Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Kalindi Private Limited

New Delhi, the 24th March 1981

No. 3386/5666.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kalindi Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

HAR LALL
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Parakh Kothi (South) Limited

Calcutta, the 8th April 1981

No. 29796/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of Companies Act, 1956, the that at the expiration of three months from the date hereof name of M/s. Parakh Kothi (South) Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

A. B. BISWAS Asstt. Registrar of Companies, Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Apna Distributors Private Limited

Bombay-2, the 4th April 1981

No. 604/17614/560(5).—Notice is bereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Apna Distributors Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Mannsfold Private Limited

Bombay-2, the 7th April 1981

No. 470/13758/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s, Mannsfold Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

O. P. JAIN Addl. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Lucknow, the 27th March 1981

INCOME TAX DEPARTMENT

No. 14.—Shri Gorakh Sahai, Income-tax Inspector, Allahabad Charre has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Gr. 'B') in the pay scale of Rs 650—30—740—35—810—FB—880—40—1000—EB—40—1200. On promotion he ioined as Income-tax Officer, F-Ward, Varanasi on 16-2-1981 in the forenoon,

No. 15.—Shri Uma Shanker, Income-tax Inspector, Allahabad Charge has been promoted to officiate as Incometax Officer (Gr. 'B') in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, Prataggath on 31-1-81 in the afternoon.

No. 16.—Shri Saran Behari, Income-tax Inspector, Lucknow Charge has been promoted to officiate as Incometax Officer (Gr. 'B') in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810— EB —35—880—40—1000— EB 40—1200. On promotion be joined as Income-tax Officer (Judicial) in the Office of the Commissioner of Income-tax (Central), Kanpur on 28-2-81 in the forenoon.

DHARNI DHAR Commissioner of Income-tax, Lucknow

INCOME TAX APPELLATE TRIBUNAL Bombay-400020, the 6th April 1981

No. F.48-Ad(AT)/81.—Shri A. Ramakrishnan, Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on ad-hoc basis in a temporary capacity in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- for a period of 3 months with effect from the forenoon of 26th March, 1981 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri A. Ramakrishnan, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

The 9th April 1981

No. F. 48-Ad(AT)/80.—Shri Naranjan Dass, oifg. Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi who was continued to offlciate as Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribuanl, Delhi Benches New Delhi on ad-hoc basis in a temporary capacity for the period from 17-1-81 to 16-4-81 vide Notification No. F. 48-Ad(AT)/80, dated the 20th January, 1981, is now permitted to continue to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on ad-hoc basis in a temporary capacity for a further period with effect from 17-4-81 to 6-7-81 or till the post is filled up on regular basis by appointment of a nominee of the U.P.S.C., whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri Naranjan Dass, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in the grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA, President

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th March 1981

Ref. No. P. R. No. 1086 Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I, S. C. SAXENA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nondh No. 1979, Setan Falia, Gopipura, situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 18-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S/s Santprasad Champaklal;
 Rajiv Santprasad;
 Both residing at: 8/1979, Setan Falia,
 Gopipura, Surat.

(Transferor)

- Shri Babubhai Tribhovandas;
 Chokavala Sheri,
 Wadi Falia,
 Surat.
 - Shri Mohanlal Tribhovandas;
 Chokavala Sheri,
 Wadi Falia, Surat.
 - Shri Chhaganlal Tribhovandas;
 Chokavala Sheri,
 Wadi Falia, Surat,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1979 Wd. No. 8, Setan Falia, Gopipura, Surat duly registered on 18-8-1980.

S. C. SAXENA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 7-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd April 1981

Ref. No. ASR/80-81/508.—Whereas I, ANAND SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One house situated in Gali Kamoan, Katra Sher Singh, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at SR. Amritsar, in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sundar Singh s/o Sh. Hajur Singh r/o Chowk, Farid, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Ravinder Nath Puri, s/o Janak Raj Puri r/o Gali No. 8, Bagh Rama Nand, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the Property)
- (4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 2559/12 situated in Gali Kamoan, Katra Sher Singh, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1616/I dated 22-8-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 2-4-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd April, 1981

No. ASR/80-81/509.—Whereas I, ANAND SINGH IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot situated in Rose Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurmukh Singh Chawla s/o Sr. Santokh Singh Chawla, r/o 7-Santokh Singh Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Harinder Singh s/o S. Jamiat Singh, Smt. Surinder Jit Kaur w/o Harinder Singh, r/o Gali No. 4 Gate Bhagtanwala, Amritsar.

(Tranferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Plot No. 6 (area 544 sq. yds. & $7\frac{1}{4}$ sq. ft.) situated in Rose Avenue, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1495/I dated 8-8-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 2-4-1981

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd April 1981

Ref. No. ASR/80-81/510,—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One Kothi situated at Race Course Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar, in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Daya Singh s/o
 Ghanya Singh
 r/o Villago Thath Garh Tehsil Tarn Taran,
 Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Dr. Kuldip Singh s/o Nirmal Singh r/o 202 Shivala Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(4) Any other.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in kothi No. 2 plot No. 2286 situated on Race Course Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1663/I dated 27-8-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 3-4-1981

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd April 1981

Ref. No. ASR/80-81/511—Whereas I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One Kothi situated at Race Course Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, in August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, un respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Shri Ghanya Singh
 s/o Sewa Singh
 r/o Thath Garh, Tehsil Tarn Taran
 Distt, Amritsar.
 Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Dr. Kuldip Singh s Dr. Nirmal Singh r/o 202, Shivala Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 share in one Kothi No. 2, situated on Race Course Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1659/I dated 27-8-80 of the Registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitlon Range, Amritsar.

Date: 3-4-1981

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd April 1981

Ref. No. ASR/80-81/512—Whereas I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One Kothi situated at Race Course Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar, on August, 1980

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prabhjit Singh s/o Ghanya Singh r/o Thath Garb, Teh. Taran Taran Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Dr. Kuldip Singh s/o Dr. Nirmal Singh r/o 202 Shivala Road, Amritaar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant (s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person., whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 share in one kothi No. 2, situated on Race Course Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1661/I dated 27-8-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 3-4-1981

FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th April, 1981

Ref. No. ASR/80-81/513—Whereas I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot situated at Gate

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

¹6---46 GI/81

(1) Smt. Gurdip Kaur w/o Harbhajan Singh r/o Village Rasulpur Kala

Teh Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Sham Lal

s/o Ram Lal & Labhu Ram

s/o Sita Ram

r/o Katra Karam Singh, National Timber Stores, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any

(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersinged knows to be interest in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the mublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 522 sq. mtrs situated in gate Binginumla American as montioned in the sale deed No. 1694/I dated 29-8-80 of the registering authority, American.

ANAND SINGH IRS.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsars

Date: 6-4-1981

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 30th March 1981

Ref. No. 900- Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shops situated at Jaipur

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 15-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in tespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Iqbal Singh
 S/o Avatar Singh
 Niwasi 485, Adrash Nagar
 Jaipur

(Transferor)

(2) Shrimati Balwant Kaur W/o Labh Singh & Rajendra Singh S/o Avatar Singh, Niwasi Adrash Nagar, Jaipur

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two shops on plot No. C-16, Lajpat Market, Adrash Nagar, Jaipur and right in the roof of pole & morefully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide his No. 3038 dated 15-11-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 30-3-1981

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 30th March 1981

Ref. No. 901,-Whereas, I. M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 5 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 20-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Jagjeewan Grah Nirman Sahkari Samiti Limited, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shalimar Industries Privatte Limited, Jaipur

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5 at Approved Colony 17, Kalyan Kunj, Civil Lines, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide his registration No. 2647 dated 22-10-1980.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 30-3-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Jaipur, the 30th March 1981

Ref. No. 897.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 3 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 12-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shrimati Sardar Kumari,
 Kalyan Kunj, Civil Lines,
 Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Ahuja, and Vivek Ahuja through his Guardian Shri Narendra Kumar Ahuja C/o M/s. Snow White, M. I. Road, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to be acquisitions of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3 at Apporved Colony, 17 Civil Lines, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide his No. 2405 dated 12-9-1980.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 50-3-1981 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shrimati Sardar Kumari,
 Kalyan Kunj, Civil Lines,
 Jaipur.

(Transferor)

Shri Gokul Lai Bahadia,
 43, Sangram Colony,
 C-Scheme, Jaipur.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 30th March 1981

Ref. No. 898.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 2 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 12-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2, 17 Kalyan Kunj, Civil Lines, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide his No. 2406 dated 12-9-1980

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 30-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 30th March 1981

Ref. No. 883.—Whereas I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Sriganganagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Sriganganagar, on 23-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslith-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Nathu Ram
S/o Gheruram Nai,
R/o Chak 3B Chhoti,
Teh, Ganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Lal, Govind Lal, Prabhu Lal, Pisran, Raghuram Arora, R/o Vill. & P. O. Kalian Teh. Ganganagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 1 bigha situated at Chak 3 E Chhoti, Ganganagar and more fully described in the sale deed registered by S. R., Sriganganagar at No. 1863 dated 23-8-1980

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquistion Range, Jaidur

Date: 30-3-1981

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 30th March 1981

Ref. No. 904.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 50 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 28-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afoersaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Baldeoraj Arora
 S/o Jagat Ram Arora, Panjabi,
 Plot No. B-15, Adrash Nagar,
 Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar, S/o Jamna Prasad Kulshreshtha Kayastha, Niwasi 6-A, Moti Marg, Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 50 measuring 702 Sq. yd. situated at Hawa Sadak Madrampura, Civil Lines, Jaipur & morefully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide his No. 2780 dated 28-10-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 30-3-1981

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 30th March, 1981

Ref. No. 902—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing No.

C-8, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 16-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed so between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Kishan Kumar Sarraf
 S/o Late Shri Ramgopal Sarraf,
 D-66, Siwad area,
 Bapunagar,
 Jaipur-4.

(Transferor)

(2) Shrimati Suman Garg W/o Shri Murari Lal Garg, Niwasi 11, Mohan Niwas, Vivekanand Marg, C-Scheme, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-8, Bhagirath Colony, Chomu House, C-Scheme, Jaipur, & morefully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide his No. 1823 dated 16-8-1980

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 30-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Jaipur, the 30th March, 1981

Ref. No. 903.—Wheereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. C-9 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 16-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
17—46GI/81

 Nand Kishore Sarraf
 S/o Late Shri Ramgopal Sarraf, S. B.-56, Bapunagar, Jaipur-4.

(Transferor)

(2) Shri Murari Lal Garg S/o Shri Babu Lal Garg, Niwasi 11, Mohan Vilas, Virvekanand Marg, C-Scheme, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-9, Bhagirath Colony, Chomu House, C-Scheme, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide his No. 1824 dated 16-8-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspec ing Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 30-3-198 0

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPURE

Jaipur, the 3pth March, 1981

Ref. No. 899--Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 11 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 8-9-1180

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Banna Lal Pareekh S/o Mahadeo Brahman, Niwasi Purana Ghat, Jaipur

(Transferor)

(2) Shri Devi Das A/S of Topumal Sindhi, Niwasi Plot No. 11, Raja Park, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 11, Raja Park, Jaipur with constructed portion & more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide his No. 2313 dated § 8-9-1980,

M. L. CHAUHAN
Competent Authorly
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquistion Range, Jaipur

Date: 30-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 30th March, 1981

Ref. No. 905—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. C-8 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 21-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Krishna Vallabh S/o Ganga Bux Haldla, Munahl Bazar, Alwar.

(Transferor)

(2) Shri Ramawatar & Jagdish Prashad C/o M/s Ramawatar Jagdish Prashad, Gangori Bazar, Jaipur

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-8, Raghunath Colony, Jaipur more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipure vide his No. 2071 dated 21-8-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 30-3-1981

 Smt. Tej Kaur Wd/o Sh. Faggan Singh, Agwar Gujjran, Jagraon, Distt. Ludhiana

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Munshi Ram S/o Dulla Singh, Agwar Gujjran, Jagraon, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 4th April, 1981

Ref. No. JGN/6/80-81—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 19 Kanals, 5 Marlas situated at Agwar Gujjra, Jagraon, Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 19 K 5 M at Agwar Gujjran, Jagraon (Distt. Ludhiana) The property as mentioned in the sale deed No. 3352 of August, 80 of the Registering Authority, Jagraon)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 4-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana tne 4th April 1981

Ref. No. JGN/7/80-81—Whereas 1, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 17 Kanals 14 Marlas

at V. Agwar Gujjran, Jagraon, Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908). in the office of the Registering Officer at Jagraon on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Tej Kaur
 Wd/o Sh. Faggan Singh,
 R/o V. Agwar Gujjran, Jagraon,
 Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Munshi Ram
 S/O Dulla Singh
 R/O Agwar Gujjran, Teh. Jagraon,
 Distt. Ludhiana

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menaing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 17K 14 M at v. Agwar Gujjran, Jagraon, (The property as mentioned in the sale deed No, 3499 of August 80 of the Registering Authority, Jagraon)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 4-4-1981

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, AQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 4th April 1981

Ref. No SMR/14/80-81--Whereas J,

SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beeing No, Land measuring 46 Kanals 5½ Marlas at Raipur Raian, Teh. Samrala, Distt. Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Samrala in August, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sardara Singh
 Sho Sh. Karam Chand
 R/o v. Raipur Ralan,
 Teh. Samrala, Distt, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Lakhwinder Singh S/o Sh. Ujaggar Singh, R/o v, Raipur Raian, Teh. Samrala,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 46 K 54m at v. Raipur Raian, Teh. Samrala (Ldh.) The property as mentioned in the sale deed no. 2813 of August, 1980 of the Registering Authority, Samrala.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 4-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

AQUISITION RANGE, LUDHIANA Ludhiana, the 4th April 1981

Ref. No. CHD/214/80-81/—Whereas I, SUCHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Residential plot No. 550 Situated at Sector 23B, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Capt. V.K. Mehta S/o Late
 Sh. S. R.Mehta & Mrs.Anupam Mehta
 W/o Capt. V.K.Mehta
 R/o House No.544,
 Sec.8B Chandigarh.

(Transferor)

(2) Capt. Parampal Singh Sidhu S/o Late Maj. Hari Singh Sidhu R/o House No. 319, Sector 33A, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot No. 550, Sec. 33 B, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1227 of August, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 4-4-1981

Seal 1

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 4th April 1981

Ref. No. CHD/187/80-81—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 308, situated at Sector 32 A, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby infilate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Om Parkash Sharma
 S/o Sh. Mathra Dass Sharma through attorney
 Sh. Som Dutt Sharma
 S/o Sh. Mathra Dass R/o H. No. 633, Sec. 16D,
 Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Dhruv Narain Khanna S/o Inder Narain Khanna, Industrial Cables India Ltd., Rajpura, Punjab.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 308, Sector 32A, Chandigarh, (The property as mentioned in the sale deed No. 1079 of August, 80 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 4th April, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 4th April 1981

Ref. No. CHD/188/80-81 -Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1980

No. Plot No. 3316, situated at Sector 35D, Chandigarh.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

—: Apatum 'smosrad

Shri Ujaggar Singh
 S/o Sh. Chamba Singh,
 self & Attorney Holder of Sh. Jaswant Singh
 S/o Sh. Ujaggar Singh
 R/o V& P. O. Bhago Majra,
 Distt. Ropar.

(Transferor)

(2) Smt. Prem Lata Kathuria
 W/o Sh. Sham Lal Kathuria,
 R/o House, No. 1278, Sec. 21B, Chandigarh.

(Tr : 1 + c

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3316, Sec. 35D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1080 of August, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner o Inocmo-tay
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 4-4-1981

Seal:

8-46 GI/81

FORM NO. 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACCUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 4th April 1981

Ref. No. MKL/28/80-81 -- Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that he immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 238 bighas 11 biswas at situated at V. Rampur Bhindran, Tehsil Malerkotla.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malerkotla in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Jawahar Lal

S/o Sh. Mool Chand,

R/o Dhuri Gate, Sangrur.

(Transferor)

(2) Shri Hari Singh /So Shri Kehar Singh, S/Shri Amarjit Singh, Ajaib Singh,

Labh Singh,

S/o Sh. Hari Singh,

Residents of V. Geega Majra, Teh. Malerkotla.

Dr. Sohan Lal S/o Shri Paras Ram

R/o Mall Road, Bhatinda,

Shri Satish Kumar S/o Shri Ram Ji Dass

R/o Duladi Gate, Nabha,

Shri Vali Ram S/o Sh. Kanhaiya Mal &

Smt. Maya Devi W/o Shri Vali Ram,

R/o Bhains Gate, Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 238 bighas 11 biswas at V. Rampur Bhindran, Tehsil Malerkotla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2613 of August, 80 of the Registering Authority, Malalrkotla)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 4-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 4th April, 1981

Ref. No. DHR/4/80-81—Wherea s I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 25.000/-and bearing:

No. Land measuring 39 bighas 4 biswas (3.30.49 Hect) situated at Dhura, Distt. Sangrur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1988) in the office of the Registering Officer

at Dhuri in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or pay moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons namely:—

Shri Peramjit Singh,
 S/o Sh. Assa Singh,
 R/o Dhuri, Khewatdar Dhura,
 Distt. Sangrur.
 Now Professor in Punjab University,
 Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Harlpal Singh, Sukhdev Singh, Nachhattar Singh, Mukhtlar Singh, s/o Shri Jhagaru Singh of V. Dhura, Teh. Malerkotla, Distt. Sangrur.

(Tranferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 3:30,49 Hect (39 bighas 4 biswas) at V. Dhura, Distt. Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2907 of August, 80 of the Registering Authority, Dhuri)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner o Income tax
Accuisition Range, Ludhiana

Date: 4-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACCUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 4th April, 1981

Ref. No. CHD/185/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential House No. 1155 situated at Sector 15B, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office

at Chandigarh in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any inome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sardarni Jaswant Kaur
 W/o Sh. Jasmer Singh,
 C/o Markanda Cold Storage, Shahbad,
 Distt. Kurukshetra.

(Transferor)

(2) Shri Nand Lal Jain S/o Sh. Taras Ram Jain, Shri Parveen Kumar, Sh. Anil Kumar sons of Sh. Nand Lal Jain, Shri Deepak Kumar & Shri Rakesh sons of Sh. Nand Lal Jain all residents of House No. 1155, Sec. 15B, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1155, Sector 15B, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1077 of August, 80 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authroity
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 4-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 4th April, 1981

Ref. No. SRD/41/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 54 K 16 M situated at Bassi, Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sirhind in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hardev Singh
S/o Sh. Opar Singh
S/o Jagat Singh,
R/o V. Bassi Pathana, Teh. Sirhind,
Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Sampuran Kaur W/o Swara Singh S/o Sh. Didar Singh, R/o Bassi Pathana, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 54K 16 M at Bassi, Teh. Sirhind, Dist. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 204 of August, 80 of the Registering Authority, Sirhind)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range, Ludhiana

Date: 4-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhlana, the 4th April 1981

Ref. No. LDH/218A/80-81—Wheread I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 200 sq. yds. situated at Rajpura Road, Civil Lines, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Smt. Charanjit Kaur W/o Sh. Gurdip Singh through Shri Gurbaksh Singh Grewal S/o Teja Singh R/o C-39, Focal Point, Growal Radio Company Private Ltd., Ludhiana

(Transferor)

(2) Shri Subhash Kumar Kundra
 S/o Shri Hardev Mitter,
 R/o R-12/IV, Incometax Colony,
 Tagore Nagar, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 200 sq yds. at Rajpura Road, Civil Lines Ludhiana. The property as mentioned in the sale deed No. 3352 of sept. 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Comm issioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 4-4-1981

1 1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA Ludhiana, the 4th April, 1981

Ref. No. CHD/176/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

1/4 share in House/Annexe No. 17, Plot No. 25, situated at Sector 4, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Mohinder Partap Singh
 S/o Late Sh. Partap Singh,
 Safdarjang Development Area Community Centre,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Subodh Kumar Gupta S/o Sh. Raja Ram & Mrs. Neelam Gupta W/o Sh. Subodh Kumar Gupta, Resident of House No. 4, Sec, 4A, Chandigarh.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share in H. No. /Annexe No. 17, Plot No. 25, Sec 4, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1054, of August, 80 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 4-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 4th April 1981

Ref. No. CHD/175/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4 share in House No. /Annexe No. 17, Plot No. 25, situated at Sector, 4, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair mark: t value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (ii of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhajan Partap Singh
 S/o Late Sh. Partap Singh,
 R/o C-12, Sajdarjang Development Area Community
 Centre, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Subodh Kumar S/o Sh. Raja Ram & Smt. Neelam Gupta W/o Sh. Subodh Gupta House No. 4, Sec. 4A, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share in H. No./Annexe No. 17, Plot No. 25, Sec. 4, Chandigarh

(The property as mentioned in the sale deed No. 1053 of August, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 4-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 4th April 1981

Ref. No. CHD/177/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1/4 share in House/Annexe No. 17, Plot No. 25, situated at Sector 4, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarb in August, 1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

19-46 GI/81

Smt. Dhanwant Kaur
 W/o Late Sh. Partap Singh,
 Safdarjang Development Area Community Centre,
 Néw Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Subodh Kumar Gupta Sh. Raja Ram & Mrs. Neelam Gupta W/o Sh. Subodh Kumar Gupta, R/o House No. 4, Sector 4A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share in House/Annexe No. 17, Plot No. 25, Sec. 4, Chandigarh

(The property as mentioned in the sale deed No. 1055 of August, 80 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 4-4-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 4th April 1981

No. CHD/178/80-81—Wheresas, 1, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/4, share in House No./Annexe No. 17, Plot No. 25 situated at Sector 4, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Surinder Partap Singh
 S/o Late Sh. Partap Singh,
 C-12, Safdarjang Development Area Community
 Centre, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Subodh Kumar Gupta S/o Sh. Raja Ram & Mrs. Neelam Gupta W/o Sh. Subodh Kumar Gupta, R/o House No. 4, Sector 4A, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPDANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House/Annexe No. 17, Plot No. 25, Sec. 4, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1056 of August, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 4-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 4th April, 1181

Ref. No. DBS/32/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing :

No. Land measuring 5.17 bighas situated at V. Singhpura S. Teh. Dera Bassi, Distt., Patiala.

more fully described in t e Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dera Bassi, in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the saki Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Janak Raj
 S/o Shri Bakhtawar Singh
 R/o V. K. Karman UTC Khewatdar Singhpura,
 S. Teh. Dera Bassi through bis Attorney
 Smt. Savitri Devi,
 Wd/o Sh. Bakhtawar Singh,
 R/o V. Karman U. T. C.,
 Khewatdar Singhpura, S. Teh. Dera Bassi.
- (2) Smt. Sheela Devi W/o Sh. Nazir Masih Nayyar, R/o V. Gandhran, Tehsil Nakodar, Distt. Jullundur.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5·17 blghas at V. Singhpura, S. Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 893 of August, 80 of the Registering Authority Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 4-4-1981

Scal:

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 4th April, 1981

Ref. No. DBS/35/80-81—Whereas I, SUKHCDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 5.17 bighas situated at V. Singhpura, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dera Bassi in Sept., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evenion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Şaviţri Devi
 Wd/o Sh. Bakhtawar Singh
 R/o Karman U. T. C., Khewatdar V. Sighpura,
 S. Teh. Dera Bassi,
 Attorney Holder of Shri Janak Raj
 S/o Sh. Bakhtawar Singh of V. Singhpura,
 S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patlala.
- (2) Shri Nasir Masih Nayyar
 S/o Sh. Bhagat Ram
 R/o V. Gandhran, Toh. Nakodar,
 Distt. Jullundur.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5.17 bighas at V. Singhpura, S. Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 922 of of Sept. 1980, of the Registering Authroity, Dera Bassi.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 4-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 4th April, 1981

Ref. No. CHD/212/80-81---Wherea I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4 share of SCO 58, Sector 30, Chandigarh. sitared at Sector-30, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 80/September, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as structured exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Surinder Arora w/o Sh. Thaka Singh Arora, through Sh. Harbhajan Singh S/o S. Sawan singh, R/o 3011, Sector 19-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Sh. Prem Chand, Chaman Lal Ss/o Sh. Ram Kishan,R/o 174, Grain Market,Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ha that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of SCO 58 situated in Sector 30-Chandigarh.
(The property as mentioned in the registered deed No.
1167 of August/Sept. 80 of the Registering Authority,
Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 4-4-1981

Scal:,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhlana, the 4th April, 1981

Ref. No. Chd/211/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1/2 share of SCO No. 58, Sector 30-C situated at Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Chandigarh, in August/September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which bave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Surinder Arora
 W/o Sh. Taka Singh Arora
 through General Attorney Sh. Harbhajan Singh
 S/o Sh. Sawan Singh
 R/o 3011, Sec. 19-D,
 Chandigarh,

(Transferor)

 Sh. Madan Lal, Sh. Darshan Lal S/o Sh. Ram Kishan,
 R/o 174, Grain Market, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of SCO No. 58, situated in Sector 30-C, Chandi-garh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1166, of August/September, 80 of the registering authority, Chandlegarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Indepecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Lundiana.

Date: 4-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 4th April, 1981

Ref. No. PTA/48/80-81-Whereas I, SUKHDEV CHNAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 1 bigha 10 biswas situated at Sanauria Gate, Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Patiala in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Bulaki Dass ... (1) Sh. S/o Sh. Sulekh Chand attorney holder of Smt. Vidya Wati (wife) and Smt. Rama Rani Sh, Raj Kishan, W/o Tank B. Patial a.

(Transferor)

(2) Shri Jeewan Kumar S/o Shri Gian Chand R/o Sanauri Gate, Patiala,

R/o

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 1 bigha 10 biswas at Sanauri Gate, Patialal of (The property as mentioned in the sale deed No. 3676 August, 80 of the Registering Authority, Patiala)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range, Ludhiana

Date: 4-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, , LUDHIANA

Ludhiana, the 4th April, 1981

Ref. No. PTA/52/80-81--Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 1 bihga 10 biswas situated at Sanauri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Patiala in August, 80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Bulaki Dass

Sh. Sulekh Chand attorney holder of S/o Smt. Vidya Wati (Wife) & Smt. Rama Rani

W/o Sh. Rajkishan &

Smt.

Vijay Kumari Sh. Ramesh Chand, W/o

Tank, B, Patiala. R/α

(Transferors)

(2) Shri Thandu Ram S/o Shri Madho Ram.

> R/o Markal Colony, Sanauri Gate.

Patiala

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 1 bigha 10 biswas at Sanauri Gate, Patiala, (The property as mentioned in the sale deed No. 3917 of August, 80 of the Registering Authority, Patiala)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assist ant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 4-4-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 4th April, 1981

Ref.No AML/72/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 2 bighas situated

at v. Kumar Majra, s. Teh. Amloh, Distt. Patiala. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Amloh in August, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for auch transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-20—46GI/81

 M/s Uplift Engineering Company, Mandi Gobindgarh through
 Sh. Harmit Singh, partner.

(Transferor)

(2) M/s Indian peasant Uplift Industries, Mandi Gobindgarh, Distt. Patilala (through Sh. Devinder Kumar, partner) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land 2 bighas at v. Kumar Majra, S.Teh. Amloh, Distt Patjala,

The property as mentioned in the sale deed No.1212 for Aug., 80 of the Registering Authority, Amloh.

SUKHDEV CHAND Competent Authority

(Inspecting Assistant commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Ludhiana

Date :4-4-81 Seal ;

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACPUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 4th April 1981

Ref. No. CHD/174/80-81/—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. SCF/SCO No. 38, Sec 8-B, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- (1) Sh. Dewan Chand
 - S/o Sh. Daya Ram
 - r/o H.No. 596, Sector 8-B, Chandigarh,

(Transferor)

- (2) Sh.Barkat Ram Soni S/o Sn. Babu Ram
 - r/o H.No. 3313, Sector 27-D Chandigarh.

(Transferce)

- (3) (1) M/s Soni Furnishers
 - (2) Sh. Barkat Ram Soni
 - (3) Sh. Baldev Chand Soni
 - (4) Sh. Vinod Kumar Soni

r/o SCF/SCO 38, Sector 8B, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCF/SCO 38, situated in sector 8-B, Chandigarh. The property as mentioned in the Registered deed No.1040 of August, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 4-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 4th April 1981

Ref. No. AML/68/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 4 bighas situated at Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Vikramjit Singh, Amrik Singh
 Ss/o Shri Mehar Singh, R/o Ward No. I,
 Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s Raj Steel Rolling Mills, Ward No.1, Guru-Ki-Nagri, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 bighas at Mandi Gobindgarh, Distt. (Patiala. The property as mentioned in the sale deed No. 1173 of August, 80 of the Registering Authority, Amloh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 4-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 4th April, 1981

Ref. AML/67-80-81-Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 7 bighas 18 biswas situated at Gobindgarh, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in August, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- S/Shri Bikramjit Singh, Amrik Singh Sons of Shri Mehar Singh, R/o Ward No. -1. Mandi Govingarh. Ward Distt. Patiala (Transferor)
- M/s Raj Steel Rolling Mills, Guru-Ki-Nagri, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 bighas 18 biswas at Mandi Govbindgarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1172 of Agust, 1980 of the Registering Authority, Amloh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 4-4-1981

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 4th April, 1981

Ref. No. DBS/25/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land 38 Bighas 18 Biswas (47069 ·Sq. yds.) situated
at V. Bishangarh S. Teh. DeraBassi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dera Bassi in August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Gurdit Singh
 S/o Sh. Prabhu Singh
 R/o Vill. Bishangarh S. Toh. Dera Bassi.
 (Transferor)
- (2) M/s Pahwa Chains (P) Ltd. through Sh. Sohan Lal s/o Sh. Nihal Singh r/o 7 Indl. Area Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 38-18B (47609sq.yds.) situated in V. Bishancarh S. Tteh. Dera Bassi. (The property as mentioned in the registered deed No. 776 of August 80 of the Registering Authority, Dera Bassi.

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, I udhiana,

Date: 4-4-1981

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhina, the 4th April, 1981

Ref.No. NBA/18/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 3 Kanal 14 Marla situated at Nabha, Distt. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Mohinder Singh s/o Sham Singh of Bedian Steet, Nabha. (Transferor)
- (2) Shri Harchand Singh, Jang Singh, Gurmail Singh, Labh Singh s/o Sh. Dalip Singh R/o V. Lot, P.O Allowal, Teh.Nabha.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7K 14 Marlas at Nabha. The property as mentioned in the sale deed no. 1458 of August 80 of the Registering Aughority, Nabha.)

> SUKHDEV CHAND, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ludhjana,

Date: 4-4-1981

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 4th April 1981

Ref. No. CHD/180/80-81/--Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 2329. situated at Sector 35C, Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Dr. Gubachan Singh S/o S.Mohinder Singh, A-7, Hauz Khas, New Delhi through attorney Sh. Parmeet Singh S/o S. Balwant Singh, 60, Indi. Area, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Kulwant Kaur W/o S. Balwant Singh, 60, Indl. Area, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2329, Sector 35C, Chandigarh The property as mentioned in the sale deed no. 1065 of August, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 4th April 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 4th April, 1981

Ref. No CHD/203/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Booth No. 170, Sector 35-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in reapect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Randhir Kaur Sindhu W/o Sh. Rapinder Singh Sindu r/o 505, Sector 11-B, Chandigarh c/o Dr. Kartar Singh Grewal r/o 505, Sector 11-B Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Sundor Lal Khurana s/o Sh. Narain Dass Khurana 2, Amarjit Singh s/o Ghansham Dass r/o H. No. 3377, Sector 35-D, Chandigarh.

(Transferce)

(3) S/Sh. Om Parakash Sh. Baldev Raj r/o Booth No. 170, Sector 35-D Chandigarh. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPDANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booth No. 170, Sector 35-D situated in Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed 1133 of August, 80 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 4-4--1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Ludhiana Ludhiana, the 4th April 1981

Ref. No. LGG/1/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House property situated at Anaj Mandi, Lehragaga, Distt, Sanrur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lehragaga in Dec., 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

21-47GI/81

(1) S/Shri Amar Parkash & Krishan Chand SS/o Shri Malhar Chand, self and attorney holder of Smt. Dropati Devi (mother) resident of Ram Pura Phual

(Transferor)

(2) Dr. Mohan Lal Garg S/o Sh. Hans Raj R/o Lehragaga, Distt. Sangrur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated in Lehragaga, Distt. Sangtur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 943 of Dec., 1980 of the Registering Authority, Lehragaga.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 4th April, 1981

Seal;

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 4th April 1981

Ref. No. LDH/160A/80-81.--Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 306/4, situated at Model Gram, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ludhiana in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Fatch Singh S/o Sh. Gopal Singh, 89, Shakti Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Prithipal Singh S/o Sh. Kartar Singh & Sh. Surinder Pal Singh S/o Sh. Takhat Singh, Model Gram, Ludhlana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this riotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of hotics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 306/4 Model Gram, Ludhiana.

The property as mentioned in the sale deed No 2509 of August, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhlana

Date: 4th April 1981,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAK.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 4th April 1981

Ref. No. CHD/172/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 1060, situated at Sector 37-B Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigash in August, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have rear on to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1932) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Bhim Sain & Surinder Kumar SS/o Sh. Devi Dayal through his General Power of Attorney Sh. Jagdish Chand Malhotra R/o, House No. 1099, Sec. 19-B Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Tilak Raj Malhotra S/o Sh. Sant Ram Malhotra & Mrs. Kuşum Malhotra W/o Sh. Tilak Raj Malhotra, R/o House No. 1099, Sec. 19-B Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1060, Sector 37-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1037 of August, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 4-4-1981

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA-800001

Patna-800001, the 23rd March 1981

Ref. No. III-480/Acq/80-81.—Whereas I, H. NARAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing.

Tauzi No. 11086, Thana No. 344 Ward No. 10 (old) and 28 New, Khata No. 8 New, Holding No. 4A Old 5A New

situated at Mohalla Mohammedpur Kazi, Town and Distt, Muzaffarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 29-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Abha Rai Choudhary
 W/o Shri Sudhir Chandra Rai Choudhary
 Shri Sudhir Chand Rai Choudhary
 S/o Shri Pramod Chandra Rai Choudhary of Mohalla Amla Toli,
 Town Katihar, Distt. Purnea.
 At present Mohalla Mohammedpur, Town and Distt. Muzaffarpur.

 (Transferor)
- (2) Shri Brajesh Kumar Pathak S/o Shri Ram Ayodhya Pathak, Mouza Dharphari, P.S. & Distt. Muzaffarpur. At present Mohalla Mandipur, Town and Distt. Muzaffarpur.

(Transferee)

(3) Transferee as mentioned above.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 dhurs 6 Kanwa with house situated at mohalla Mohammedpur town and Distt. Muzaffarpur bearing tauzi no. 11086, Thana No. 344, Ward No. 10 old and 28 New morefully described in deed No. 11904 dt. 29-8-80 registered with D.S.R.—Muzaffarpur.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 23-3-1981

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA-800001 Patna-800001, the 6th April 1981

Ref. No. III-48!/Acq/81-82.—Whereas, I, H. NARAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 5, Block No. 3, Type F, Circle No. 1, Ward No. 12 situated at Rajendra Nagar, Road No. 11, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 20 August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dr. Sarat Kumar Shahi
 S/o Shri Laliteshwar Prasad Shahi
 Resident of Road No. 1, Rajendra Nagar,
 P.S. Kadam Kuan, Patna on behalf of
 Smt. Manorama Devi
 W/o Shri Bisheshwar Prasad Shahi
 resident of village Tamkohi Raj, P.S. Taria Sujan
 Distt. Deorla, At present, 11 Karlappa Road, Allaha-

(Transferor)

(2) Shri Sita Ram S/o Late Gu; sahay Singh resident of village Bind, P.S. Asthawan, Distt. Nalanda, At present 7/177B, Swaroop Nagar, Kanpur (U.P.).

bad, Distt. Allahabad (U.P.).

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of his notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 456.87 sq. yards with some construction situated at Road No. 11, Rajendra Nagar, P.S. Kadam Kuan, Patna morefully described in deed No. 6268 dated 20-8-80 registered with District Sub-Registrar, Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 6-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE; 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 31st January 1981

G.J.R. No. A-87/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under section 269B of the Incomertax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-374 40-A situated at Mohalla-Baradeo, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 14-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri (1) Hafiz Wali Mohd.
 - (2) Bashir Mohd.
 - (3) Nazir Mohd.
 - (4) Hafeez Mohd.
 All sons of Shri Faqir Mohd.
 - (5) Iqbal Ahmad S/o Abdul Karim.
 - (6) Smt. Gulshan W/o Abdul Karim.
 - (7) Smt. Kulsum W/o Shrl Bismilla Khan.

(Transferor)

(2) Shri Abrar Ahmad S/o late Amir Ahmad.

(Transferce)

(3) Shri Abrar Ahmad (Transferce) and S/Shri Anupam Chakrawarti and Rectam Chakrawarti (Tenants)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. D-37/40-A, Mohalla Baradeo, Varanasi including building and land and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 9365 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 14-10-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 31-1-1981

Scal:

FORM: ITNS---

Mind the second second

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE THOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 23rd March 1981

G.I.R. No. A-89/Acq.—Whereas, 1, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot of land Khasra No. 583 situated at Rahim Nagar, Police Post, Mahanagar, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Luckilow on 3-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dr. J.K. Gupta
 S/o Shri Balak Ram
 R/o 7-B Park Road Colony,
 Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Srivastava S/o Late Shri Srinath Prasad Srivastava R/o 214/5, Chachi Kuwan Lucknow.

(Transferee)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A vacant plot of land measuring 3905 sq.ft. bearing Khasra No. 583, situated at Rahim Nagar, Police Post Mahanagar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5598/3/81 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 3-9-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 23-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd April 1981

G.I.R. No S-202/Acq—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 69, Jhonstonganj, Allahabad situated at Allahabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Allahabad on 18-8-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Km. Pushpa Gaur
 - (2) Smt, Mohini Chowdhry

(Transferor)

(2) Shri Shivaji Chaurasia

(Transferee)

- (3) (1) Shrl Shivaji Chaurasia (above) and
 - (2) Shri Rajendra Singh (Tenant)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underesigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house No. 69, situated at Mohtonganj, Allahabad and all that description of the property which is mentioned in form 37G No. 4276 and the sale deed which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 18-8-1980 (As per 37G form) and on 20-9-1980 as per purchaser).

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 2-4-1981.

Scale:

Smt. Kamala Bala Dasi & Eight Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Sri Vivek Ranjan Dey.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta16-, the 19th March 1981

Ref. No Ac-81/R-II/Cal/80-81—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, haiving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

209, situated at Bagmari Road, Maniktala, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Sealdah on 9-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

22-46GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area 4-cottahs & 13-chitaks with one storeyed building, situated at premises No. 209, Bagmari Road, Maniktala, Calcutta, more particularly described as per Deed No. 721 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 19-3-1981.

Scal;

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri D. Raghunathan, XL/642, Kaloor, Cochin-17.

(Trensferer)

(2) Sri P. A. Rajan,S/o Vjas Clinis,T.D. Road, Earnakulam,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANIIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cookin, the 26th March 1981

Ref. L.C. \$60/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulass

(and prove fully sessified in the Schedule annexed hereto), has been annexed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ernakulam on 4-8-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or ather assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 4007 (84) of 1997);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as kiyen in that Chapter.

THE SCHEDULE

5.102 coate of land with a building as per Schedule attached to Doc. No. 2357/80 dated 4-8-1980.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 26-3-1981

Seal:

Most, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, it thereby initiate proceedings for the acquisition of the afonestic property by the dame of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, II, 54, RAFIAHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-700016.

Calcutta, the 31th March 1981.

Ref. No Acq-83/R-II/Cal/80-81--Whereas, I, K, SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 125, Building No. DB-12, situated at Sector-I, Salt Lake City, P.S. Salt Lake Calcutta-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 1-8-1980. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Sundowners' Co-operative Housing Society Ltd.
 (Transferor)
- (2) Dr. Pulak Kumar Raha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acceptabilities of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of principles of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Sazette.

EXPLANATION':—The terms and expression used therein as are defined in Chipter XXA of the shift Act, shall have the shift medicing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area 1015-sq. ft. at Flat No. 125, Building No DB-12, Sector-I Salt Lake City, P.S. Salt Lake, Calcutta-64, more particularly described in Deed No. 4626 of 1988!

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range II, 54
Rafi Ahmed Kidwai Rd. Calcutta-700016.

Date: 31-3-1981.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SHILLONG.

Shillong, the 17th February 1981

Ref. No A-250/80-81/Sil/904—Whereas, I, E.J. MAWLONG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Dag Nos. 6647/6658/6659, situated at 2nd R.S. Patta No. 626, at Pargona Barakpar, Premtola, Silchar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on 28-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Smt. Madhabi Datta,
 W/o Late Major Manindra Sankar Datta,
 Premtola, Silchar,

(Transferor)

(2) Shri Tulshidas Banik & Smt. Gita Rani Banik, Ambicapatty, Silchar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5(five) kattas 9(nine) chataks covered by Dag Nos 6647/6658/6659, 2nd Rs. Patta No 626 situated at Premtola, Silchar with an Assam type house thereon in the district of Cachar, Assam.

E. J. MAWLONG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquistion Range, Shillong.

Date: 17-2-1981

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBERS, SADAR, NAGPUR.

Nagpur, the 23rd February 1981.

F.No. IAC, ACQ/167/80-81—Whereas I, A.M. KHER, being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 343/0+2, Ward No. 17, Circle No.3, Situated at New Shukrawari, Nagpur.

(and mire fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Nagpur on 8-8-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Narayan Vaidya,
 Shri Ratnakar Hari Vaidya,
 Shri Keshav Narayan Vaidya,
 Shri Avanish Keshav Vaidya,
 Shri Dattatraya Narayan Vaidya,
 Shri Shrikant Dattatraya Vaidya,
 Sr. No.1 and 2 r/o New Shukrawari,
 Nagpur and Sr. No.3 to 6, resident of Bombay.
 (Transferor)
- (2) Shrl Liladhar Bhimraj Harode, Smt. Vatsala Radheshyam Patiye. House No. 343, New Shukrawari, Ward No. 17, New Shukrawari, Nagpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 343/0+2, Ward No.17, Circle No.3, New Shukrawari, Nagpur.

A.M. KHER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Nagpur.

Date:23-2-1981.

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACF, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD' FLOOR, SARAF CHEMBERS, SADAR, NAGPUR'

Nagpur, the 23rd February 1981.

F.No. 1AC.ACQ/168/80-81—Whereas I, A.M.KHER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaften referred to un the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 12/1 Block No.82, Ward No.4, sheet No. 17-D, N.B. Khare Marg, Nagpur, situated at Nager N.B. Khare Marg, Dhantoki, Nagpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur, on 11-8-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Nihar Roy Wil/o Late Jyoiramoy Roy, Amitkumar Roy S/o Jyoiramoy Roy, Alokkmar Roy S/o Jyoiramoy Roy, All resident of Dr. N.B. Khart Road, Dhantoli, Nagpur.

(Transferors)

(2) Shri Shishikant Baila Ajmera, Industrial Belting Corporation, Mount Road, Sadar, Nagpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12/1, Block No. 82, Ward No. 4, Sheet No. 17-D, N. B. Khare Marge, Dhantoli, Nagnur.

A. M. KHER
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Imcome-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 23-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3rd Floor, Saraf Chambers, Sadar, NAGPUR

Nagpur, the 23rd February, 1981

Ref. No. IAC. ACQ/169/80-81—Whereas, I. A. M. KHER, the ingretate the Competent Authority under Section 269B of the Vancoune-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to institle said Act.), have reason to helieve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Kh. No. 398, House No. 667 to 686, Ward No. 2, Ghat Road, Nagpur situated at Ghat Road, Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 25-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as parced to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Vinayak Ramchandra Gin & Pressing CO., Firm Through its Managing Partner Shri Narayan Vishnu Herlekar, Dhantoli, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Venugopal Murlidhar Sarda, R/o Dharaskar Road, Itwari, Nagpur.

(Transferree)

Objections, if .any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the mindanticed:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45..days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date, of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXECUTABLE CONTROL of the said of the said Act, shall have the same meaning as given in that Ghapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 398, House No. 667 to 686, Ward No. 2, Ghat Road, Nagpur.

A. M. KHER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Naggur

Date: 23-2-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 23rd February 1981

F. No. I. AC A. C. Q./170/80-81—Whereas I, A. M. KHER

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 106-A, with house constructed thereon, situated at Shiwaji Nagar, Nagpur.

(and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer, at Nagpur on 19-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I wereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Yesheshchandra Pandurant Wanikar, Shri A. P. Wanikar, Mrs. Suman G. Dani, Mrs. Mandakini P. Teste, Mrs. Llita A. Koparkar, Sr. No. 1, resident of Jogeswari, Bombay-60.

(Tranferor)

(2) Shri Prakash Madhukar Pendke, Shri Promod Gangadhar Pendke, Smt. Chitra Shriram Deshmukh, All resident of Shivaji Nagar, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 106-A, with the house standing thereon, situated at Shivwaji Nagar, Nagpur.

A. M. KHER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Imcome-tax
Acquisitionn Range, Nagpur.

Date: 23-2-1981

Scal :

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 23rd February 1981

Ref. No. J. A. C./A.C.Q./171-80-81-Whereas T. A. M. KHER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 63, situated at Wardhaman Nagar, Nagpur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Nagpur, on 30-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the raid Act, to the following persons, namely :-23-46 GI/81

Shri Hari Ramkrishna Phopli,
 Shri Umesh Shrihari Phopli,
 Shri Nandu Shrihari Phopli,
 Shri Raja Shrihari Phopli,
 All resident of Mahal, Nagpur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Harjinder S/o Sardar Balvant,

2. Shri Shankarijit S/o Saradar Balvant,
3. Shri Amrit S/o Sardar Balvant,

All resident of Lakadgani, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot bearing Plot No. 63, Ward No.23, Div. No. 3 Circle No. 11/16, small factory Area, Wardhamannagar, Nagpur.

> A, M. KHER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Nagpur

Date:23-3-81 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 23rd March 1981.

F.No. IAC.ACQ/172/80-81—Whereas I, A. M. KHER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 469/0-3,1/2 portion, situated at New Colony, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nagpur on 14-10-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chauthram Chimandas, Hardware Merchant, Itwari, Nagpur.

(Transferor)

(2) Smt. Sabarebegam W/o Shabir Ahmed Ansari, resident of Kampete.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Portion of House No. 469/0-3, Circle No. 23, Ward No. 60, New Colony, Nagpur.

A. M. KHER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Nagpur.

Date :23-3-81 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-II MADRAS
Madras, the 20th January 1981.

Ref. No. 9124—Whereas I,RADHA BALAKRISHANAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Padmamani Theatre, situated at 104, 104A, Salai Road, Trichy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. 2621/805 on September 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

O.P. Muthiah, P. Hohan Chandrababu,
 M. Mahalingam, R. Aanaja, Parameswari, Gangabai,
 Sundaraman, Sriraman, Mani Iyer,
 Meenambal S. Krishanan, R. Jayalakshmi, Vasantha,
 Lalitha 95, Andar St., Trichy.

(Transferor)

 R.M. Sethuraman Chettiar, S.Ramaswamy
 Muthukaruppan, S. Palaniappan, S. Panaiappan
 Murugappan, 10, Butter Worth Road, Trichy-2 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building etc. at 104, 104A, Salia Road Trichy (Padmamani Theatre. Doc.2621/80.)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range -II, Madras-600006,

Date :20-1-1981 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 2nd April 1981

Ref. No. F.No. 121/September/80—Whereas, I, R.RAVI-CHANDRAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/mad bearing 4

No. Plot No. 25, New Premises No. 84 situated at Aspirin Gardens, Madras-10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Periamet, Madras-3 on 30-9-1980

(Piece of land-Document No. 1998-80. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri T.K. Thomas, S/o Sri T.T. Kurian, No. 1493,22nd Main Road, 40th Cross, Jaya Nagar, Block 'T', Bangalore-560011.

(Transferor)

(2) Sri George Joseph, S/o Late Mr. Pothan Joseph, 'Varappathra House, Kumarakom, Kottayam (Kerala State)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land situate in Plot No. 25(part) R.S.No 65/1 of Egmore, present, No. 65/9) and bearing new premises No. 84, measuring 2 grounds, 501 sq.ft.- Document No. 1198/80.

R RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-1 Madras-600006.

Date: 2-4-1981

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I Kannamomai Building, IInd Floor, 621 Mount Road, MADRAS Madras-600006 the 28th March, 1981.

Ref. No. 2/August/80—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Ward-E, Block 6, T. S. No. 6 & 19, situated at Palls patty Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Joint Sub-Registrar-II, Salem (Tamil Nadu) on 31-8-1980 (Document No. 2903/80)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

- (1) S. R. Sahadevan,
 S/o Sri Ramasamy Pillai,
 No. 46, Narayana Nagar, 3rd Street,
 SALEM.
- (2) S. Rajendran, S/o S. R. Sahadevan, No. 46, Narayana Nagar, 3rd Street, SALEM.

(Transferor)

- (3) Shri S. Ramasamy, S/o Sri S. R. Sahadevan, No. 46, Narayana Nagar, 3rd St., SALEM.
- (1) Smt. S. Kamalam,
 W/o Shri Subramania Pillai,
 Bhavani Varnapuram, Anna Nagar,
 SALEM.
- Smt. Rajam,
 W/o Shri Krishnamoorthi,
 SALEM-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Ward-E, Block-6, T. S. No. 6, 19, Pallapatty, Salem-Document No. 2903/80)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Date: 28-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras, 23rd March 1981

OF INCOME TAX,

Ref. No. 10937—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 29/12, VOC Road, RS Puram, situated at Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Coimbatore (Doc. 4363/80) on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

R. Rajammal,
 29/12, 13, VOC Road, R S Puram,
 Coimbatore.

(Transferor)

(2) V. Swaminathan,94, Subramanian Road,R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 29/12, 13, VOC Road, R. S. Puram, Coimbatore, (Doc. 4353/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of 'Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 23-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS Madras-600006, the 23rd March, 1981

Ref. No. 10937—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 29/12,13, VOC Road, situated at R. S. puram, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Coimbatore (Doc. 4364/80) on August, 1980 for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) R. Rajammal, 29/12, 13, VOC Road, R. S. puram, Coimbatore (Transferor)
- V. Swaminathan,
 94, Subramaniam Road, R. S. puram,
 Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 29/12, 13, VOC Road, Coimbatore (Doc. 4364/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authorty
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 23-3-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 23rd March 1981

Ref. No. 10945—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7, Ramachandranaidu Lay out situated at Telungupalayam, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Coimbatore (Doc. 3038/80) on August 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- B. Vedambal,
 W/o P. S. Ganapathi Iyer,
 Ramachandra Naidu aLay out, Colmbatore
 (Transferor)
- (2) A. Sivaramakrishnan, S/o A. S. Arunachala Iyer, Ramachandra Naidu Lay out, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by eany of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveble property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 7, Ramachandra Naidu Lay out, Telungupalayam, Coimbatore.

(Doc. 3038/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquistion Range-II, Madras-600006.

Date: 23-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 23rd March, 1981

Ref. No. 10940—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 22/268,269, Oppanakara St., situated at Coimbatore (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Coimbatore (Doc.4270/80 on August 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
24—46GI/81

 Kathija Begum, 16/3, II Floor, Mill Road, Coimbatore

(Transferor)

(2) U.M. Hussain, 22/269, Oppanakara St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 22/268,269, Oppanakara St., Coimbatore (Doc. 4270/80)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 23-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Murugesa Marthandam Advocate, Subordinate Judge Court Udumalpet 152, Crosscut Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) R. Sabapathi 40, Vellalar St., Pollachi

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS Madras-600006, the 23rd march 1981.

Ref.No 10929—Whoreas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Bodipalayam Pollachi situated at Pollachi (Doc. 2094/80) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer = Pollachi (Doc. 2094/80) in August 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Bodipalayam, Pollachi (Doc. 2094/80)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority ssioner of Income-Tax

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Madras-600006,

Date:23-3-1981

Soal;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras 600006, the 23rd March, 1981.

Ref. No. 10925,—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 10/37, Co-Operative B, situated at Colony, Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Gandhipuram (Doc. 2804/80 on August, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri A. Narayana Unni Mannadi Nair Mohandas Garden Nattukkal post Chittor Kerala State.

(Transferor)

(2) Shri M.K. Narayanan 16/1, Hamsa Lay out Road RS Puram, Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 10/37, Co-Operative B Colony., Sangapur Coimbatore (Doc.2804/80)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 23-3-1981

Form LT.N.S.—

(1) The Swastik Textile Mills Ltd.,

(Transferor)

(2) Gandhari Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III BOMBAY Bombay, the, 28thMarch, 1981

Ref. No AR-III/AP-361/80-81—Whereas I, SUDHAKAR VARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 47.S.No. 14-A (pt) C.S. No. 366 (pt) village Chember (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 28-8-1980. Document No. 345-/1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schdedule as mentioned in the Registered Deed No. S-345/1980 with the Sub-Registrar on 28-8-1980.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Asstt. JCommissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 28-3-1981

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 12th March, 1981

Ref. No. 323/80-81—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. TMC No. 1649 situated at Hanagal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hanagal under document number 842 on 11-12-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shaikh Ayub Shaikh Abdul Aziz, Mine Owner,
 R/o Sanguem, Goa.

(Transferor(s)

(2) Shri V. S. Chinmulugund,
Chairman The Hanagal Urban Co-op Credit Bank
Ltd., Hanagal,
Distt. Dharwar.

(Transferee (s)

(3) 1. The Sub-Auditor, Co-operative Department, Building No. TMC. 1649, Hanagal.
2. The Asst. Director of Siriculture, Building No.

Z. The Asst. Director of Siriculture, Building No. TMC. 1649, Hangal.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Registered Document No. 842 Date: 11-12-1980 Land and building bearing TMC. No. 1649 situated at Hanagal, Distt. Dharwar.

R. THOTHATHRI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BOMBAY

Bombay, the 2nd April, 1981

Ref. No. AR/I/4450-23/80-81—Whereas I, SUDHAKAR VERMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. New Survey No. part of 7298 Babulnath Gross Road i. e. C/7298 & C. S. No. 427 of Malabar & Cumballa Hil Divn.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 12-8-80 Document No. BCM-2513/79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Temins K. Karanjia

(Transferor)

- (2) 1. Maheshbahi Venilal Jariwala
 - 2. Dilipbhai Venilal Gandhi alias Jariwala,
 - 3. Kirithbhai Veuilal Jariwala
 - 4. Satisbhai Venilal Jariwala
 - 5. Ketankumar Maheshbhai Jariwala
 - Saunakkumar Maheshbhai Jariwala, & Mrs. Temina K. Karanjia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Scholule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 513/79 and registered with the Sub-registrar on 12-8-1980.

SUDHAKAR VERMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Bombay,

Date: 2-4-1981

PORM ITNS---

(1) Shri M. M. Adke,

(Transferor)

(2) Messrs. Larson & Tourbro Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BOMBAY Bombay, the 2nd April, 1981

Ref. No. AR-III/A.P. 363/80-81Whereas, I SUDHAKAR VARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 48(pt) 3 City S. No. 112 situated at Village Tungwa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 20-8-1980 Document No. 750/78.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 750/78 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 20-8-1980

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 2-4-1981

(1) Bhaskar Vishwanath Nadkarni

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Messrs, Nirmal Builders.

(Tranferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE, III, BOMBAY

SIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 2nd April, 1981

Ref. No. A.R.-III/A.P. 362/80-81—Whereas, I SUDHA-KAR VERMA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. S. No. 232, Plot No. 29 situated at Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-8-1980 Document No. S.-869/79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registrar Deed No. S-869-79 registered with the Sub-Registrar on 6-8-1980.

SUDHAKAR VERMA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-4-1981

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 2nd April 1981

Ref. No. A.R.-II/3026-II/Aug/80---Whereas, I, SANTOSH DATTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 57, H. No. 2& 4 City S. No. 637, situated at Vile-Parle East

(and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 27/8/1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

25-46 GI/81

(1) Shri Panchanan P. Sarwate

(Transferor)

(2) Parle Pearl Co-op, Hasg. Soc. Ltd.

(Transferee)

- (3) 1. Shri R. S. Deoghar
 - 2. Shri M. D. Desai
 - 3. Mrs. N. M. Bhorkar
 - 4. Shri M. H. Pethe
 - 5. Shri P. G. Halwe 6. Shri P. N. Godse
 - 7. Shri R.S. Apte
 - 8, Shri V. N. Kulkarni
 - 9, Mrs. S, R. Desai
 - 10, Dr. A. H. G. Jadhav
 - 11, Shri S. D. Kamat
 - 12. Shri P. G. Chavan
 - 13. Shri V. J. Bapaı
 - 14. Shri R. A. Kulkarni
 - 15. Shri A, E, Narsale
 - 16. Shri V. M. Joshi
 - 17. Mrs. S. V. Wagholikar
 - 18. Shri A. A. Panse.

[Person(s) In occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-944/79 with the Sub-Registrar, Bombay, on 27-8-1980.

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tex
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 2-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE.I, Bombay

Bombay, the 4th April 1981

Ref. No. A.R./I/4462-35/80-81----Whereas, (I, SUDHAKAR VARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 25-000/- and bearing No.

S. C. No. 16603 of Byculla Divn. and situated at Dr. Anantrao Nair Road

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registration Officer

t Bombay on 28-8-1980

(Document No. Bom. 1238/80)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sohrab (Soli Jehangir Madan

(Transferor)

(Transfer cc)

- (2) 1. Roshanwalla Haroon Rashid Ahmed,
 - 2. Roshanwajia Yakub Ahmed.
 - 3. Syed Mehoob Hasan, mood and
 - 4. Rasiklal Pranlal Shah
 - Mr. Y.A. Reshamwala, Mrs. Alana Adarbad Billinoria
 - 3. Framroze Madan
 - 4. Yogam.
 - 5. Mr. Nair

(Persons in occupation of the property)

(4) 1. Mr. G Framroze Edulji Madan 2. Dr. Jamshad karkhusru Madan being 2/3rd owner of undivided share in the Property

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 1238/80 and registered with the sub-Register, Bombay-on 28 -8-1980.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 4-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th April, 1981

Ref. No. AR-1/4443-16/80-81---Whereas, I, SUDHAKAR VARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. C.S. No. 1012 of Fort Division siatuated at Bazar Gate Street

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

at Bombay on 18-8-1980 Document No. Bom. 1554/78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any intoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Liladhar Narottam,
 - 2. Smt. Kesarbhai, wife of Liladhar
 - 3. Kum. Ila Liladhar
 - 4. Chetan Liladhar
 - 5. Bipin Liladhar
 - 4. Asha Liladhar

(Transferor)

(2) Shri Devchand Bhimshi Mota

(Transferce)

- (3) 1. Khimji Jivraj Gala.
 - 2. Devchand Bhimshi Mota
 - 3. Mohanlal Bhimshi Mota
 - 4. Mulji Ratanshi Gala
 - 5. Mohanlal Bhimshi
 - 6. Khimji Jivraj Gala.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 1554/78 and registered with the Sub-registrar, Bomhay, on 18-8-1980

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Bombay.

Date: 4-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 7th October 1980

Ref. No. 294/80-81-Whereas, I, R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CTS No. 4A/2B in Rs. No. 87/2/B/2/1 situated at Bharati Nagar, Saptapur, Dharwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dharwar under document number 939 on 30-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Shri R. B. Udyavar,
 L. I. C. of India, Udipi Divisional Office,
 Udipi.

(Transferor)

(2) Dr. C. N. Srinivasan, "Ganesh Krapa" Bharati Nagar, Saptapur, Dharwar.

(Transfreree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 139 Dated: 30-8-1980 Land and building bearing CTS No. 4A/2B in R.S. No. 87 2B/2/1/ situated in Bharati Nagar, Saptapur, Dharwar.

R. THOTHATHRI
Competent Authroity
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 26th December 1980

Ref. No. 305/80-81—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Municipal Asstt. No. 576/413/558/351 (New situated at Gandhi Bazar, Shimoga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shimoga under document number 2484 on 13-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri H. R. Nagaraj Setty, S/o Shri Ramiah.
 Shri H. Nanjundharaja Setty,
 Miss. H. N. Srilaxmi,
 Shri H. N. Shashidhar,
 C/o M/s. H. Nanjundappa Ramiah & Sons,
 General Merchants, Gandhi Bazar,
 Shimoga-1.
- (Transferor)
 (2) Shri H. R. Anant Setty, S/o Shri H. Ramiah,
 C/o M/s. H. Nanjundappa Ramiha & Sons,
 General Merchants, Gandhi Bazar,
 Shimoga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 2484 Dated: 13-10-1980

Land and building bearing Municipal Assessment No. 576/413/558/351 (New) situated at Gandhi Bazar, Shimoga.

R. THOTHATHRI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 26th December 1980

Ref. No. 308/80-81—Whereas, I, R. THOTHATHR1, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1, Land Regn. No. 27 situated at Teleigao, Ilhas; Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ilhas under document No. 257 on 23-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, it pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Sitarama Visrama Porobo Nachinolcar,
 - 2. Shri Visrama Sitarama Porobo Nachinolcar,
 - 3. Shrimati Parvatibai Vishram Nachinolcar,
 - 4. Shital Sitarama Nachinolcar,
 - 5. Shrimati Shanta Shital Nachinolcar,
 - 6. Shri Gopala Porobo Nachinolcar,
 - 7. Shrimati Pramilabai Gopal Nachinolcar,
 - Dr. Raghunata Visrama Porobo Nachinolear,
 Shrimati Indirabai Raghunath Nachinolear,
 - Residents of Santa Cruz, Panaji-Goa.

(Transferors)

(2) 1. Shrì Ganesh Rao,
 Prop. Mandavi Ice Plant,
 H. No. 499, Heliodoro Salgado Road,
 Near Karnataka Bank, Panaji.

(Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Civilities.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 257 Dated: 23-8-1980)
Open plot measuring 1067 ·80 sqm. bearing Land Reg.
No. 27, Plot No. 1 situated at Village Telelgao, sub-district
Ilhas, Dist: Goa.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assitant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269\$\(\text{(1)}\) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001 Bangalore-560001, the 26th December 1980

Ref. No. 309/80-81—Whereas, I, R. THOTHATHRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Door No. 235/1,2, 3 situated at P. B. Road, Davanagere (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer

at Davanagere under document No. 2202 on 30-8-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri T. M. Chandrashekharlah S/o T. M. Panchaksharlah,
 - Smt. Sumangaladevi W/o Sri T. M. Chandrashekhariah.
 - 3 Sri Panchakshariah W/o Shri T. M. Chandra-shekhariah.
 - 4. Shri Premakumar alias Premanath S/o Shr T. M. Chandrashekhariah,

Door No. 158, P. J. Extension Davanagere.
(Transferors)

- (2) 1. Shri S. V. Jadhav,
 - 2. Shri R. S. Jadhay.
 - 3. Shri N. S. Jadhav,
 - 4. Shrimati Sushilabai Jadhav.

Partners of M/s. Sree Krishna Engineering works, P. B. Road, Davanagere.

(Transferees)

(3) Proprietor Tajamahal Hotel,P. B. Road, Davanagere,Door No. 125.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2202, dated: 30-8-1980)

Open site measuring 781 sqm. (excluding temporary structures thereon) bearing Door No. 235/1, 2, 3, situated in P. B. Road, Davanagere.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-550001

Bangalore-560001, the 15th January 1981

Ref. No. 310/80-81—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Site No. 81 situated at Balaraj Urs Road, Shimoga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Shimoga under documnet number 2431 on 6-10-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Abdulgafarsabu S/o Karimsabu, Balaraj Urs Road, Shimoga,
- (Transferor)
- Shri N. K. Danappa, Secretary, Taralabalu Jagadguru Students Home, Shimoga.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2431,

dated: 6-10-1980,

Land bearing site No. 81 and building thereon situated at Balaraj Urs Road, Shimoga.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-1-1981

transfer with the object of :---

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001 Bangalore, the 15th January 1981

Ref. No. 311/80-81-Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Survey No. 910, Matriz No. 1491 & 330 situated at Bairro, Anguddi, Mapusa-Bardez, Goa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mapusa under document number 742/Vol. 148 on 6-8-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—46GI/81

 I. Dr. Alvaro Botelho
 Mrs. Maria Celina Regina de Piedade Dias Souza Botelho,

R/o Portuguese East Africa.

(Transferors)

(2) Shri Dattaprasad Anant Kamat, R/o Churchview Building, Panaji, Goa.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lacer;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 742/Vol. 148, da

dated 6-8-1980,

Land bearing survey No. 910. Matriz No. 1491 & 330 and building thereon, situated at Bairro, Anguddi, Mapusa-Bardez, Goa.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-1-1981

eSal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001 Bangalore, the 3rd Februray 1981

Ref. No. 312/80-81—Whereas, I. R. THOTHATHRI being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CTS No. 2041/17 situtated at Ganapatagalli, Belgaum (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Belgaum under document numer 2006 on 5-9-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ramesh Ramrao Nargundkar, M-8, Lajpatnagar III, New Delhi, through his power of Attorney Shri Ratnakar Ramarao Naragundkar, 3360, Gondhali Galli, Belgaum.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Govindrao Abajirao Sawaut,
- 2. Shri Balakrishna Shivajirao Sawant,
 217, Tashildar galli, Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 20006, dated 5-9-1980)

Land and building bearing CTS No. 2041/17, measuring 137-15 sqm. situated at Ganapatagalli, Belgaum.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 3-2-1981

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITIONS RANGE, BANGALORE

Bangalore.-560001, the 3rd Feb. 1981

Ref. No. 313/80-81--Whereas, f, R. THOTHATHRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing '

No. R. S. No. 1363/1A situtated at Sadashivanagar, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

- at Belgaum under document number 2465 on 23-10-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rukminibai Gopal Bhosale, Sadashivanagar, Belgaum.

(Transferor)

- Shri Manohar Laxman Sawant,
 Lane, Shivajinagar, Belgaum.
 - Shri Basaveshwar Yellappa Jadagi, H. No. 1363/1, Phulaba g galli, Belgaum.

(Transfefree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2465 Dated 23-10-1980)

Land and building bearing R. S. No. 1363/1A situated at Sadashivanagar, Belgauim.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income -tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 3rd Fenruary, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 3rd February, 1981

Ref. No. 314/80-81--Whereas, I, R. THOTHATHRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CTS. No. 819 situated at Temple Road, Belur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at at Belur under document number 918 on 28-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Shri V. S. Rajan,
 S/o V. N. Sundaraja Mudaliyar,
 H. No. 196, 3rd Main, IV Block, Rajaji
 Nagar, Bangalore.
- (Transferor)
- Dr. Harinarayan Varambally, S/o Berlli Shivaram Varambally, Varambally Clinic, Belur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 918 Dated 28-10-1930]
Land and building bearing CTS No. 819 situated at Temple Road, Belur.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE Bangalore, the 3rd February, 1981

Ref. No. 316/80-81—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. CTS No. 172 situated at Rajendr Nagar, Haveri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Haveri under document number 626 on 3-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Basavva W/o Fakirappa Taware.
 Post: Negalur, Tal: Byadagi, Distt. Dharwar.
 (Transferor)
- (2) Shri Basavaraj Siddappa Ganiger,
 Asstt. Agricultural Officer, Soil Conservation,
 P. O.: Byadagi, Distt. Dharwar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 626 Dated 3-10-1981]
Land and bulding bearing CTS No. 172 situated at Rajendr Nagar, Haverl.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income -tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-2-1981

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 12th March, 1981

Ref. No. 317/80-81—Whereas, I, R. THOTHATHRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 19/11 and Matriz No. 63 situated at Davorlim village, Salcete Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salcete under document number 119/492 on 6-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Joaquim Figuereido,
 - (2) Lucy Figueiredo
 - (3) Lusia Figueiredo
 - (4) Walter Figuelredo
 - (5) Selza Figueiredo
 - (6) Alan Figueiredo
 - (7) Helen Figueiredo
 - (8) Malen Fernandes
 - (9) Albert Fernandes
 - (10) Joseph Figueiredo
 - (11) Berta Figueiredo
 - (12) Victor Figueiredo
 - (13) Saly Figueiredo
 - (14) Helena de Piedade Colaco e Figueiredo
 - (15) Melwin Figueiredo
 - (16) Miss Suzette Figueiredo

No. 3 to 13 R/9 Margao,

15 & 16 R/3 Bombay

All are represented by their attorney by Dr. Norman Fremioth Pereira of Margao. (Transferor)

(2) Vikas Enterprises, C/o Mr. Damodar, V. Ghodage, New Market, Margao, Goa.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 119/492 Dated: 6-8-1980 Open plot measuring 14754. 32 Sqm. Known as "Kitubona or Pan" bearing Revenue Survey No. 19/11 and Matriz No. 63, situated at village Davorlim, Taluk Margao, Distt. Goa.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITIEN RANGE, BANGAEORE

Bangalore, the 12th March, 1981

Ref. No. 318/80-81—Whereas, I, R. THOTHATHRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Matriz No. 2425 and chalta No. 81 situated at Borda, Taluk Salcete, Goa.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Salcete under document number 76/448 on 30-8-1980 for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) 1. Shri Baburao Narayan Kerkar(2) Smt. Sangita Baburao Kerkar,R/o Margao, Goa.

(Transferors)

(2) M/s. Rawal Builders, through its partner Shri Sakharam Rawal, Navelim Dongri, Salcete, Margao, Goa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exputes later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 76/448 Dated 30-8-1980]

Open plot measuring 1285 Sqm. bearing Matriz No. 2445 and chalta No. 81, situated at Borda, Margao Taluk, Distt: Goa.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 12-3-1981

FORM LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 12th March 1981

Notice No. 320/80-81—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M. H. 317/A and 317/B situated at Chavadigalli, Belgaum (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum under document number 2570 on 3-1--1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Judian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) J. Shri Vishnu Rama Topagi,
 - 2. Shri Narayan Rama Topagi,
 - 3. Shri Krishna Rama Topagi,
 - 4. Shri Shankar Rama Topagi,

R/o M. H. No. 317/A, & B, Chavadigalli, Vadagaon, Belgaum. (Transferors)

(2) Shri Babu Vishnu Topagi, R/o M. H. No. 317/A & B, Chavadigalli, Vadagaon, Belgaum.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 2570 Dated: 3-11-80 Land & building bearing Municipal House No. 317/A& 317/B situated at Chavadigalli, Vadagaon, Belgaum.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-3-1981

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001 Bangalore-560001, the 12th March 1981

Notice No. 321/80-81—Whoreas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

plot No. 12,

situated at Supermarket, Gulbarga

more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gulbarga under document number 2481 on 26-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or oher assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Smt. Gcdawaribai W/o Siddayya Mailapur, Asif Gunj, Gulbarga.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ganapatarao S/o Krishnath Pawar,
 - 2. Shri. Maruti S/o Krishnath Pawar.
 - 3. Shri. Ramakant S/o Krishnath Pawar,

Swiss India Watch Company, Fort, Road, Gulbarga. (Transferoos)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2481 Dated 26-11-1980]
Open plot No. 12, admeasuring 111.52 sqm. situated at Super Market Layout, Main Road, Gulbarga.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-3-198

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER, OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 12th March 1981

Notice No. 322/80-81—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing.

No. Plot No. 1, situated at Aquem Alto Margao (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salcete under document number 236, on 3-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

I. Shri Anant Balakrishna Naik,
 Smt. Saraswati Anant Naik,
 R/o Sneha Sadan, N. Gamadia Road,
 Bombay-400026.

(Transferors)

(2) Shri Ganesh Mukundhset Daivajna, Chartered Accountant, Sukdow Building, Margao, Goa.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 236 Dated: 3-9-1980]
Open plot bearing No. 1 admeasuring an area of 1237-50
Sqm. Situated at Aquem Alto, Margao, Goa.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-3-1981